शनिवार, 27 दिसम्बर 2025

मौसम

तापमान 13 – 25
आर्द्रता 71%
सूर्योदय: 06:14 सूर्यास्त: 17:00

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज

कोलकाता, पौष शुक्लपक्ष सप्तमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

रेणुका-दीप्ति के बाद शेफाली का जलवा, भारत ने श्रीलंका को हराकर श्रृंखला जीती पृष्ठ 8

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भेंट

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। उसने कहा ,''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।''

विदेशी मुद्रा भंडार 4.36 अरब डॉलर बढ़कर 693 अरब डॉलर पर

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि 19 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4.368 अरब डॉलर बढ़कर 693.318 अरब डॉलर हो गया। इससे पिछले सप्ताह कुल भंडार में 1.69 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी और यह 688.95 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार 19 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 1.64 अरब डॉलर बढ़कर 559.43 अरब डॉलर हो गईं।

पुतिन की भारत यात्रा ने रणनीतिक लक्ष्यों, आपसी विश्वास की फिर से पुष्टि की: रूसी विदेश मंत्रालय

मॉस्को : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया भारत यात्रा के दौरान हुए समझौतों ने दोनों देशों के रणनीतिक लक्ष्यों में सामंजस्य और समय की कसौटी पर खरे उतरे पारस्परिक विश्वास की दृढ़ता की फिर से पुष्टि की है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बयान में यह बात कही। पुतिन ने 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए इस महीने की शुरुआत में भारत की दो दिवसीय यात्रा की थी। इस दौरान दोनों देशों ने एक मजबूत आर्थिक साझेदारी बनाने के लिए पांच साल के खाके सहित कई कदमों की घोषणा की थी। मंत्रालय ने अपने बयान में इस यात्रा को रूसी विदेश नीति की प्रमुख उपलब्धियों में से एक बताया

जेन जी और जेन अल्फा ही विकसित भारत बनाएंगे : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को वीर बाल दिवस के अवसर पर कहा कि जेन जी और जेन अल्फा ही भारत को 'विकसित भारत' के लक्ष्य तक पहुंचाने वाली पीढ़ी है। भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 1997 से 2012 के बीच जन्मी डिजिटल-सक्षम जेन जी और 2013 के बाद जन्मी तकनीक-केंद्रित जेन अल्फा में देश के उज्ज्वल भविष्य की अपार संभावनाएं छिपी हैं। उन्हें युवाओं की क्षमता, आत्मविश्वास और सामर्थ्य पर पूरा भरोसा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उम्र नहीं, बल्कि कर्म और उपलब्धियां व्यक्ति को महान बनाती हैं। कम उम्र में भी ऐसे कार्य किए जा सकते हैं जो पूरे समाज को प्रेरणा दें। वीर साहिबजादों के बलिदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि साहिबजादों ने यह नहीं देखा कि रास्ता कितना कठिन है, बल्कि यह देखा कि रास्ता सही है या नहीं। यही सोच आज के युवाओं को भी अपनानी होगी - बड़े सपने देखना, कठिन परिश्रम करना और आत्मविश्वास को बनाए रखना। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब उसके बच्चों और युवाओं का भविष्य उज्ज्वल होगा। आज अटल टिंकरिंग लैब्स के माध्यम से लाखों बच्चे नवाचार, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, शोध और सस्टेनेबिलिटी से जुड़ रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत मातृभाषा में शिक्षा बच्चों के लिए सीखने को और सहज बना रही है। गुलामी की मानसिकता पर प्रहार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि साहिबजादों की गाथा देश के हर नागरिक की जुबान पर होनी चाहिए थी, लेकिन आज़ादी के बाद भी देश पूरी तरह इससे मुक्त नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि 1835 में मैकाले द्वारा बोए गए गुलामी के विचारों के बीजों ने भारत की अनेक सच्चाइयों को दबा दिया। अब देश ने तय कर लिया है कि इस मानसिकता से मुक्ति पानी ही होगी। उन्होंने कहा कि 2035 तक, जब मैकाले की इस सोच को 200 साल पूरे होंगे, तब तक हमें पूरी तरह गुलामी की मानसिकता से मुक्त होना है- यह 140 करोड़ भारतीयों का साझा संकल्प होना चाहिए।

पीएम मोदी ने बाल पुरस्कार विजेताओं से मुलाकात की

समय पर संपत्ति का विवरण दाखिल करें, अन्यथा कार्रवाई होगी : केंद्र की आईएएस अधिकारियों को चेतावनी

नयी दिल्ली : केंद्र ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के सभी अधिकारियों को समय पर अपनी संपत्ति का विवरण दाखिल करने का निर्देश दिया है और कहा है कि ऐसा न करने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही तथा पदोन्नति से वंचित करने सहित कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। सभी आईएएस अधिकारियों के लिए अगले वर्ष 31 जनवरी तक 'वार्षिक अचल संपत्ति रिटर्न' (आईपीआर) जमा करना अनिवार्य है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने जनवरी 2017 से 'स्पैरो' मॉड्यूल के माध्यम से आईएएस अधिकारियों के संबंध में आईपीआर संबंधी जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने की सुविधा शुरू की थी। केंद्रीय विभागों के सचिवों और सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को भेजे गए 23 दिसंबर के पत्र में कहा गया है, ''यह वास्तव में अत्यंत संतोष की बात है कि अधिकारी वर्षों से अपना आईपीआर या तो इलेक्ट्रॉनिक रूप से जमा कर रहे हैं या पारंपरिक रूप से भरे गए आईपीआर की 'स्कैन' की गई प्रति अपलोड कर रहे हैं।''

विज्ञान और धर्म के बीच कोई टकराव नहीं : आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

तिरुपति : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि विज्ञान और धर्म के बीच कोई संघर्ष नहीं है तथा अंततः सभी लोग विभिन्न मार्गों के माध्यम से एक ही सत्य की खोज करते हैं। भागवत ने यहां आयोजित भारतीय विज्ञान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म को प्रायः मजहब के रूप में गलत समझ लिया जाता है, जबकि वास्तव में यह ''सृष्टि के संचालन को नियंत्रित करने वाला विज्ञान'' है। उन्होंने कहा, ''धर्म कोई मजहब नहीं है। यह वह नियम है, जिसके अनुसार सृष्टि चलती है। कोई इसे माने या न माने, लेकिन इसके बाहर कोई भी कार्य नहीं कर सकता।'' उन्होंने यह भी कहा कि धर्म में असंतुलन विनाश का कारण बनता है। भागवत ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से विज्ञान ने यह मानते हुए धर्म से दूरी बनाए रखी कि वैज्ञानिक अनुसंधान में उसका कोई स्थान नहीं है, लेकिन यह दृष्टिकोण मूल रूप से गलत है। उनके अनुसार,

विज्ञान और अध्यात्म के बीच वास्तविक अंतर केवल कार्यप्रणाली का है, लेकिन दोनों का लक्ष्य एक ही है। उन्होंने कहा, ''विज्ञान और धर्म या अध्यात्म के बीच कोई टकराव नहीं है। उनकी पद्धतियां भले ही अलग हों, लेकिन मंजिल एक ही है-सत्य की खोज।'' वैज्ञानिक प्रक्रिया की व्याख्या करते हुए भागवत ने कहा कि विज्ञान तथ्यों को स्थापित करने के लिए बाहरी अवलोकन, प्रयोग और दोहराए जाने योग्य अनुभव पर निर्भर करता है, जबकि आध्यात्मिकता आंतरिक अनुभव के माध्यम से उसी सिद्धांत का पालन करती है।

उन्नाव बलात्कार मामला: सीबीआई ने सेंगर की सजा के निलंबन को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी

नयी दिल्ली : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उन्नाव बलात्कार मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा को निलंबित करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय की पीठ के आदेश का अध्ययन करने के बाद शीर्ष अदालत का रुख किया। इससे पहले, सीबीआई प्रवक्ता ने एक बयान में कहा था कि उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ जल्द से जल्द उच्चतम न्यायालय के समक्ष याचिका दायर करने का निर्णय लिया गया है। उच्च न्यायालय ने सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित करने के बाद उसे जमानत दे दी। हालांकि, सेंगर जेल में ही रहेगा, क्योंकि वह बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत से जुड़े मामले में 10 साल की सजा काट रहा है। सेंगर ने अपनी उम्रकैद की सजा के खिलाफ अपील दायर की थी, जिसका सीबीआई और पीड़िता के परिवार ने उच्च न्यायालय में कड़ा विरोध किया था।

टोरंटो विश्वविद्यालय परिसर के पास भारतीय छात्र की गोली मारकर हत्या

टोरंटो : कनाडा में टोरंटो विश्वविद्यालय के स्कारबोरो परिसर के पास 20 वर्षीय भारतीय शोध छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गोलीबारी की यह घटना मंगलवार को हुई। टोरंटो पुलिस ने मृतक की पहचान शिवांक अवस्थी के रूप में की है। नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि भारत कनाडा के अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने कहा, हम उनके परिवार के संपर्क में हैं। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हम अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। हम पता लगा रहे हैं कि किन परिस्थितियों में मौत हुई। हम इस मामले में हम स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। जायसवाल ने कहा, हमारा महावाणिज्य दूतावास मृतक के परिवार को हर संभव सहायता दे रहा है। कनाडाई ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (सीबीसी) की खबर के अनुसार, ड्यूटी इंस्पेक्टर जेफ एलिंगटन ने मंगलवार रात घटनास्थल के पास संवाददाताओं को बताया कि पुलिस को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे हाइलैंड क्रीक ट्रेल और ओल्ड किंग्स्टन रोड के पास एक घायल व्यक्ति के पड़े होने की सूचना मिली थी।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार जारी शत्रुतापूर्ण गतिविधियां गंभीर चिंता का विषय : भारत

दो हिंदू युवकों की हत्या पर कड़ी निंदा, दोषियों को सज़ा देने की मांग

अल्पसंख्यकों पर 2,900 से अधिक हिंसक घटनाओं का दावा

नयी दिल्ली : भारत ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार जारी ''शत्रुतापूर्ण गतिविधियां' गंभीर चिंता का विषय हैं और उसने पिछले सप्ताह मयमनसिंह क्षेत्र में एक हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या करने में शामिल दोषियों को दंडित करने की मांग की। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की स्वदेश वापसी पर नयी दिल्ली ने भी सतर्कतापूर्वक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इसे उस देश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी संसदीय चुनाव सुनिश्चित करने के लिए भारत के प्रयासों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश के मयमनसिंह में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की हाल में हुई हत्या की कड़ी निंदा करता है। उन्होंने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, ''बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और बौद्धों समेत अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी शत्रुतापूर्ण गतिविधियां गंभीर चिंता का विषय हैं। हम बांग्लादेश में हाल में एक हिंदू युवक की हत्या की कड़ी निंदा करते हैं और उम्मीद करते हैं कि इस अपराध के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जायेगा।'' बांग्लादेशी अधिकारियों ने दास की हत्या के सिलसिले में पहले ही 12 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जायसवाल ने कहा, ''अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान स्वतंत्र स्रोतों द्वारा अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की 2,900 से अधिक घटनाओं को दर्ज किया गया है, जिनमें हत्या, आगजनी और भूमि हड़पने के मामले शामिल हैं।'' जायसवाल ने कहा, ''बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को मीडिया द्वारा बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना या राजनीतिक हिंसा कहकर खारिज नहीं किया जा सकता।'' पिछले साल हुए जन आंदोलनों में अहम भूमिका निभाने वाले युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद बांग्लादेश में अशांति और राजनीतिक अस्थिरता का माहौल है। इन आंदोलनों के कारण ही शेख हसीना की सरकार गिर गई थी। हादी की हत्या ने भारत-बांग्लादेश संबंधों में एक नया तनाव भी पैदा कर दिया है क्योंकि उस देश के कुछ तत्वों ने उनकी मौत को नयी दिल्ली से जोड़ने की कोशिश की है। भारत ने इन आरोपों को खारिज कर दिया।

भगोड़ों को वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध: विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली : विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि वह ललित मोदी और विजय माल्या समेत अन्य आर्थिक भगोड़ों को विदेश से वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे देश में अपने खिलाफ दर्ज मुकदमों का सामना कर सकें। विदेश मंत्रालय का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब दो दिन पहले ही ललित मोदी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर खुद को और माल्या को भारत के दो सबसे बड़े भगोड़े बताया था। वीडियो में ललित मोदी को यह कहते हुए सुना जा सकता है, हम दो भगोड़े हैं, भारत के सबसे बड़े भगोड़े। लंदन में माल्या के 70वें जन्मदिन की

पार्टी का यह वीडियो बाद में हटा दिया गया। वीडियो के शीर्षक में ललित मोदी ने व्यंग्यात्मक लहजे में लिखा, चलिए भारत में इंटरनेट पर फिर से धमाल मचाते हैं। हटाए जा चुके इस वीडियो के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सरकार भारत में वांछित लोगों को वापस लाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, हम इस बात के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं कि भारत में वांछित भगोड़ों को देश वापस लाया जाए। इस विशेष मुद्दे पर हम कई सरकारों से बातचीत कर रहे हैं। जायसवाल ने कहा, प्रक्रियाएं जारी हैं। इनमें से कई मामलों में कानूनी पेचीदगियां कई स्तरों पर शामिल हैं। लेकिन हम उन्हें भारत वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे यहां की अदालतों में मुकदमे का सामना कर सकें।

पंजाब के किसानों को आर्थिक संबल जरूरी

एक समय था जब पंजाब के ग्रामीण अंचलों में खिले हुए सरसों के खेत मौसमी बयार में बदलाव के प्रतीक हुआ करते थे। तमाम सांस्कृतिक प्रतिमानों में पीले सरसों के खेतों को मौसम के गौरव के रूप में चित्रित किया जाता रहा है। लेकिन वक्त की विडंबना है कि यह अब यह सुनहरी फसल सिमटती नजर आ रही है। जिसके परिणाम स्वरूप आज देश में हम खाद्य तेलों की पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि भारत लगातार आयातित खाद्य तेलों पर अत्यधिक निर्भर होता जा रहा है। निश्चय ही यह स्थिति व्यवस्था के कई विरोधाभासों को भी उजागर कर रही है। यह तथ्य चौंकाता है कि पंजाब में सरसों के उत्पादन में इसलिए गिरावट नहीं आ रही है कि फसल उत्पादन क्षमता में किसी तरह की कोई कमी आई है। बल्कि यह स्थिति इसलिए है कि सरकारों की नीतियां प्रोत्साहन देने वाली साबित नहीं हो रही हैं। वहीं बाजार के रुझान इसे आर्थिक रूप से किसानों के हितों के प्रतिकूल बना रहे हैं। कहने को तो अकसर दलील दी जाती है कि पंजाब के किसानी से जुड़े संकटों का समाधान फसलों के विविधीकरण में निहित है। लेकिन विडंबना यह है कि विविधीकरण के दावों के बावजूद, सरसों के उत्पादक किसान प्रोत्साहन न मिल पाने से निराश हैं। दरअसल, किसान कम और अनिश्चित मुनाफे के चलते सरसों की फसल उगाने से गुरेज करता है। उसके सामने बड़ी चुनौती यह भी है कि सरसों की फसल की सरकारी खरीद सीमित मात्रा में होती है। जिसके चलते किसानों को खून-पसीने की उपज को बेचने के लिये व्यापारियों के रहमोकरम पर निर्भर रहना पड़ता है। वे अपने मोटे मुनाफे के लिये किसान के हितों की अनदेखी करने से नहीं चूकते। यही वजह है कि गेहूं और धान के विपरीत, जिनकी खरीद सुनिश्चित है और उनके लिये मजबूत विपणन प्रणाली मौजूद है, सरसों की फसल किसानों को बाजार की अस्थिरता के प्रति संवेदनशील बना देती है। फलत: किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

दरअसल, इस संकट का दूसरा पहलू यह भी है कि पंजाब आज अपनी खाद्य तेल आवश्यकताओं का एक मामूली हिस्सा ही स्थानीय उत्पादन से पूरा करता है। इससे हमारी महंगे आयात पर निर्भरता और भी बढ़ जाती है। तिलहन की खेती को बढ़ावा देना अक्सर राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। सही मायनों में सरकारी तंत्र द्वारा सरसों की उपज की खरीद में सहायता और न्यायसंगत मूल्य दिलाने के वायदे खोखले साबित होने के कारण सरसों की पैदावार का रकबा बढ़ता नहीं है। जिस दिन किसानों को तंत्र की नीतियों पर भरोसा पैदा हो जाएगा, उस दिन निश्चय ही किसान प्रोत्साहन के चलते तर्कसंगत प्रतिक्रिया देंगे। निर्विवाद रूप से पंजाब की धरती में सरसों उत्पादन की स्थितियों से जुड़ी संभावनाएं पर्याप्त हैं। यकीनी तौर पर यह धान की तुलना में कम पानी की खपत करती है। साथ ही भूजल संकट को कम करने के उद्देश्य से फसल विविधीकरण से जुड़ी रणनीतियों में स्वाभाविक रूप से फिट बैठती है। लेकिन हमें इस हकीकत को स्वीकार करना चाहिए कि पंजाब में विविधीकरण के लक्ष्य केवल नैतिक प्रोत्साहन से हासिल नहीं किए जा सकते। निश्चित रूप से इसके लिए अनिवार्य शर्त है कि बाजार की संरचना में जरूरत के अनुरूप बदलाव प्राथमिकता के आधार पर किए जाएं। सही मायनों में सरसों के लिये एमएसपी समर्थित खरीद और स्थानीय प्रसंस्करण, भंडारण और मूल्य शृंखलाओं में निवेश किसानों को सरसों की खेती अपनाने के लिये प्रोत्साहित कर सकता है। यही प्रयास पंजाब के खेतों में पीली आभा फिर से पैदा करने की दिशा में कारगर साबित होंगे। सही मायनों में पंजाब में सरसों की खेती की कहानी नीतिगत विसंगतियों को ही उजागर करती है। दरअसल, संस्थागत स्तर पर समर्थन कुछ चुनिंदा फसलों को दिया जाता रहा है। जब तक यह असंतुलन दूर नहीं किया जाता, सरसों एक खोये हुए अवसर का प्रतीक बनकर रह जाएगी। इस फसल के पुनरुद्धार के लिये महज नारों की ही नहीं, बल्कि उसी गंभीरता की आवश्यकता है, जो गेहूं और धान की फसलों को लेकर लंबे समय से बरती जाती रही है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 27 दिसम्बर, शनिवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, पौष शुक्लपक्ष सप्तमी, 13:05 तक, नक्षत्र : पूर्वभाद्रपदा, 08:58 तक, योग : व्यतिपाता, 12:12 तक, सूर्योदय: 06:14, सूर्यास्त: 17:00, चन्द्रोदय : 11:04, चन्द्रास्त: 23:34, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : धनु, चन्द्र राशि : मीन, राहू काल : 08:58 से 10:17

राशिफल

मेष : मेष राशि के जातकों को खानपान का विशेष ध्यान रखना होगा। सायंकाल से लेकर रात्रि का समय प्रियजनों के दर्शन हास्य परिहास में व्यतीत होगा। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे।

वृष : आज का दिन पारिवारिक जनों के साथ सुखद बीतेगा। भाग्यवश दोपहर तक शुभ समाचार भी मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। आपका सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन : इष्ट देव के आशीर्वाद और कुलदेवी की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी। व्यस्तता अधिक रहेगी, व्यर्थ व्यय से बचें।

कर्क : राशि स्वामी की उत्तम स्थिति एवं राशि पर बृहस्पति का मिथुन राशिस्थ होकर परिभ्रमण अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति करा कर कोष की स्थिति को सुदृढ़ करेगा।

सिंह : आपको दूसरों की मदद करने से सुकून मिलता है इसलिए आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा। आप अपने सद्व्यवहार से माहौल को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे।

कन्या : राशि का स्वामी बुध वृश्चिक में चतुर्थ मंगल के साथ एक राशि में सूर्य-शुक्र कर रहे हैं। फलस्वरूप वृद्धजनों की सेवा तथा पुण्य कार्यों पर धन व्यय होने से मन में हर्ष रहेगा।

तुला : आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि का योग है। आय के नए स्रोत बनेंगे। वाक् पटुता आपको विशेष सम्मान दिलायेगी। देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद रहेगी।

वृश्चिक : आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर, धन सम्मान यश कीर्ति की वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सिद्ध होगा-प्रियजनों से भेंट होगी। विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

धनु : आज घर के लिए उपयोगी वस्तुओं पर धन का खर्चा होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। अधीनस्थ कर्मचारी या किसी सम्बन्धी के कारण तनाव बढ़ सकता है।

मकर : आज व्यावसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पहले के मुकाबले अधिक सुदृढ़ होगी। व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन रही है।

कुम्भ : राशि स्वामी शनि की मार्गी स्थिति के कारण भ्राता को अकस्मात् शरीर कष्ट होने से भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है। पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण होंगे।

मीन : वैवाहिक जीवन आनन्द दायक बीतेगा। आज पास व दूर की लाभदायक यात्रा भी हो सकती है। बिजनेस में बढ़ती तरक्की से काफी खुशी होगी। मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा।

कैसे 2025 ने ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस को आदत बना दिया!

भारत की नियामक क्रांति

2010 के शुरुआती वर्षों में भारत में व्यापार करना किसी बाधा दौड़ जैसा लगता था, जिसमें बीच रास्ते में ही बाधाएं खड़ी कर दी जाती थीं। क्या आप जानते हैं कि कभी निर्माण की अनुमति लेने के मामले में भारत कुल 190 देशों में 184वें स्थान पर था? क्या आप जानते हैं कि सिर्फ अनुमति लेने में ही 186 दिन यानी छह महीने से ज्यादा नौकरशाही की भेंट चढ़ जाते थे? इस दौरान न कोई काम शुरू होता था, न रोजगार पैदा होते थे। यह कोई इत्तेफ़ाक नहीं था। यह दशकों से चली आ रही नियामक ज्यादितियों, विरासत में मिले नियंत्रण और कारोबार के प्रति अविश्वास का परिणाम था।

उस नुकसान को ठीक करना एक दिन में संभव नहीं था। इसे ठीक करने में 11 साल की लगातार सुधार प्रक्रिया लगी, जिसमें कई ऐसे काम हुए जो दिखते तो नहीं थे लेकिन बहुत जरूरी थे। पर 2025 अलग रहा। इस साल भारत ने सिर्फ कारोबार को आसान बनाने से आगे बढ़कर कारोबार को सच में आज़ाद करना शुरू किया। अगर 1991 उदारीकरण का साल था, तो 2025 नियमों से मुक्ति (डिरेग्यूलेशन) का साल बन गया। 1991 ने भारत में नई ऊर्जा जगाई थी, और 2025 ने उस ऊर्जा को बिना बंधन के आगे बढ़ने का खुला माहौल दिया।

ठहरे हुए विकास चक्र से बाहर निकलना

कई दशकों तक भारतीय कंपनियां जानबूझकर छोटी ही रहती थीं। यह इसलिए नहीं कि उनमें महत्वाकांक्षा कम थी, बल्कि इसलिए कि बढ़ने पर सज़ा मिलती थी। 10वां, 20वां या 100वां कर्मचारी रखने पर लगभग 29 केंद्रीय श्रम क़ानूनों में छिपे नियम सक्रिय हो जाते थे। कंपनी बढ़ाते ही जांच, इंस्पेक्टर और कानूनी जोखिम बढ़ जाते थे। इसलिए कंपनियों के लिए समझदारी यही थी कि वे छोटी ही बनी रहें।

यह मानसिकता आखिरकार 2025 में टूट गई

सरकार ने छोटी कंपनियों के लिए टर्नओवर की लिमिट को दस गुना बढ़ाकर 100 करोड़ कर दिया, जिससे ग्रोथ को जानबूझकर सीमित करने का इंसेंटिव खत्म हो गया। साथ ही, दर्जनों ओवरलैपिंग लेबर कानूनों को चार आसान लेबर कोड में बदल दिया गया, जिससे अनिश्चितता की जगह स्पष्टता आई। संदेश साफ था: अब बड़े होने पर कोई सज़ा नहीं मिलेगी। ग्रोथ पर अब शक नहीं किया जाएगा।

अनुपालन की बाधाओं को हटाना

कई वर्षों तक भारत की विनिर्माण क्षमता कौशल या क्षमता की कमी से नहीं, बल्कि ज़्यादा नियमों के बोझ से रूकी हुई थी। क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर्स (क्यूसीओ), जिन्हें मूल रूप से गुणवत्ता बनाए रखने के लिए बनाया गया था, समय के साथ इतने बढ़ गए कि तैयार उत्पादों से लेकर कच्चे माल और महत्वपूर्ण इनपुट तक, हर चीज़ के लिए अनिवार्य सर्टिफिकेशन ज़रूरी हो गया।

इसका नतीजा उल्टा और नुकसानदायक रहा। एक तरफ 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा दिया गया, वहीं दूसरी तरफ कंपनियों को ऐसे इनपुट आयात करने पर मजबूर होना पड़ा जो सिर्फ क्यूसीओ मानकों को पूरा करते हों- अक्सर ज्यादा लागत और ज्यादा समय के साथ। निर्यात महंगे हो गए, न कि इसलिए कि भारतीय कंपनियाँ कमज़ोर थीं, बल्कि इसलिए कि अनुपालन (कंप्लायंस) खुद सप्लाई चेन का हिस्सा बन गया था।

इस समस्या को समझते हुए सरकार ने क्यूसीओ की बड़ी समीक्षा की। 76 उत्पाद श्रेणियों से अनिवार्य नियम हटाए गए और 200 से अधिक श्रेणियों को डिरेग्यूलेशन के लिए चिन्हित किया गया। जो काम पहले वर्षों में धीरे-धीरे होता, वह अब बड़े पैमाने पर और तेज़ी से किया गया। सिर्फ एक साल में भारत ने वह डिरेग्यूलेशन गति पकड़ ली, जो पहले बहुत धीमे और टुकड़ों में आगे बढ़ती थी। संदेश साफ़ था: मैन्युफैक्चरिंग भारत में होनी चाहिए, कागज़ी कार्रवाई नहीं।

इस गति को एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन (ईपीएम) के जरिए मज़बूत किया जा रहा है, जो 25,060 करोड़ के आउटले वाली छह साल की पहल है, जिसमें एमएसएमई और पहली बार एक्सपोर्ट करने वालों के लिए 20,000 करोड़ की बढ़ी हुई एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी शामिल है। यह डीरेगुलेशन सिर्फ़ मंत्रालय की गतिविधियां नहीं थीं, बल्कि आरबीआई और सेबी भी महत्वपूर्ण डीरेगुलेशन के साथ इस मिशन में शामिल थे। सालों तक, पूंजी जुटाने का मतलब था ढेर सारे कागज़ों में उलझना, जहाँ ज़रूरी बात शोर में खो जाती थी। सेबी के हालिया सुधारों ने ऑफर डॉक्यूमेंट्स को आसान बनाया है, जिससे निवेशक उन चीज़ों पर ध्यान केंद्रित कर सकें जो सच में मायने रखती हैं। कैपिटल मार्केट को आखिरकार स्पष्टता को पुरस्कृत करने के लिए डिज़ाइन किया जा रहा है, न कि कंप्लायंस की बाज़ीगरी के लिए।

इस बीच, आरबीआई ने दशकों से चले आ रहे ओवरलैपिंग निर्देशों को खत्म करने का काम किया है। लगभग 9,000 सर्कुलर को 11 कैटेगरी और 30 फंक्शनल एरिया में 238 मास्टर डायरेक्शन में मिलाकर, यह एक बड़े और कन्फ्यूजिंग आर्काइव को एक सिंगल, पढ़ने लायक फ्रेमवर्क में बदल रहा है। अब कंप्लायंस सस्ता, तेज़ और बहुत कम भ्रामक रह गया है।

ग्लोबल इंटीग्रेशन: सिर्फ़ 1 साल में 3 बड़े एफटीए

अगर बिज़नेस के पास बेचने के लिए कोई जगह ही न हो, तो ईज ऑफ डूइंग का कोई मतलब नहीं है। 2025 में यूके, ओमान और न्यूज़ीलैंड के साथ तीन बड़े फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) करके, भारत ने ग्लोबल मार्केट में एंट्री की लागत को प्रभावी ढंग से कम कर दिया है। उदाहरण के लिए, भारत-ओमान सीईपीए में टियर्ड रूल्स ऑफ़ ओरिजिन के लिए एक खास प्रावधान शामिल था, जिसने सर्टिफिकेशन को आसान बनाया और भारतीय पेट्रोलियम उत्पादों और ज्वेलरी के लिए तुरंत ज़ीरो-ड्यूटी एक्सेस दिया। न्यूज़ीलैंड के साथ, भारत के 100% एक्सपोर्ट पर ज़ीरो ड्यूटी मार्केट एक्सेस है।

पोर्ट में भीड़ बनाम समुद्री गति

2013-14 में, जहाज़ भारतीय बंदरगाहों पर लगभग चार दिन बेकार खड़े रहे। हर रुका हुआ जहाज़ फंसी हुई पूंजी थी, व्यापार में देरी हो रही थी, और प्रतिस्पर्धा कम हो रही थी। 2025 तक, औसत टर्नअराउंड टाइम घटकर एक दिन से भी कम हो गया।

इस साल, संसद ने 1908 और 1925 के समुद्री कानूनों को पांच आधुनिक कानूनों से बदल दिया, जिनमें बिल ऑफ़ लेडिंग, तटीय शिपिंग, समुद्र द्वारा माल ढुलाई, मर्चेंट शिपिंग और बंदरगाहों के शासन को शामिल किया गया है। 1908 और 1925 के औपनिवेशिक काल के कानूनों को बदलकर, इन सुधारों ने समुद्री शासन को आधुनिक बनाया है, विवादों को कम किया है, और लॉजिस्टिक्स लागत को कम किया है, जिससे भारत 21वीं सदी के मानकों के साथ अपनी नीली अर्थव्यवस्था का पूरी तरह से लाभ उठाने के लिए तैयार है।

सबसे शांत लेकिन सबसे मज़बूत सबूत: भारत में एक्टिव कंपनियों की संख्या 2025 में लगभग दोगुनी हो गई

मार्च 2014 में, भारत में 9.52 लाख एक्टिव कंपनियां थीं। मार्च 2025 तक, यह संख्या बढ़कर 18.51 लाख हो गई। यह लगभग दोगुना होना किसी एक इंसेंटिव या स्कीम से नहीं हुआ। यह अनुमान लगाने की क्षमता से हुआ। कम रुकावटों से। ऐसे नियमों से जिन्होंने सफलता को सज़ा देना बंद कर दिया। जब बिज़नेस चुपचाप बढ़ते हैं, तो इसका आमतौर पर मतलब होता है कि सिस्टम अब रास्ते में नहीं आ रहा है।

जन विश्वास के साथ इंस्पेक्टर राज को खत्म करना:

जन विश्वास मायने रखता था, लेकिन सिर्फ एक नारे के रूप में नहीं।

जन विश्वास 1.0 और 2.0 के माध्यम से 200 से अधिक छोटे तकनीकी अपराधों को अपराध की श्रेणी से हटाया गया और सैकड़ों पुराने नियम खत्म किए गए। इसका असली असर संस्कृति में दिखा: अब कागज़ात में गलती को अपराध नहीं माना जाता।

इससे भी ज़्यादा ज़रूरी बात यह है कि रेगुलेशन में ढील सिर्फ़ दिल्ली तक सीमित नहीं रही।

सात एनडीए शासित राज्यों ने पहले ही 1,000 से अधिक नियमों को अपराध की श्रेणी से हटा दिया है, ताकि सुधार सीधे वहां पहुंचे जहां कारोबार असल में चलता है- फैक्ट्री, गोदाम, बंदरगाह और जिला कार्यालय।

यहीं 2025 सच में अलग नजर आता है।

केंद्र अकेले डिरेग्यूलेशन नहीं कर रहा था, बल्कि पूरे सिस्टम को इसके साथ जोड़ा। 2025 को किसी एक सुधार के लिए नहीं, बल्कि शासन के दृष्टिकोण में बदलाव के लिए याद किया जाएगा।

ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस अब केवल एक इंडेक्स नहीं है जिसे भारत पीछा करता है, यह अब एक आदत बन चुकी है जिसे पूरा सिस्टम अपनाता है।

बांग्लादेश: सत्ता-संघर्ष, कट्टरपंथ और लोकतंत्र की अनिश्चित राह

ललित गर्ग

बांग्लादेश एक बार फिर इतिहास के ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ लोकतंत्र, सत्ता और कट्टरपंथ के बीच की रेखाएँ धुंधली होती जा रही हैं। 17 वर्षों के स्वनिर्वासन के बाद बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पुत्र और बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की स्वदेश वापसी केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि उस अस्थिरता का प्रतीक है, जो शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद देश की राजनीति में लगातार गहराती चली गई है। यह वापसी ऐसे समय में हुई है जब अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस स्वयं कई मोर्चों पर घिरते नजर आ रहे हैं और जिन ताकतों को उन्होंने व्यवस्था परिवर्तन की उम्मीद में अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से स्थान दिया, वही आज शांति, सौहार्द और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के बाद जिस छात्र आंदोलन को 'जुलाई क्रांति' के रूप में प्रस्तुत किया गया था, उससे देश में यह उम्मीद जगी थी कि एक नई, पारदर्शी और समावेशी व्यवस्था की नींव रखी जाएगी। इसी उम्मीद के साथ छात्र नेताओं और नागरिक समाज के एक बड़े वर्ग ने मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार की कमान सौंपी। लेकिन कुछ ही महीनों में यह भ्रम टूटने लगा कि यह संघर्ष व्यवस्था परिवर्तन का है। चुनाव को लेकर बढ़ती खींचतान, स्पष्ट रोडमैप का अभाव और सत्ता के इर्द-गिर्द सिमटती निर्णय प्रक्रिया ने यह संकेत दे दिया कि अब लड़ाई लोकतंत्र को मजबूत करने की नहीं, बल्कि सत्ता पर कब्जे की है।

इस संदर्भ में कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़े युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या ने स्थिति को और विस्फोटक बना दिया है। हादी जुलाई आंदोलन से उभरे उन चेहरों में थे, जिनका प्रभाव तेजी से बढ़ रहा था। उनकी हत्या के बाद उनके भाई द्वारा लगाए गए आरोप कि यह हत्या अंतरिम सरकार से जुड़े तत्वों की साजिश है ताकि चुनाव टाले जा सकें, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार की नैतिकता और निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। यदि यह आरोप सही हैं, तो इसका अर्थ यह होगा कि सत्ता में शामिल कुछ शक्तियां जानबूझकर देश को अस्थिरता एवं घोर अशांति की ओर धकेल रही हैं, ताकि चुनावी प्रक्रिया को अपने अनुकूल मोड़ा जा सके। कट्टरपंथी संगठनों की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में सबसे चिंताजनक है। जमात-ए-इस्लामी जैसी ताकतों का अंतरिम सरकार पर बढ़ता दबाव, सड़कों पर बढ़ती हिंसा और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि कानून-व्यवस्था तेजी से कमजोर हुई है। विडंबना यह है कि जिन कट्टरपंथी तत्वों को शेख हसीना सरकार के विरोध में 'लोकतांत्रिक सहयोगी' के रूप में देखा गया, वही आज बांग्लादेश की सामाजिक संरचना को भीतर से खोखला कर रहे हैं। यह वही ऐतिहासिक भूल है, जो दक्षिण एशिया के कई देशों में पहले भी की जा चुकी है-जहां अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए कट्टरपंथ को जगह दी गई और परिणाम दीर्घकालिक अस्थिरता के रूप में सामने आया।

तारिक रहमान की वापसी को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। ब्रिटेन में 17 वर्षों से अधिक समय बिताने के बाद उनका लौटना केवल व्यक्तिगत निर्वासन की समाप्ति नहीं है, बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में एक नए शक्ति-संतुलन का संकेत है। यह तथ्य भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि जिन मुकदमों के कारण वे देश से बाहर थे, उनमें अंतरिम सरकार के दौरान राहत मिली और उनकी वापसी का रास्ता साफ हुआ। जिस दिन तारिक रहमान ढाका लौटे, उसी दिन यह संकेत भी सामने आया कि शेख हसीना की अवामी लीग को आगामी चुनावों से बाहर रखा जा सकता है। यह संयोग कम और रणनीति अधिक प्रतीत होता है। बीएनपी इस समय चुनावी गणित के लिहाज से सबसे मजबूत स्थिति में है और तारिक रहमान को देश का अगला प्रधानमंत्री माने जाने की चर्चा तेज है। लेकिन बड़ा प्रश्न यह है कि क्या अवामी लीग के बिना होने वाला चुनाव बांग्लादेश की जनता की वास्तविक इच्छा को प्रतिबिंबित कर पाएगा? लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन का नाम नहीं, बल्कि सभी प्रमुख राजनीतिक धाराओं को समान अवसर देने की प्रक्रिया है। यदि किसी एक बड़े दल को सुनियोजित ढंग से बाहर रखा जाता है, तो चुनाव की वैधता पर संदेह स्वाभाविक है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मोहम्मद यूनुस की सरकार पर दबाव बढ़ रहा है। अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमले और कानून-व्यवस्था की बदहाली को लेकर मानवाधिकार संगठनों की चिंताएं लगातार सामने आ रही हैं। इसके बावजूद यह आश्चर्यजनक है कि भारत जैसे पड़ोसी देश से, जहाँ बांग्लादेश के घटनाक्रम का सीधा प्रभाव पड़ता है, अपेक्षित स्तर की कूटनीतिक और नैतिक प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खालिदा जिया के स्वास्थ्य पर चिंता जताते हुए भारत की ओर से सहयोग की पेशकश करना एक सकारात्मक संकेत है, और बीएनपी द्वारा उसका स्वीकार किया जाना दोनों देशों के बीच नए समीकरणों की ओर इशारा करता है। लेकिन यह भी सच है कि यह निकटता स्वार्थों की राजनीति से पूरी तरह मुक्त नहीं है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर लगातार हो रहे हमले अब केवल आंतरिक कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गए हैं, बल्कि यह भारत की सुरक्षा, कूटनीतिक जिम्मेदारी और नैतिक सरोकार से सीधे जुड़ा गंभीर विषय बन चुका है। हाल ही में अमृत मंडल नामक एक हिंदू नागरिक की पीट-पीटकर हत्या की घटना इस बात का प्रमाण है कि अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की प्रवृत्ति थमने के बजाय और अधिक निर्भीक होती जा रही है। धार्मिक पहचान के आधार पर हिंसा, मंदिरों पर हमले, जबरन पलायन और भय का वातावरण बांग्लादेश की लोकतांत्रिक साख को गहरा आघात पहुँचा रहे हैं। भारत सरकार के लिए अब यह अनदेखा करने का विषय नहीं रह गया है; आवश्यकता है कि वह कूटनीतिक स्तर पर सख्त संदेश दे, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाए और यह स्पष्ट करे कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनिवार्य शर्त है।

आगामी चुनावों के संदर्भ में इस तरह की सांप्रदायिक हिंसा को एक केंद्रीय मुद्दा बनाया जाना चाहिए, क्योंकि भय और असुरक्षा के वातावरण में निष्पक्ष चुनाव की कल्पना ही बेमानी है। बांग्लादेश में यदि वास्तव में लोकतंत्र की बहाली का दावा किया जा रहा है, तो वहां ऐसी सरकार का गठन आवश्यक है जो अल्पसंख्यकों के अधिकारों और सम्मान की गारंटी दे सके। हिंदुओं सहित सभी धार्मिक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना न तो राजनीतिक स्थिरता संभव है और न ही क्षेत्रीय शांति। भारत की भूमिका इस संदर्भ में केवल पड़ोसी देश की नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार क्षेत्रीय शक्ति की है, जिसे मानवाधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण के लिए आवश्यक कठोर कदम उठाने से पीछे नहीं हटना होगा।

बांग्लादेश आज जिस मुसीबत के भंवर में फँसा है, उसके पीछे आंतरिक कारकों के साथ-साथ बाहरी प्रभावों की भूमिका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान की ऐतिहासिक भूमिका और कट्टरपंथी नेटवर्कों के साथ उसके संबंधों को देखते हुए यह आशंका निराधार नहीं कि बांग्लादेश की अस्थिरता में परोक्ष योगदान बाहरी शक्तियों का भी हो सकता है। ऐसे में मोहम्मद यूनुस की यह जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे अंतरिम सरकार को निष्पक्ष, पारदर्शी और लोकतांत्रिक दिशा में ले जाएँ। लेकिन अब तक के घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि वे हालात को संभालने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हैं। फिर भी, इस निराशाजनक परिदृश्य के बीच तारिक रहमान के बयानों और राजनीतिक स्वरों में कुछ लोग समाधान की झलक देखते हैं। यह उम्मीद इस विश्वास पर टिकी है कि बीएनपी, चाहे उसका अतीत विवादास्पद रहा हो, सत्ता में आकर कट्टरपंथी दबावों को संतुलित कर सकेगी और लोकतांत्रिक संस्थाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास करेगी। किंतु यह भी एक कड़वा सत्य है कि कट्टरपंथी ताकतों से लोकतंत्र बहाल होने की उम्मीद अपने आप में एक विरोधाभास है।

अंततः बांग्लादेश के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यही है-क्या वह एक समावेशी, बहुदलीय और संवैधानिक लोकतंत्र की राह चुनेगा या फिर सत्ता-संघर्ष और कट्टरपंथ की दलदल में और गहराता जाएगा? इसका उत्तर केवल किसी एक नेता या दल के हाथ में नहीं, बल्कि उस राजनीतिक विवेक में है, जो आने वाले महीनों में देश की दिशा तय करेगा। यदि निष्पक्ष चुनाव, कानून का राज और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की गई, तो तारिक रहमान की वापसी भी इतिहास में एक और चूके हुए अवसर के रूप में दर्ज हो सकती है।

-लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

वर्ग पहेली नं. 3304

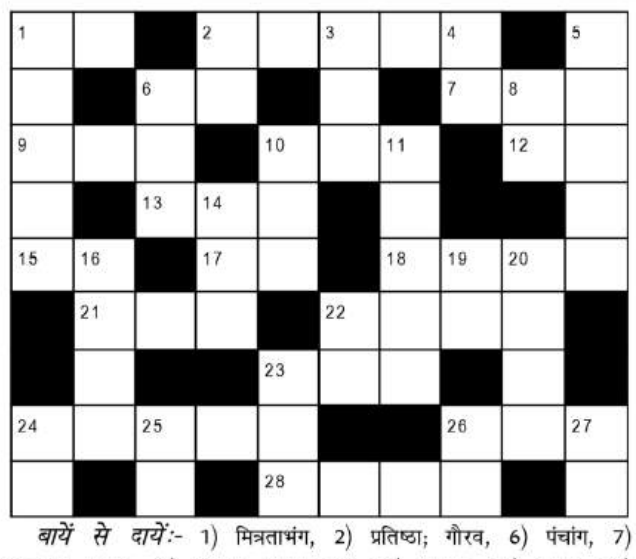

पुल्लिंगीय जीव, 5) प्रीति-विवाह, 6) टेसू; त्रिपर्णी वृक्ष, 8) हिचकी, 10) सुस्ती, 11) सजीला, 14) कड़ा, 16) टीन का पीपा, 19) विष्ठा; गंदगी, 20) उल्लू, 22) लोप, 23) *1 00 00 00 000*, 24) एक पेय; बहुत, 25) हुनरमंद; गुणसंपन्न, 26) आख़िर; अंजाम, 27) माथा. *(उत्तर: अगले अंक में)*

बायें से दायें:- 1) मित्रताभंग, 2) प्रतिष्ठा; गौरव, 6) पंचांग, 7) अल्लाह; दयालु, 9) मध्यम आकार का, 10) घायल, 12) शायर, 13) चेहरे की बनावट, 15) संदेह, 17) जो पोला न हो, 18) साथ चलनेवाला, 21) उपहार; निगाह, 22) न्यायालय, 23) सिले कपड़े के भीतर की तह, 24) सक्षम; कुशल, 26) अंत; नतीजा, 28) कारणतः.

ऊपर से नीचे:- 1) दुविधा, 2) खुराक; परिमाण, 3) सुझाव, 4)

पिछली पहेली का उत्तर

आ	■	अ	ति	■	क	■	हा	दि	क
.फ	■	ग	ल	त	.फ	ह	मी	■	ब
त	र	ल	■	■	नी	■	■	स	ड़ा
■	■	ब	ह	स	■	प्र	का	र	■
अ	पं	ग	■	म	हा	■	ट	ल	ना
न	■	ल	■	झ	ट	क	ना	■	मु
गि	र्द	■	ग	दा	■	म	■	ग	म
न	■	ति	त	र	बि	त	र	■	कि
त	र	क्की	■	■	ना	र	■	मौ	न

सुडोकू-पहेली-3262

5				2		7		
	6	8				9		
					6			3
						8		
6		2					3	
3			5	4	7			
	7		8					
				1		2		
					3		9	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3261 का उत्तर

6	5	3	7	9	4	2	1	8
1	4	7	6	8	2	9	5	3
2	8	9	1	3	5	7	6	4
7	1	5	8	2	3	6	4	9
8	3	6	4	1	9	5	7	2
4	9	2	5	7	6	8	3	1
5	7	8	2	4	1	3	9	6
9	6	1	3	5	8	4	2	7
3	2	4	9	6	7	1	8	5

तृणमूल में फिर पर्यवेक्षक संस्कृति? सभी जिलों में को-ऑर्डिनेटर नियुक्त कर रहे ममता-अभिषेक

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में बनाई जाएंगी तीन विशेष निगरानी टीम : अभिषेक

कोलकाता : 2026 के विधानसभा चुनाव की उलटी गिनती शुरू होते ही तृणमूल कांग्रेस ने संगठन को और मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। नए साल के पहले दिन से ही जनसंपर्क अभियान को आक्रामक रूप देने की तैयारी है। इसी बीच एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर बने राजनीतिक माहौल में संगठनात्मक गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश पार्टी के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने दिया है।

शुक्रवार को हुई एक वर्चुअल बैठक में अभिषेक बनर्जी ने बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में तीन विशेष निगरानी टीमें बनाई जाएंगी। इन टीमों में विधायक, पंचायत समिति के अध्यक्ष, नगरपालिकाओं के चेयरमैन समेत ब्लॉक स्तर के प्रमुख नेता शामिल होंगे। प्रत्येक टीम में 5 से 10 सदस्य रहेंगे। उद्देश्य साफ है–प्रचार कार्य में किसी भी तरह की ढिलाई न रहे।

नेताओं और कार्यकर्ताओं के व्यवहार को लेकर भी अभिषेक ने सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा, लोगों से बात करते समय किसी तरह का अहंकार नहीं होना चाहिए। व्यवहार से ही पहचान बनती है। आपके आचरण में ममता बनर्जी की संघर्ष और मेहनत झलकनी चाहिए।

अभिषेक ने जानकारी दी कि 1 जनवरी से 'उन्नयन की पांचाली' (विकास की गाथा) को लेकर घर-घर अभियान शुरू होगा। राज्यभर में

लगभग 1,800 प्रभावशाली नागरिकों (इन्फ्लुएंसर्स) की पहचान की गई है। इनमें से 200 लोगों से मंत्री और सांसद मिलेंगे, जबकि शेष से विधायक और जिला स्तर के नेता संपर्क करेंगे। इसके लिए पूरे राज्य में 38 टीमें गठित की गई हैं और एक महीने के भीतर अभियान पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रचार किट में 'उन्नयन की पांचाली', 15 वर्षों की रिपोर्ट कार्ड, उत्तरीय और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हस्ताक्षरित पत्र शामिल रहेंगे।

वोट से पहले दोहरी रणनीति पर काम जारी रखने की बात कहते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा, डेढ़ से दो महीने तक एक ओर एसआईआर का काम चलेगा, वहीं दूसरी ओर जिला-आधारित को-ऑर्डिनेटर इस जनसंपर्क कार्यक्रम पर नजर रखेंगे। मैं स्वयं 2 जनवरी से इस कार्यक्रम की शुरुआत करूंगा।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, जिला-स्तर पर को-ऑर्डिनेटर और निगरानी टीमों की नियुक्ति से साफ है कि तृणमूल कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को कसने और प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती।

दक्षिणपंथी ताकतें धर्म की आड़ में नफरत फैलाकर भारत की आबोहवा में जहर घोल रही हैं : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को देश की 'दक्षिणपंथी ताकतों' की कड़ी निंदा करते हुए उन पर धर्म की आड़ में नफरत फैलाकर 'जानबूझकर भारत की आबोहवा में जहर घोलने' का आरोप लगाया। अभिषेक बनर्जी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का एक पुराना वीडियो क्लिप भी साझा किया, जिसमें उनके साथ उस समय के गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी खड़े दिखाई देते हैं। इस भाषण में वाजपेयी ने सत्तारूढ़ दल से राज धर्म का पालन करने और लोगों के साथ उनके जन्म, जाति या धर्म के आधार पर किसी भी तरह का भेदभाव न करने की आवश्यकता पर जोर दिया था। इस दिन, तृणमूल नेता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि जानबूझकर भारत की आबोहवा में जहर घोला जा रहा है। सत्ता से उत्साहित दक्षिणपंथी ताकतें धर्म की आड़ में दलितों, अनुसूचित जनजातियों और अल्पसंख्यकों पर खुलेआम हमला कर रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब सत्ता में बैठे लोग ही इस हिंसा के अपराधी होते हैं और इस हिंसा के संरक्षकों को पुरस्कृत करते हैं, तो दंडमुक्ति ही नीति बन जाती है। तृणमूल सांसद ने पोस्ट में कहा कि यह शासन नहीं है; यह नैतिक पतन है। ये हमले असंवैधानिक और गैरकानूनी हैं और भारत की बुनियाद – हमारी विविधता में एकता – को चकनाचूर कर देते हैं। आज चुप्पी साधना मिलीभगत है। इतिहास इसे माफ नहीं करेगा।

शुभेंदु अधिकारी ने बांग्लादेशी अधिकारियों से की मुलाकात, अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा रोकने की मांग

कोलकाता, समाज्ञा : विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बांग्लादेश के उप उच्चायोग के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे कथित अत्याचारों को रोकने की मांग की। साथ ही, भाजपा नेता ने इस सप्ताह की शुरुआत में उप उच्चायोग के सामने प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर तीखा हमला भी किया। शुभेंदु अधिकारी ने बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए दावा किया कि उपउच्चायोग के अधिकारियों ने सोमवार से उनसे मिलने से परहेज किया था और कार्यालय के बाहर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी देने के बाद ही वे बातचीत के लिए राजी हुए। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने दास का मामला बांग्लादेशी राजनयिकों के समक्ष उठाया और उस पर लगे आरोपों के आधार पर भी सवाल उठाए। भाजपा नेता ने दावा किया कि दास को पुलिस हिरासत से रिहा करने के बाद पीटा गया और उस पर झूठा आरोप लगाया गया कि उसने वह पोस्ट लिखी थी जबकि उसके पास एक साधारण सा मोबाइल फोन था। शुभेंदु अधिकारी ने पीड़ित

परिवार को दिए गए मुआवजे के बारे में भी जानकारी मांगी। विपक्ष के नेता ने कहा कि उन्होंने पड़ोसी देश में हिंदू साधु चिन्मय कृष्ण दास की निरंतर हिरासत का मुद्दा उठाया और दावा किया कि उन्हें बिना किसी औचित्य के जेल में रखा गया है। विपक्ष के नेता ने आर-ोप लगाया कि बांग्लादेश की पिछली सरकारों ने रोहिंग्या मुसलमानों को देश में प्रवेश करने की अनुमति दी थी लेकिन हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने पूछा कि हिंदुओं को क्यों पीटा जा रहा है और उनके घर क्यों जलाए जा रहे हैं?

दरभंगा जाने वाले विमान की कोलकाता में आपात लैंडिंग, एयरपोर्ट पर यात्रियों का हंगामा

कोलकाता, समाज्ञा : हैदराबाद से दरभंगा जा रहे इंडिगो के एक विमान को खराब मौसम के कारण डायवर्ट करके कोलकाता एयरपोर्ट पर उतार दिया गया। इसे लेकर विमान में सवार करीब 100 यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। विमान के क्रू सदस्यों के साथ उनकी तीखी बहस हुई। यात्रियों ने आरोप लगाया कि उन्हें बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के कोलकाता में उतार दिया जा रहा है। उन्होंने रुपये लौटाने की मांग की। पता चला है कि फ्लाइट संख्या 6ई 537 को दोपहर 2.05 बजे दरभंगा में लैंड करना था लेकिन मौसम खराब होने के कारण उसे कोलकाता डायवर्ट कर दिया गया। एयरलाइंस सूत्रों ने कहा कि खराब मौसम व सुरक्षा कारणों से ऐसा करना मजबूरी हो गई थी।

नेताजी भवन मेट्रो स्टेशन में नाबालिग लड़की ने की आत्महत्या

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता मेट्रो के नेताजी भवन स्टेशन पर शुक्रवार शाम को 17 वर्षीय एक लड़की पटरियों पर कूद गयी जिसके बाद ब्लू लाइन (दक्षिणेश्वर से कवि सुभाष) पर मेट्रो सेवाएं बाधित हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लड़की को पास के अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मेट्रो रेल के अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शाम करीब 5:17 बजे उस समय हुई जब दक्षिण की ओर जाने वाली एक ट्रेन स्टेशन में प्रवेश कर रही थी। उन्होंने बताया कि इस घटना के कारण लगभग 43 मिनट तक सेवाएं निलंबित रहीं। इससे पहले पुलिस ने बताया था कि एक व्यक्ति ने रेल की पटरी पर कूदने की कोशिश की थी। इस व्यवधान के कारण शाम के व्यस्त समय के दौरान यात्रियों को काफी असुविधा हुई। अधिकारी ने बताया कि ब्लू लाइन के पूरे मार्ग पर सामान्य सेवाएं शाम छह बजे से फिर से शुरू हो गईं।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा पर फूटा होटल व्यवसायियों का गुस्सा

मालदह एवं दार्जिलिंग में बांग्लादेशी पर्यटकों के लिए होटल और लॉज के दरवाजे बंद

कोलकाता, समाज्ञा : बांग्लादेश में एक समाज में दो हिंदू युवक को पीट-पीटकर मारने की घटना को लेकर देश भर में गुस्से की लहर है। विरोध की ज्वाला जल रही है और बंगाल में घटना को लेकर उबाल जारी है। ऐसे में राज्य के दो जिलों दार्जिलिंग और मालदह में होटल कारोबारियों ने बांग्लादेशी पर्यटकों के लिए अपने होटल और लॉज के दरवाजे बंद करने का फैसला किया है। यह निर्णय बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार और हाल ही में परिधान कारखाने में काम करने वाले हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की गई हत्या के विरोध में लिया गया है। होटल संगठनों का कहना है कि मौजूदा हालात में यह उनका सामूहिक और नैतिक विरोध है। जिन दो जिलों में यह फैसला लिया गया है, वे दार्जिलिंग और मालदह हैं। दोनों ही जिले राज्य के उत्तरी हिस्से में स्थित हैं और बांग्लादेश से अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। इन दोनों जिलों के स्थानीय चेंबर ऑफ कॉमर्स ने भी होटल कारोबारियों के फैसले का समर्थन किया है। मालदह होटल और रेस्टोरेंट आनर्स एसोसिएशन के सचिव कृष्णेंदु चौधरी ने बताया कि बांग्लादेशी पर्यटकों को कमरे न देने का फैसला सर्वसम्मति से लिया गया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल जिले के किसी भी होटल में एक भी बांग्लादेशी पर्यटक नहीं ठहरा है। मेडिकल वीजा पर इलाज के लिए आने वाले लोगों को इस फैसले में शामिल किया जाए या नहीं, इस पर जल्द ही एक और बैठक कर निर्णय लिया जाएगा। वहीं, दार्जिलिंग जिले में सिलीगुड़ी होटलियर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने और सख्त रुख अपनाया है। संगठन ने बांग्लादेशी पर्यटकों के साथ-साथ मेडिकल वीजा और छात्र वीजा पर आने वालों को भी इस प्रतिबंध के दायरे में शामिल करने का फैसला किया है। एसोसिएशन के सचिव उज्जल घोष ने कहा कि बांग्लादेश के नेताओं द्वारा सिलीगुड़ी कॉरिडोर, चिकन नेक सेक्टर और सेवन सिस्टर्स को लेकर दिए जा रहे असंवेदनशील बयान बेहद आपत्तिजनक हैं। इसके साथ ही बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की घटनाएं चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुकी हैं।

'20 लाख से कम के होम लोन पर नहीं जब्त होगी संपत्ति', हाई कोर्ट का अहम फैसला

कहा... 'वसूली के लिए अपनानी होगी उचित कानूनी प्रक्रिया'

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाई कोर्ट ने ऋण अदायगी और वित्तीय संस्थाओं की मनमानी को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि किसी व्यक्ति ने 20 लाख रुपये से कम का गृह ऋण (होम लोन) लिया है तो ऋणदाता वित्तीय संस्था बकाया वसूली के लिए उसकी जमीन या मकान को सीधे तौर पर जब्त नहीं कर सकती। न्यायमूर्ति ने अपने निर्देश में कहा कि इस राशि के ऋण पर 'सरफेसी एक्ट' लागू नहीं होता और संपत्ति की नीलामी या जबरन वसूली की प्रक्रिया पूरी तरह अवैध है। यह मामला गुलाम साबिर नामक व्यक्ति से जुड़ा है, जिन्होंने सितंबर 2023 में एक 'हाउसिंग फाइनेंस कंपनी' (एचएफसी) से 13 लाख रुपये का ऋण लिया था। शुरुआती किस्तों के भुगतान के बाद वित्तीय कठिनाइयों के कारण वे भुगतान नहीं कर सके। इसपर संबंधित कंपनी ने सरफेसी अधिनियम, 2002 का सहारा लेते हुए उनकी संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इस कानून के तहत बैंक या वित्तीय संस्थान बिना अदालती हस्तक्षेप के चूककर्ता की संपत्ति बेचकर पैसा वसूल सकते हैं। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकीलों ने तर्क दिया कि केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 2020 और 2021 में जारी अधिसूचनाओं के अनुसार, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) 20 लाख से कम के ऋण पर ऐसी कठोर कार्रवाई नहीं कर सकतीं। वहीं, वित्तीय संस्था का तर्क था कि वे एक एचएफसी हैं, एनबीएफसी नहीं इसलिए उन पर यह नियम लागू नहीं होता। हालांकि, हाई कोर्ट ने कंपनी के दावों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि 2019 में आरबीआई के निर्देशानुसार सभी हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां (एचएफसी) अब एनबीएफसी की श्रेणी में आती हैं अतः 20 लाख से कम के ऋण पर सरफेसी एक्ट का उपयोग कानून गलत है। अदालत ने निर्देश दिया कि यदि वित्तीय संस्थान को बकाया राशि वसूलनी है तो उसे उचित कानूनी प्रक्रिया के तहत अदालत में मामला दर्ज करना होगा न कि सीधे संपत्ति जब्त करनी होगी।

एसआईआर: किस विधानसभा में कब और कहां होगी सुनवाई, चुनाव आयोग ने जारी की जानकारी

कोलकाता : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत पश्चिम बंगाल में मतदाताओं की सुनवाई शनिवार, 27 दिसंबर से शुरू होने जा रही है। इसको लेकर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय में तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार, पहले चरण में उन मतदाताओं को बुलाया जाएगा, जिनके नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची के साथ 'मैपिंग' नहीं हो पाई है। राज्य में ऐसे मतदाताओं की संख्या करीब 32 लाख बताई जा रही है।

सुनवाई के लिए पूरे राज्य में लगभग 3,234 केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में औसतन 11 सुनवाई केंद्र होंगे। यह प्रक्रिया मंगलवार सुबह 10 बजे से शुरू होगी। हर सुनवाई केंद्र पर संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एआरओ) तथा चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त एक माइक्रो रोल ऑब्जर्वर मौजूद रहेंगे।

सीईओ कार्यालय के अनुसार, कोलकाता में विभिन्न सरकारी दफ्तरों और कॉलेज भवनों में सुनवाई केंद्र बनाए जाएंगे। वहीं जिलों में यह सुनवाई बीडीओ कार्यालयों और ब्लॉक स्तर के सरकारी दफ्तरों में आयोजित की जाएगी। संबंधित जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) के साथ चर्चा के बाद ही प्रत्येक क्षेत्र के लिए केंद्रों की अंतिम सूची तय की जाएगी।

चुनाव आयोग का कहना है कि इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाना है, ताकि किसी भी योग्य मतदाता का नाम सूची से न छूटे।

30 दिसंबर को ममता की मेगा सभा, 29 दिसंबर को न्यूटाउन में बड़ा कार्यक्रम

कोलकाता : साल के अंत में तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक बार फिर मेगा जनसभा करने जा रही हैं। आगामी 30 दिसंबर को बांकुड़ा जिले के बड़जोड़ा में उनकी बड़ी सभा आयोजित होगी। बड़जोड़ा कॉलेज मैदान में इस जनसभा को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

इस मेगा सभा से एक दिन पहले, यानी 29 दिसंबर को मुख्यमंत्री का एक और महत्वपूर्ण कार्यक्रम तय है। उस दिन राजारहाट न्यूटाउन में दुर्गांगन परियोजना का शिलान्यास करेंगी ममता बनर्जी। यह कार्यक्रम हिडको की ओर से आयोजित किया जा रहा है और शिलान्यास कार्यक्रम शाम 4 बजे होगा।

गौरतलब है कि 21 जुलाई को आयोजित तृणमूल कांग्रेस के शहीद दिवस मंच से मुख्यमंत्री ने दुर्गांगन निर्माण की घोषणा की थी। इसके बाद अगस्त महीने के दूसरे सप्ताह में हुई राज्य मंत्रिसभा की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। अब यह परियोजना धरातल पर उतरने जा रही है।

राज्य सरकार के सूत्रों के अनुसार, दुर्गांगन परियोजना सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित की जाएगी। वहीं, बड़जोड़ा की मेगा सभा के जरिए ममता बनर्जी साल के अंत में संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक रणनीति का संदेश देने वाली हैं।

राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि लगातार दो दिनों के इन कार्यक्रमों के जरिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य में विकास कार्यों और राजनीतिक सक्रियता-दोनों को एक साथ आगे बढ़ाने का संकेत दे रही हैं।

बांग्लादेश उप उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन के आरोप में गिरफ्तार 12 लोगों को अंतरिम जमानत

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में बांग्लादेश उप उच्चायोग के बाहर कथित तौर पर हिंसक प्रदर्शन करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए 'बंगियो हिंदू जागरण मंच' के 12 सदस्यों को शुक्रवार को एक अदालत ने अंतरिम जमानत दे दी। अंतरिम जमानत की अन्य शर्तों के तहत गिरफ्तार लोगों से 6,000 रुपये के निजी मुचलके तथा 3,000 रुपये के दो-दो पंजीकृत जमानतदार प्रस्तुत करने को कहा गया है। अदालत ने आदेश दिया कि प्रत्येक आरोपी को अगले चार महीनों तक या अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक (जो भी पहले हो) सप्ताह में तीन बार जांच अधिकारी से मिलना चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि जमानत पर रहते हुए आर-ोपी को जांच की प्रगति में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। बता दें कि पड़ोसी देश में एक हिंदू व्यक्ति की नृशंस हत्या के विरोध में बांग्लादेश उप उच्चायोग के बाहर हुए हिंसक प्रदर्शन में कथित संलिप्तता के आरोप में मंगलवार को सात महिलाओं सहित 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सभी 19 लोगों पर मामला दर्ज किया गया था। मुख्य लोक अभियोजक सौरिन घोषाल ने गिरफ्तार 19 लोगों में से 12 के लिए पुलिस रिमांड की मांग की थी। अंत में, उन 12 पुरुषों को दो दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। शेष सात महिलाओं को अदालत ने जमानत दे दी।

Office of the Municipal Councillors
Serampore Municipality
1, N. S. Avenue, Serampore, Dist.: Hooghly, Pin: 712201

Notice Inviting e-Quotation

e-Quotation is invited from experienced and resourceful bidders vide **NIQ No-WBMAD/ULB/SRMP/NIQ-11/2025-26, Date: 26/12/2025.** List of items for Conservancy Department- SL. 01 to 13. Bid Submission Start Date (online) : **26/12/2025 at 01.00 P.M.** Bid Submission Closing Date (online) : **15/01/2026 at 02.00 P.M.** Bid Opening Date for Technical Proposals (online) : **17/01/2026 at 02.00 P.M.** For details of the project go through http://wbtenders.gov.in and www.seramporemunicipality.net/tenders

Sd/-
Chairman
Serampore Municipality

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

सं. सीओएम/ई-ऑक्शन/एचडब्ल्यूएच/2025 **दिनांक 23.12.2025**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा (नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा, पिन-711101) द्वारा हावड़ा मंडल के तहत 03 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न स्टेशनों में पार्किंग लॉट के परिचालन के लिए अनुबंध प्रदान करने हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। ई-नीलामी की अधिक जानकारी एवं भागीदारी के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल** के माध्यम से देखें। **कैटलॉग सं. :** पार्क-एचडब्ल्यूएच-जेएएन-01, **नीलामी शुरू होने की तिथि/समय:** 07.01.2026 को 14.00 बजे। **लॉट सं.:** पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-जेआरएई-टीडब्ल्यू-294-25-1 (पार्किंग-टू व्हीलर), **स्टेशन का नाम:** जौग्राम।

HWH-488/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

"ई" खरीद प्रणाली के लिए निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, मुख्यालय कार्यालय (5वीं मंजिल), न्यू एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, 11, गार्डन रीच रोड, कोलकाता-700043 खुली ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं जो वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड की गई हैं। सभी निविदाएं 14.00 बजे बंद हो जाएंगी:

क्र.सं.	निविदा सं.	अंतिम तिथि	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	बयाना राशि (रु.)
1	46255064	13/01/26	अन-इंसुलेटेड कैडमियम कॉपर कैटेनरी वायर 65 वर्ग मिमी की आपूर्ति के लिए रनिंग कॉन्ट्रैक्ट	200 मीट्रिक टन	20,00,000/-
2	46255063	15/01/26	150 वर्ग मिमी हार्ड ड्रॉन स्ट्रैंडेड कॉपर क्रॉस फीडर वायर की आपूर्ति के लिए रनिंग कॉन्ट्रैक्ट	40 मीट्रिक टन	7,20,710/-
3	46255055	15/01/26	सॉलिड हार्ड ड्रॉन कॉपर वायर 5 मिमी व्यास [स्मॉल ड्रॉपर]	40 मीट्रिक टन	7,49,950/-
4	16255014	12/01/26	छठे वार्षिक ओवरहॉलिंग के लिए अनिवार्य स्पेयर का सेट	10 सेट	1,77,940/-
5	11255002	13/01/26	ईएलजीआई मेक एयर कंप्रेसर के लिए छठा वार्षिक शेड्यूल	12 सेट	1,16,370/-
6	38251544ए	27/01/26	बॉक्सएनएचएल वैगन आदि के लिए के-टाइप कम्पोजिट ब्रेक ब्लॉक	21500 नग	1,73,730/-
7	65255023	22/01/26	एलएचबी और रॉ डैम्पर्स के लिए शॉक एब्जॉर्बर टेस्टिंग मशीन 05 टीपीएम। (प्री-बिड मीटिंग 30/12/25 को 11:00 बजे पीसीएमएम मीटिंग रूम/एसईआर/जीआरसी/कोल-43 में)	02 नग	1,65,800/-
8	29251349	30/12/25	पीओएच रिप्लेसमेंट किट	72 सेट	1,45,440/-
9	29254638	12/01/26	डायाफ्राम और ओ-रिंग का सेट	203 सेट	1,84,690/-
10.	29254855ए	27/01/26	वाईंडिंग वायर फ्लैट एफआई सीयू एफओ 13	3300 किग्रा	1,09,120/-
11.	29250058	28/01/26	मशीनीकृत स्टेटर असेंबली के संबद्ध घटक	48 सेट	1,54,870/-

इच्छुक निविदाकर्ता निविदाओं के पूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देख सकते हैं और अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। किसी भी स्थिति में इन मदों के लिए मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। **नोट:** भावी बोलीदाता अन्य सभी निविदाओं और उसके बाद प्रकाशित किसी भी शुद्धिपत्र में भाग लेने के लिए नियमित रूप से www.ireps.gov.in देख सकते हैं। (PR-1001)

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

पूर्व रेलवे

निविदा सं. : एमसी-40-सी-आरएसपी-डोर-ब्लॉक, दिनांक 26.12.2025, मंडल यांत्रिक अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम:** 3000 बीओएक्सएन वैगनों में दरवाजों की ब्लॉकिंग एवं ऊंचाई में कमी। **निविदा मूल्य :** रु. 2,56,86,735/-, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य, **बयाना राशि :** रु. 2,78,400/- **कार्य की समापन अवधि:** कार्य शुरू होने से 01 वर्ष। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** दिनांक 02.01.2026, **बंद होने एवं खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 16.01.2026 को 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in में देखा जा सकता है।

ASN-288/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

Name Change

I, Ayushi T Jaiswal (earlier known as Ayushi Gupta), wife of Tushar Jaiswal, resident of 38, Ganesh Chandra Avenue, P.O. Dharmatala, P.S. Hare Street, Kolkata – 700013, hereby state that Ayushi Gupta and Ayushi T Jaiswal / Ayushi Tushar Jaiswal are the same and one identical person, and I have changed my name to Ayushi T Jaiswal for all purposes.vide Affidavit no. 1702 dated: 24/12/2025 sworn before the First Class Magistrate at Metropolitan Court for all future purposes.

Office of the BANKRA-I GRAM PANCHAYAT
Bankra, Domjur, Howrah-711403
E-mail:pradhanbankragp1@gmail.com

NOTICE INVITING e-TENDER

Encrypted electronic bids are hereby invited by the Pradhan on behalf of Bankra-I Gram Panchayat, Domjur, Howrah from eligible bonafied contractors/agencies/bidders vide NIT reference / memo no.-**265/BGP-I, Dated:24-12-2025**at the jurisdiction area of Bankra-I Gram Panchayat within Domjur Block, Howrah, W.B. Last date for the online receipt of Tender is **15/01/2026 at 11:00Hrs.** Details will be available at the website **https://wbtenders.gov.in**

PRODHAN
Bankra-I Gram Panchayat
Domjur, Howrah

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

(निर्माण संगठन)

ई-निविदा सूचना

निविदा क्रमांक: सी.ए. ओ./सी/ बीएसपी /25-26/19 दिनांक : 19-12-2025 (ओपन ई-टेंडर) (सिंगल पैकेट सिस्टम)

कार्य: "दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर के ओल्ड रेल क्लब में बैडमिंटन कोर्ट और स्क्वैश कोर्ट के नवीनीकरण का कार्य।"

निविदा मूल्य : रु 23,38,590.00 **अमानत राशि :** रू 46,800.00 **निविदा दस्तावेज़ की लागत:** शून्य **कार्य पूरा होने की अवधि :** 02 (दो) महीने, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से। **(1) निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक :** 16/01/2026 को 15:00 बजे तक। **(2) निविदा खोलने का समय एवं दिनांक :** 16/01/2026 को 15:30 बजे।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज़ का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) / दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर-पिन: 495004 अथवा उप-मुख्य अभियंता / निर्माण/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर पिन: 492009 अथवा मुख्य परियोजना प्रबन्धक / पश्चिम/निर्माण / नागपुर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर पिन: 440001 के कार्यालय में संपर्क करे अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर / देख सकते है।

उप-मुख्य अभियंता/निर्माण
द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर

सीपीआर/10/AM/565

South East Central Railway @secrail

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक 19.12.2025, वरिष्ठ मंडल अभियंता/I, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **निविदा सं.: टीएन-166-25-26, कार्य का नाम:** सियालदह में: वरिष्ठ शाखा अभियंता/कार्य/सियालदह के अधीन इलेक्ट्रिकल सिग्नल एवं टेलीकम्युनिकेशन विभाग के स्टाफ सेक्शन, स्टोर और डीआरएम बिल्डिंग के भूतल एवं प्रथम तल के ऑफिसर्स चेंबर का नवीनीकरण एवं मरम्मत कार्य तथा सभी अन्य सहायक कार्य। **निविदा मूल्य :** रु.78,61,732.29, **बयाना राशि :** रु. 1,57,200/-, **कार्य की समापन अवधि:** 06 माह। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 13.01.2026 को 15.00 बजे। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। **निविदा के खुलने की तिथि और समय** दिनांक 13.01.2026 को 15.30 बजे है।

SDAH-325/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं.: सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/25/52 **दिनांक 23.12.2025**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों के लिए अनुबंध प्रदान करने हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। **कैटलॉग सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-25-52, नीलामी शुरू होने की तिथि एवं समय: दिनांक 07.01.2026 को 12.00 बजे। क्रम सं., लॉट सं. और विवरण** निम्नानुसार हैं: **एए/1,** एडीबीटी-एचडब्ल्यूएच-डीकेएई-ओएच-160-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम), डानकुनी रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से रेलवे सूचना और वाणिज्यिक विज्ञापन के परिचालन, रखरखाव एवं प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। **एबी/1,** एडीबीटी-एचडब्ल्यूएच-जेटीएल-ओएसएन-19-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन-डिजिटल)), हावड़ा मंडल के तहत तीन (3) वर्ष की अवधि के लिए क्लस्टर-IV (क) झापटेर ढाल स्टेशन से गुमानी स्टेशन तक, (ख) अदलपहाड़ी से कुरुवा स्टेशन तक, (ग) आजिमगंज सिटी स्टेशन से ताकिपुर स्टेशन तक और (घ) चौहट्टा स्टेशन से अजय केबिन तक) स्टेशनों के स्टेशन परिसरों के अंदर वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों के लिए अनुबंध प्रदान करना।

HWH-489/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

एनआईटी सं.: 230_2025-26 और 231_2025-26, दिनांक 23.12.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नया मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, रेलवे म्यूजियम के पास, हावड़ा रेलवे स्टेशन, हावड़ा-711101 (वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा के क्षेत्राधिकार हेतु) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं. 1, एनआईटी सं.: 230_2025-26, कार्य का विवरण :** वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र में यार्ड सुधार कार्यों के लिए हावड़ा सिरे की ओर तारकेश्वर यार्ड, उत्तरपाड़ा यार्ड, लिलुआ डब्ल्यूएस यार्ड, सेवड़াফুলी यार्ड, भद्रेश्वर यार्ड और बैण्डेल यार्ड में फाउलिंग मार्क, सैंड हम्प, पाथवे का प्रावधान, ड्रेनेज का सुधार एवं कीचड़ निपटान कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 6,05,59,492.56, **बयाना राशि:** रु. 4,52,800/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य। **समापन अवधि :** 12 (बारह) माह। **क्रम सं. 2, एनआईटी सं.: 231_2025-26, कार्य का विवरण :** वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र में यार्ड सुधार कार्यों के लिए बर्द्धमान सिरे की ओर बैण्डेल यार्ड में फाउलिंग मार्क, सैंड हम्प, पाथवे का प्रावधान, ड्रेनेज का सुधार एवं कीचड़ निपटान कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 5,45,28,371.38, **बयाना राशि:** रु. 4,22,700/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य। **समापन अवधि :** 12 (बारह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 07.01.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। **ईएमडी और टीडीसी का भुगतान-**ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

HWH-487/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. एसजी.निविदा/जीएसयू/एस एंड टी/एचडब्ल्यूएच/02, दिनांक 24.12.2025, उप मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति इकाई, सिगनल एवं दूरसंचार, सियालदह, तीसरी मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **'ई'-निविदा सं. डीसीपीएम-एसएनटी-आरएसपी-एचडब्ल्यूएच-टीएसएम-01-25-26, कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** "पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल में एलसी गेट नं. 23/ए को हटाये जाने के संबंध में सेवड़ाफुली (एसएचई)-तारकेश्वर (टीएके) लाइन में किमी 34/4-5 पर बाहिरखंड में बो स्ट्रिंग गर्डर से संलग्न आरओबी का निर्माण तथा अन्य सहायक कार्यों" के संबंध में एस एंड टी कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 1,73,77,120.93, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति जमा की जाएगी :** रु.2,36,900/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **निविदा जमा देने की प्रारंभिक तिथि:** 26.12.2025, **निविदा जमा देने की अंतिम तिथि:** 16.01.2026 को 15.00 बजे तक। **निविदा बोली के खोलने की तिथि:** 16.01.2026 को 15.30 बजे। **विवरण यहां उपलब्ध है: www.ireps.gov.in तकनीकी पात्रता मानदंड:** निविदाकार ने निविदा आमंत्रण से पूर्व महीने के अंतिम दिन को समाप्त, पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान, निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक कार्य का सफलतापूर्वक पूरा या पर्याप्त रूप से निष्पादन किया है: (i) तीन समरूप कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 30% की समान राशि से कम न हो, या (ii) दो समरूप कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 40% की समान राशि से कम न हो, या (iii) एक समरूप कार्य जिसकी लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60% की समान राशि से कम न हो। **वित्तीय पात्रता मानदंड:** निविदाकार का न्यूनतम औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार V/N या 'V' होना चाहिए, जो भी कम हो, जहाँ V = निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में, N = कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या जिसके लिए बोलियाँ आमंत्रित की गई हैं। औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार की गणना लेखापरीक्षित तुलन पत्र के अनुसार पिछले तीन वित्तीय वर्षों में "कुल ठेकाजनित भुगतान" के औसत के रूप में की जाएगी। तथापि, यदि पिछले वर्ष का तुलन-पत्र अभी तैयार किया जाना है/लेखापरीक्षित किया जाना है, तो औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार की गणना के लिए चौथे पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलन-पत्र को विचार में लिया जाएगा। निविदाकार जीसीसी 2022 के अनेक्सर-VIबी (मौजूदा निविदा कागजात का फॉर्म-6) के अनुसार आवश्यक जानकारी के साथ सनदी लेखापाल द्वारा यथा प्रमाणित लेखापरीक्षित तुलन पत्र की प्रतियाँ/लेखापरीक्षित तुलन पत्र द्वारा यथा समर्थित सनदी लेखापाल से प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे। **जमा किए जाने वाले अन्य कागजात:** निविदा कागजात में उल्लिखित अनुसार। **समरूप कार्य की प्रकृति:** "पैनल इंटरलॉकिंग या रूट रिले इंटरलॉकिंग या इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग या आईबीएच या ऑटोमेटिक सिग्नलिंग या लेवल क्रॉसिंग गेट इंटरलॉकिंग।" **टिप्पणी:** निविदाकार अपने निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा कागजात में उल्लिखित पात्रता मानदंड को पूरा करने के अपने दावे के समर्थन में कागजात प्रस्तुत करेंगे। निविदाकार द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाण पत्रों के समर्थन में कागजातों/प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपि का प्रत्येक पृष्ठ निविदाकार या निविदाकारी फर्म के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्व-सत्यापित/डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित होगा। स्व-सत्यापन में हस्ताक्षर, मुहर और तिथि (प्रत्येक पृष्ठ पर) शामिल होंगे।

HWH-322/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

गंगासागर मेले के लिए दमकल व्यवस्था और मजबूत, बनाए जाएंगे चार नए अस्थायी फायर स्टेशन

गंगासागर : आगामी गंगासागर मेले को देखते हुए दमकल और अग्निनिरोधक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। इस वर्ष मेले के दौरान सुरक्षा बढ़ाने के लिए चार नए अस्थायी दमकल केंद्र स्थापित किए जाएंगे। मेले की तैयारियों की समीक्षा के बाद अपने कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारियों और जीबीडीए चेयरमैन श्रीमंत कुमार माली के साथ उच्चस्तरीय बैठक करने के पश्चात दमकल मंत्री सुजीत बोस ने यह जानकारी दी।

दमकल मंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष गंगासागर मेले के दौरान 14 अस्थायी दमकल केंद्र कार्यरत थे, जिन्हें इस बार बढ़ाकर 18 किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है और किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी।

जानकारी के अनुसार, कुल 18 अस्थायी दमकल केंद्रों में से 11 मेले के मैदान और उसके आसपास तैनात रहेंगे, जबकि शेष 7 अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर स्थापित किए जाएंगे। मेले के दौरान अग्निनिरोधक व्यवस्था की जिम्मेदारी 358 कर्मियों के पास रहेगी, जिनमें विभाग के वरिष्ठ अधिकारी से लेकर दमकलकर्मी तक शामिल होंगे।

भीड़भाड़ वाले इलाकों में बड़े दमकल वाहनों की आवाजाही में होने वाली दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए 75 विशेष फायर फाइटिंग बाइक तैनात की जा रही हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सेवा सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा 11 बड़े अग्निनिरोधक टैंकर भी तैयार रखे जा रहे हैं, जिनमें से प्रत्येक के साथ तीन-तीन फायर पंप जुड़े होंगे।

प्रशासन का दावा है कि इस व्यापक व्यवस्था के चलते गंगासागर मेले के दौरान अग्नि सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित की जाएगी।

दीघा में क्रिसमस पर भीषण आगजनी, तीन दुकानें जलकर खाक

पूर्व मेदिनीपुर : बड़े दिन की देर रात पूर्व मेदिनीपुर जिले के रामनगर बाजार में भीषण आग लगने से व्यापारियों में हाहाकार मच गया। गुरुवार की देर रात अचानक लगी आग में दो मिठाई की दुकानें और एक स्टेशनरी दुकान पूरी तरह जलकर खाक हो गईं।

इस हादसे में लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की एक इंजन मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आग लगने के कुछ ही देर बाद मिठाई की दुकान में रखे दो गैस सिलेंडर जोरदार धमाके के साथ फट गए, जिससे आग और भयावह हो गई। इस घटना में सात फिज भी पूरी तरह जल गए। दुकान कर्मचारियों ने बताया कि तड़के आग की लपटें देखकर स्थानीय लोगों की नजर पड़ी। पहले लोगों ने खुद आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन जब स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई तो दमकल विभाग को सूचना दी गई। दमकल के पहुंचने से पहले ही तीनों दुकानें पूरी तरह जल चुकी थीं।

दमकल विभाग का प्राथमिक अनुमान है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी होगी, हालांकि जांच पूरी होने के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। इधर, पूरे मामले की जांच रामनगर थाना पुलिस कर रही है।

एगरा में शॉपिंग मॉल से कर्मचारी का झूलता शव बरामद

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के एगरा शहर में शुक्रवार के तड़के एक नामी शॉपिंग मॉल में एक युवक का फंदे से लटका शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान तापस साव (22) के रूप में हुई है, जो शॉपिंग मॉल में कर्मचारी के तौर पर कार्यरत था। जानकारी के अनुसार, इस दिन, सुबह में शॉपिंग मॉल के ऊपर स्थित एक रेस्टोरेंट परिसर से तापस साव का शव गले में फंदा लगाए हुए मिला। घटना की खबर मिलते ही एगरा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृत तापस साव पूर्व मेदिनीपुर के मोहनपुर ब्लॉक अंतर्गत लालबाजार पलाशिया इलाके का निवासी था। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह आत्महत्या है या फिर हत्या। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

चुनावी मैदान में तैयार भाजपा, राज्य में पहुंचीं साढ़े तीन सौ से अधिक बाइक

कोलकाता : आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में तैयारियां तेज कर दी हैं। बंगाल फतह को लक्ष्य बनाकर भाजपा ने जमीनी स्तर पर काम को धार देने के लिए राज्य में साढ़े तीन सौ से अधिक बाइक मंगाई हैं।

भाजपा सूत्रों के अनुसार, यह पहल विशेष रूप से बूथ स्तर की गतिविधियों को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है। पार्टी के 294 विधानसभा क्षेत्रों के प्रभारी नेताओं को 294 बाइक दी जाएंगी। इसके अलावा शेष बाइक जिला स्तर के बूथ संयोजकों को सौंपी जाएंगी।

पार्टी का मानना है कि दूर-दराज और दुर्गम इलाकों में स्थित बूथों तक तेजी से पहुंच और संगठनात्मक कामकाज को सुचारु रूप से अंजाम देने में ये बाइक काफी मददगार साबित होंगी। भाजपा नेतृत्व का दावा है कि इस व्यवस्था से कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ेगी और चुनावी रणनीति को जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी हर स्तर पर संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने में जुटी है और बूथ प्रबंधन को चुनावी सफलता की कुंजी माना जा रहा है। इसी रणनीति के तहत यह नया कदम उठाया गया है।

नदिया के सुमन सरकार को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

कोलकाता : नदिया जिले के 16 वर्षीय तबला प्रतिभा सुमन सरकार को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। कम उम्र में असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले सुमन ने देश-विदेश में भारतीय शास्त्रीय संगीत को नई पहचान दिलाई है। सुमन सरकार पिछले 13 वर्षों से तबले का गहन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं और अब तक 62 से अधिक मंचीय प्रस्तुतियां दे चुके हैं। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुल 43 प्रमाणपत्र अर्जित किए हैं, जिनमें 22 प्रथम पुरस्कार शामिल हैं। उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों में अमेरिका के चंदायन, भारत-बांग्लादेश संगीत प्रतियोगिताएं, डोवर लेन म्यूजिक कॉन्फ्रेंस तथा राष्ट्रीय कला उत्सव प्रमुख हैं। राष्ट्रीय कला उत्सव में उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया था। संगीत के प्रति समर्पण के साथ-साथ सुमन सामाजिक सेवा में भी सक्रिय हैं। उन्होंने पुरस्कार राशि से जरूरतमंद बच्चों के लिए तबले खरीदे और उन्हें निःशुल्क प्रशिक्षण देना शुरू किया। इसी उद्देश्य से उन्होंने रणाघाट ह्यूमैनिटीज़ एजुकेशन सेंटर की स्थापना की, जिससे वर्तमान में 42 छात्र लाभान्वित हो रहे हैं। सुमन सरकार की प्रतिभा और समाज के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें पहले भी भारत रत्न डॉ. एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी फेलोशिप जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

एसआईआर : तृणमूल विधायक के परिवार को चुनाव आयोग ने नोटिस भेजकर सुनवाई के लिए बुलाया

पूर्व बर्दवान : राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। पूर्व बर्दवान जिले के खंडघोष विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस विधायक नवीन चंद्र बाग की मां, भाई और भाई की पत्नी को चुनाव आयोग द्वारा सुनवाई के लिए नोटिस भेजे जाने पर राजनीतिक हलकों में हंगामा मच गया है। विवाद की वजह यह है कि जिन तीनों लोगों को सुनवाई के लिए बुलाया गया है, उनके नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची में दर्ज थे। वर्ष 2002 में ही राज्य में पिछली बार विशेष गहन पुनरीक्षण हुआ था। इसके बावजूद सुनवाई का नोटिस मिलने से विधायक नवीन चंद्र बाग ने चुनाव आयोग की मंशा पर सवाल उठाए हैं। नवीन चंद्र बाग ने आरोप लगाया कि वह तृणमूल कांग्रेस के विधायक हैं, इसी वजह से उनके परिवार के सदस्यों को जानबूझकर परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी मां, भाई और भाई की पत्नी के नाम पहले से मतदाता सूची में मौजूद हैं, फिर भी उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया गया। विधायक का दावा है कि यह कार्रवाई भाजपा के इशारे पर की गई है, जिससे उनके परिवार पर मानसिक दबाव बना। उन्होंने यह भी कहा कि नोटिस मिलने के बाद उनकी मां घबरा गईं।

राज्यपाल ने कोलकाता में मानवता, शक्ति और आध्यात्मिकता के विश्व संगम के 16वें संस्करण का उद्घाटन किया

कोलकाता : मानवता, शक्ति और आध्यात्मिकता के विश्व संगम के 16वें संस्करण का औपचारिक उद्घाटन आज पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल डॉ. सी. वी. आनंद बोस ने किया, जो शांति, नैतिक मूल्यों और मानवीय चेतना पर भारत के चल रहे वैश्विक संवाद में एक महत्वपूर्ण क्षण है। कनोरिया फाउंडेशन की पहल के तहत यूनिवर्सल स्पिरिचुअलिटी एंड ह्यूमैनिटी फाउंडेशन द्वारा आयोजित, इस संगम में शासन, आध्यात्मिकता, कूटनीति और शिक्षा जगत के प्रतिष्ठित प्रमुखों ने मानवता के सामूहिक भविष्य के लिए केंद्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ आए।

पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल के अलावा, इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक नेताओं, विद्वानों, नीति निर्माताओं और विचारकों की एक प्रतिष्ठित सभा भी उपस्थित थी।

कनोरिया फाउंडेशन के अध्यक्ष एच पी कनोरिया ने कहा कि विश्व संगम की अवधारणा धर्म, संस्कृति और राष्ट्रीयता के विभाजनों से परे सार्वभौमिक मानवता के विचार को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। उन्होंने कहा, यह मंच ऐसे समय में संवाद और नैतिक नेतृत्व को प्रोत्साहित करना चाहता है जब दुनिया भर के समाज बढ़ते ध्रुवीकरण का सामना कर रहे हैं।

16वें विश्व संगम ने सार्थक वैश्विक बातचीत आयोजित करने में भारत के बढ़ते नेतृत्व की पुष्टि की, जो शासन, आध्यात्मिकता और मानवीय मूल्यों को जोड़ती है। पूरे कार्यक्रम के दौरान हुई चर्चाओं में वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए नैतिक नेतृत्व, आध्यात्मिक जागरूकता और दयालु कार्रवाई की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया।

बिनायक एनक्लेव के मंदिर प्रांगण में सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ

गोपियों, मीराबाई, राधा का कृष्ण प्रेम श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम की पराकाष्ठा है

❑ **माथुर वैश्य भवन में श्रीमद्भागवत कथा**

कोलकाता : माथुरवैश्य भवन में श्रीधाम, वृंदावन से पधारे श्रीभगवान भईयाजी के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत कथा में भक्ति भजनों की प्रस्तुति के साथ श्री कृष्ण बाल लीला, रास लीला, कृष्ण - रुक्मणि विवाह से श्रोता भाव विभोर हो गये। मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो... मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई... भक्ति भजनों की प्रस्तुति के साथ कथा वाचक भईया जी ने कहा गोपियों, मीराबाई, राधा का कृष्ण प्रेम श्रीकृष्ण के प्रति समर्पण को दर्शाता है। प्रेम की पराकाष्ठा - निःस्वार्थ समर्पण, आत्म-त्याग और अपने प्रिय की खुशी को अपनी खुशी से भी ऊपर रखना है, जहाँ केवल प्रेम का भाव रह जाता है, प्रेम स्वयं एक अलौकिक अनुभव बन जाता है। कथा में पधारे धर्मानुरागी, समाजसेवी पण्डित लक्ष्मीकांत तिवारी ने कहा श्रीमद्भागवत भारतीय वाङ्मय का मुकुटमणि है। शुकदेव जी द्वारा महाराज परीक्षित को सुनाया गया भक्तिमार्ग वैदिक सनातन हिन्दू धर्म में प्रेरक है। राधे - राधे, जय श्रीराधे... भक्तिमय वातावरण में प्रमुख यजमान मिथिलेश गुप्ता, आयोजक माथुरवैश्य इंटरनेशनल क्लब के अध्यक्ष अमित गुप्ता, सचिव प्रवीण गुप्ता, महेन्द्र गुप्ता, सुरेश कौशल, बंगाली बाबू गुप्ता, समाजसेवी विश्वनाथ पारोलिया, हरि प्रकाश, वीरेन्द्र गुप्ता, राजेन्द्र गुप्ता (कपूरवाले), अशोक गुप्ता एवम् महिला समिति तथा कार्यकर्ताओं सहित सैकड़ों श्रद्धालु भक्त भाव विभोर हो गये।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का 91वां स्थापना दिवस समारोह कोलकाता में भव्य रूप से संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का 91वां स्थापना दिवस समारोह कोलकाता स्थित कला मंदिर सभागार में अत्यंत गरिमामय एवं भावपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका ने की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पश्चिम बंगाल सरकार की प्रभारी मंत्री (उद्योग, वाणिज्य एवं उद्यम विभाग तथा महिला एवं बाल विकास एवं सामाजिक कल्याण विभाग) डॉ. शशि पांजा रहीं, जिन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर समारोह का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर सम्मेलन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं विशिष्ट अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन किया।

मुख्य अतिथि डॉ. शशि पांजा ने अपने संबोधन में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन को एक ऐतिहासिक और राष्ट्रनिर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला संगठन बताया। उन्होंने कहा कि भारत की आज़ादी से पूर्व कोलकाता में सम्मेलन की स्थापना होना अपने आप में गर्व का विषय है। आज मारवाड़ी समाज देश के कोने-कोने में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। उन्होंने कोलकाता सहित देशभर में मारवाड़ी समाज द्वारा निर्मित धर्मशालाओं, विद्यालयों, महाविद्यालयों और अस्पतालों का उल्लेख करते हुए सामाजिक सेवा के क्षेत्र में समाज के योगदान को सराहनीय बताया।

डॉ. पांजा ने दहेज प्रथा और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन में समाज की ऐतिहासिक भूमिका की भी सराहना की। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में मारवाड़ी समाज के पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं की भागीदारी का उल्लेख करते हुए इंदुमति गोयनका को पहली मारवाड़ी महिला स्वतंत्रता सेनानी बताया, जो जेल गई थीं। अंत में उन्होंने सफल आयोजन के लिए सम्मेलन को बधाई दी और नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका ने सभी को 91वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं और सम्मेलन की नौ दशकों से अधिक की गौरवशाली यात्रा को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण, शिक्षा, संस्कृति, सामाजिक समरसता और संगठनात्मक एकता के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। श्री गोयनका ने स्वतंत्रता संग्राम में मारवाड़ी समाज की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि 1857 के गदर, नमक सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन, विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार और भारत छोड़ो आंदोलन में समाज ने आर्थिक, सामाजिक, वैचारिक एवं साहित्यिक रूप से महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए स्व. ईश्वरदास जालान के नेतृत्व में 25 दिसंबर 1935 को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना की गई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने वर्तमान समय में समाज के समक्ष बदलती चुनौतियों पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने प्री-वेडिंग शूट, फिजूलखर्ची, विवाह में अनावश्यक आडंबर और बढ़ते तलाक जैसे विषयों पर आत्ममंथन का आह्वान करते हुए कहा कि इनका समाधान घर से ही शुरू होना चाहिए। उन्होंने युवा शक्ति और मातृशक्ति को संगठन की सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए उन्हें साथ लेकर चलने पर जोर दिया। साथ ही, समाज के पर्व-त्योहारों के प्रचार-प्रसार, सदस्यता विस्तार और संगठन को सशक्त बनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पुरस्कार चयन उपसमिति के चेयरमैन पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला की अध्यक्षता में सम्मान चयन किया गया। इसके अंतर्गत मोहन फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. सुनील श्रॉफ (चेन्नई) को अंगदान, ट्रांसप्लांट, डिजिटल हेल्थ एवं मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मेलन के सर्वोच्च सम्मान 'मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान-2024' से सम्मानित किया गया। वहीं, वरिष्ठ समाजसेवी आत्माराम सोंथलिया को सम्मेलन के 28वें राष्ट्रीय अधिवेशन में घोषित 'नंदकिशोर जालान संगठन समर्पण सम्मान-2025' प्रदान किया गया।

सम्मान समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका, मुख्य अतिथि डॉ. शशि पांजा, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण गिरधारी लाल गोयनका एवं राजकुमार मिश्रा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक गुप्ता, राष्ट्रीय महामंत्री केदार नाथ गुप्ता, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री द्वय पवन कुमार जालान एवं पवन कुमार बंसल तथा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनील मल्लावत सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारियों ने तिलक, पगड़ी, शॉल, श्रीफल, माला, मानपत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित अतिथि डॉ. सुनील श्रॉफ ने अपने उद्बोधन में इस सम्मान का श्रेय मोहन फाउंडेशन के समर्पित कार्यकर्ताओं, अंगदाताओं और मरीजों को देते हुए समाज से अंगदान एवं नेत्रदान के लिए आगे आने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गिरधारी लाल गोयनका ने स्वागत भाषण दिया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार मिश्रा ने किया। राष्ट्रीय महामंत्री केदार नाथ गुप्ता ने कुशल मंच संचालन किया। इस अवसर पर सम्मेलन की मासिक पत्रिका 'समाज विकास' के विशेषांक का विमोचन भी किया गया।

समारोह में देशभर से आए पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों, पदाधिकारियों, प्रांतीय प्रतिनिधियों और समाज के गणमान्य व्यक्तियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। कार्यक्रम के आरंभ और समापन पर कोलकाता की सांस्कृतिक संस्था 'अमैच्योर एक्टर्स एसोसिएशन (एएए)' द्वारा राजस्थानी एवं हिंदी भाषा में प्रस्तुत नाटकों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

पूर्व रेलवे ने शेवड़ाफुली और बंडेल स्टेशनों पर सघन टिकट जांच अभियान चलाया

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के अंतर्गत शेवड़ाफुली और बंडेल रेलवे स्टेशनों पर 24 दिसंबर को सघन टिकट जांच एवं निरीक्षण अभियान चलाया गया। यह अभियान पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक डॉ. उदय शंकर झा के मार्गदर्शन में, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक राहुल रंजन, मंडल वाणिज्य प्रबंधक हरिनारायण गंगोपाध्याय तथा वाणिज्य एवं सुरक्षा कर्मचारियों की उपस्थिति में संचालित किया गया। इस विशेष अभियान का उद्देश्य बिना टिकट यात्रा और बिना बुक किए गए सामान से जुड़ी अनियमितताओं पर अंकुश लगाना, यात्रियों में अनुशासन बढ़ाना, स्टेशन आय में वृद्धि करना तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 के टिकट जांच लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करना था। इसके साथ ही स्टेशन परिसर की स्वच्छता और यात्री सुविधाओं के सुचारू संचालन पर भी विशेष ध्यान दिया गया। शेवड़ाफुली स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या 5 एवं 6 के पास परिसंचरण क्षेत्र, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पार्किंग स्टैंड, मुख्य बुकिंग कार्यालय, महिला प्रतीक्षालय, फुट ओवर ब्रिज तथा ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन का निरीक्षण किया गया। वहीं, बंडेल स्टेशन पर परिसंचरण क्षेत्र, प्लेटफॉर्म सतह, फुट ओवर ब्रिज, पे-एंड-यूज़ शौचालय, एस्केलेटर, ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड, कोच इंडिकेशन बोर्ड, एटीवीएम, अधिकृत पार्किंग स्टैंड और पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने यात्रियों से संवाद कर स्टेशन सुविधाओं को लेकर उनकी प्रतिक्रिया भी प्राप्त की। अभियान के दौरान कुल 52 वाणिज्य एवं सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई। जांच के दौरान 825 मामलों का पता लगाया गया, जिनमें 479 दंडात्मक मामले, 280 बिना बुक किए गए सामान के मामले और 66 गंदगी फैलाने से संबंधित मामले शामिल हैं। इस कार्रवाई से 2,02,290 का राजस्व अर्जित हुआ।

राष्ट्रीय बिहारी समाज ने स्व.मणि प्रसाद सिंह को याद किया

कोलकाता : राष्ट्रीय बिहारी समाज के संस्थापक अध्यक्ष मणि प्रसाद सिंह की पांचवी पुण्यतिथि पालित की गई। काशीपुर स्थित उनके आवास के समक्ष समाज की ओर से करीब 400 जरूरतमंद लोगों में कंबल वितरित कर उन्हें याद किया गया। मौके पर संस्था की वर्तमान अध्यक्ष ममता सिंह, महासचिव अंकुल सिंह व सचिव आकाश पांडेय ने कहा कि संस्था मणि प्रसाद सिंह के बताए मार्ग पर चलने के लिए संकल्पित है। इस दौरान पार्षद विजय उपाध्याय, अनवर खान, हरेंद्र सिंह, राजा बाबू सिंह, रामबाबू सिंह, नकुल दास, संतोष सिंह, कृष्णा सिंह, भरत सिंह, मोहित सिंह, सन्नी सिंह, राय बहादुर सिंह एवं झप्पु साव, अयूब, राहुल यादव, पंकज राजा सहित अन्य विशिष्ट जन उपस्थित थे।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के 101वें जन्मदिवस पर हावड़ा में कंबल वितरण कार्यक्रम

हावड़ा, समाज्ञा : भारतीय जनता पार्टी हावड़ा सदर के कार्यसमिति सदस्य एवं उत्तर हावड़ा विधानसभा के नव नियुक्त संयोजक सुरेंद्र जैन के तत्वावधान में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के 101वें जन्मदिवस के अवसर पर हावड़ा के डबसन रोड क्षेत्र में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर करीब 1000 जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पूर्व सांसद अर्जुन सिंह, राहुल सिन्हा, अमिताभ राय, सायंतन बासु, राजू बनर्जी, सप्तऋषि चौधरी, मीना देवी पुरोहित, विजय ओझा, चंद्रशेखर बासोतिया, गीता राय, रूद्र प्रताप दास एवं तुहिन कर ने लोगों के बीच अटल जी के राजनितिक और सामाजिक अवदान पर प्रकाश डाला।

जयंती पर याद किए गए अटल बिहारी वाजपेयी व पंडित मदन मोहन मालवीय

कोलकाता : बीबीडी बाग डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी सेवा समिति की ओर से भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई एवं पंडित मदन मोहन मालवीय का जन्मोत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर 18 नेताजी सुभाष रोड इलाके में सुंदर कांड पाठ के साथ ही रक्तदान, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। समाज के जरूरतमंद लोगों में कंबल वितरित किया गए। लगभग 400 जरूरतमंदों को कंबल प्रदान किए गए। मौके पर प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष राहुल सिन्हा एवं दिलीप घोष, तापस रॉय, समाजसेवी पंडित लक्ष्मीकांत तिवारी, विजय ओझा, जयप्रकाश सिंह, सरदारमल कांकरिया, प्रेम शंकर त्रिपाठी, वंशीधर शर्मा, योगेश उपाध्याय, चंद्रिका बक्श सिंह, लक्ष्मी नारायण सिंह, प्रभुनाथ सिंह, सत्येंद्र सिंह सहित अन्य विशिष्ट जन बतौर अतिथि उपस्थित थे। शंकर बक्श सिंह ने मंच का संचालन किया। संस्था के महामंत्री हरिकेश सिंह (गुड्डन सिंह) ने बताया कि पिछले कई वर्षों से यह आयोजन होता आ रहा है। इसके माध्यम से भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी एवं पंडित मदन मोहन मालवीय को याद किया जाता है।

शुभेंदु ने नागरिक सुरक्षा कर्मियों के आंदोलन का समर्थन किया, राज्य सरकार की आलोचना की

हावड़ा, समाज्ञा : विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी शुक्रवार को राज्य सचिवालय के पास मंदिरतला में नागरिक सुरक्षा कर्मियों के धरना मंच पर पहुंचे और सेवा संबंधी मांगों को लेकर जारी उनके आंदोलन के प्रति एकजुटता व्यक्त की। शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में लगभग 14,000 नागरिक सुरक्षा कर्मियों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर आपदा प्रबंधन में उनके प्रशिक्षण और भूमिका के बावजूद उनकी 'वैध मांगों' को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने

आरोप लगाया कि सरकार उनकी शिकायतों को सुनने के लिए कोई प्रतिनिधि भेजने में विफल रही है। विपक्ष के नेता ने कहा कि कर्मचारी 'दान' नहीं मांग रहे बल्कि ये प्रशिक्षित कर्मी हैं जो अपनी जान जोखिम में डालने को तैयार हैं। भाजपा नेता ने प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगों में सुनिश्चित काम, 60 वर्ष की आयु तक नौकरी की सुरक्षा और भविष्य निधि एवं चिकित्सा बीमा जैसे लाभ गिनाए। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर 'रोजगार विरोधी' होने और स्थायी रोजगार देने के बजाय श्रमिकों को आश्रित बनाए रखने के लिए 'भत्तों की संस्कृति' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। भाजपा विधायक ने सरकारी कर्मचारियों से महंगाई भत्ते में अंतर पर विचार करने का भी आग्रह किया और दावा किया कि अगर वर्तमान सरकार बनी रही तो यह अंतर और बढ़ जाएगा। उन्होंने राज्य सरकार पर 2020 में आए चक्रवात अम्फान से निपटने के तरीके का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित नागरिक सुरक्षा कर्मियों के बावजूद सरकार को कोलकाता में गिरे पेड़ों को हटाने के लिए ओडिशा से आपदा प्रबंधन कर्मियों को बुलाना पड़ा। भाजपा नेता ने राज्य सरकार के इस फैसले की तुलना ओडिशा की उस नीति से की, जिसमें आकस्मिक और संविदा श्रमिकों को नियमित किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल ने लगभग छह लाख स्थायी पदों को समाप्त कर दिया गया और रोजगार एक्सचेंजों को बंद कर दिया गया।

स्वर्ण व्यवसायी की हत्या के मामले में रायगंज बीडीओ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

कोलकाता, समाज्ञा : बिधाननगर सिटी पुलिस ने शुक्रवार को रायगंज ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर (बीडीओ) प्रशांत बर्मन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया, जिन पर सॉल्टलेक के दत्ताबाद इलाके में सोने के व्यापारी स्वपन कामिल्या की हत्या का आरोप है। यह गिरफ्तारी वारंट तब जारी किया गया जब 22 दिसंबर को कलकत्ता हाई कोर्ट की सिंगल-जज बेंच ने बर्मन की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी और उन्हें 72 घंटे के अंदर बिधाननगर कोर्ट में सरेंडर करने का निर्देश दिया। बिधाननगर सिटी पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि गुरुवार को बिधाननगर कोर्ट में आत्मसमर्पण करने की 72 घंटे की समय सीमा खत्म होने के बाद उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। शुक्रवार को, बिधाननगर सिटी पुलिस ने गिरफ्तारी वारंट को लागू करने के लिए बिधाननगर कोर्ट से भी संपर्क किया, जिसे कोर्ट ने मंजूरी दे दी। उल्लेखनीय है कि कामिल्या को 28 अक्टूबर को दत्ताबाद में एक सोने की दुकान से नीली बत्ती वाली कार में किडनैप किया गया था, बाद में, उनका शव न्यूटाउन के जात्रागाछी से बरामद किया गया। जांचकर्ताओं ने बीडीओ के कई साथियों को गिरफ्तार किया है और शव को ठिकाने लगाने के लिए इस्तेमाल किए गए सरकारी वाहन को जब्त कर लिया है। बर्मन ने आरोपों से इनकार किया है और पिछले महीने बारासात कोर्ट से अग्रिम जमानत हासिल की थी, जिसे बाद में बिधाननगर सब-डिविजनल कोर्ट ने औपचारिक रूप दिया था। हालांकि, 22 दिसंबर को जस्टिस तीर्थंकर घोष की अध्यक्षता वाली कलकट्टा हाई कोर्ट की सिंगल-जज बेंच ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। इस बीच, 24 दिसंबर को बर्मन ने कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

एलन पार्क में कोलकाता पुलिस द्वारा आयोजित क्रिसमस समारोह में अपना वक्तव्य रखते कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा।

विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को झटका!

पार्णो मित्रा ने थामा तृणमूल कांग्रेस का दामन, भाजपा से मोहभंग

❑ **भाजपा में जाना गलती थी : पार्णो मित्रा**

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक मजबूती मिली है। जानी-मानी अभिनेत्री एवं पूर्व भाजपा नेता पार्णो मित्रा ने शुक्रवार को आधिकारिक रूप से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कोलकाता स्थित तृणमूल भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राज्य की मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य तथा वरिष्ठ नेता जयप्रकाश मजूमदार की उपस्थिति में पार्णो मित्रा ने तृणमूल कांग्रेस का झंडा थामा। इस अवसर पर पार्टी नेताओं ने

उनका स्वागत करते हुए इसे संगठन के लिए सकारात्मक और सशक्त कदम बताया। गौरतलब है कि पार्णो मित्रा ने वर्ष 2019 में भाजपा के साथ अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में वह भाजपा की ओर से बराहनगर विधानसभा सीट से प्रत्याशी थीं, जहां उन्हें तृणमूल के उम्मीदवार तापस रॉय के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा था।

इस दिन, तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के बाद पार्णो मित्रा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एवं अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह दिन उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ है और वह नई ऊर्जा व प्रतिबद्धता के साथ जनता की सेवा करना चाहती हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पूर्व में लिए गए कुछ राजनीतिक निर्णय अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहे, लेकिन अब वह अपनी गलतियों को सुधारते हुए सही दिशा में आगे बढ़ना चाहती हैं। वहीं, तृणमूल कांग्रेस की ओर से चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि पार्णो मित्रा ने खुद पार्टी से संपर्क किया था। उन्होंने राज्य में ममता बनर्जी के नेतृत्व में हो रहे विकास को देखा और उसी यात्रा का हिस्सा बनने की इच्छा जताई। पार्टी ने उनका स्वागत किया है।

कोलकाता में बांग्लादेश उप उच्चायोग तक हिंदू संगठनों का मार्च, ज्ञापन सौंपा

कोलकाता, समाज्ञा : बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों के विरोध में कोलकाता में शुक्रवार को हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किया। हिंदू संहति के कार्यकर्ताओं ने सियालदह से मार्च निकालते हुए बांग्लादेश उप उच्चायोग कार्यालय तक जाने की कोशिश की और वहां एक प्रतिनिधिमंडल के जरिए छह सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। संगठन के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने उप उच्चायोग के एक वरिष्ठ अधिकारी से मुलाकात की। ज्ञापन में मयमनसिंह में 18 दिसंबर को दीपू चंद्र दास की हत्या के दोषियों को कड़ी सजा देने, घटना के समय लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई करने और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों तथा उनके धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। हिंदू संहति की सलाहकार समिति के सदस्य रजत राय ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मांग रखी कि हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ अफवाह फैलाने वालों पर बांग्लादेश सरकार सख्त कार्रवाई करे, क्योंकि ऐसी अफवाहों से हिंसा भड़क रही है। धार्मिक असहिष्णुता फैलाने वाले और अन्य धर्मों के अनुयायियों को हिंसा के लिए उकसाने वाले अंशों पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के मुताबिक, उप उच्चायोग के अधिकारी ने भरोसा दिलाया कि सभी मांगों को बांग्लादेश सरकार तक पहुंचाया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की। उप उच्चायोग कार्यालय के आसपास बैरिकेड लगाए गए और पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया, ताकि प्रदर्शनकारी परिसर तक न पहुंच सकें। मार्च जब बेकबागान स्थित कार्यालय से कुछ दूरी पर रोका गया तो प्रदर्शनकारियों ने एजेसी बोस रोड पर धरना शुरू कर दिया। बाद में, तीन सदस्यों को ही अधिकारियों से मिलने की अनुमति दी गई।

हावड़ा में आशा कर्मियों का आंदोलन जारी, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय का घेराव, यातायात प्रभावित

हावड़ा, समाज्ञा

राज्यभर में चल रहे आशा कर्मियों के आंदोलन का व्यापक असर शुक्रवार को हावड़ा जिले में भी देखने को मिला। अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर आशा कर्मियों ने हावड़ा में जोरदार प्रदर्शन किया, जिससे कई इलाकों में यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। शुक्रवार सुबह लगभग साढ़े तीन हजार आशा कर्मी हावड़ा मैदान फ्लाईओवर के नीचे एकत्र हुए और वहां से जुलूस निकालते हुए चर्च रोड स्थित मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमओएच) कार्यालय पहुंचे। कार्यालय का घेराव कर उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। यह आंदोलन एआईयूटीयूसी से संबद्ध पश्चिम बंगाल आशा कर्मी यूनियन के आह्वान पर किया गया।

आशा कर्मियों की प्रमुख मांगों में मासिक मानदेय में वृद्धि शामिल है। वर्तमान में उन्हें 5,250 रुपये प्रतिमाह मिलते हैं, जिसे अपर्याप्त बताते हुए बढ़ाने की मांग की जा रही है। साथ ही प्रोत्साहन राशि के कई महीनों से बकाया होने का आरोप भी लगाया गया। हाल ही में मोबाइल फोन देने की सरकारी घोषणा पर भी कर्मियों ने शर्तों पर आपत्ति जताई है। इसके अलावा, मातृत्व अवकाश और आशा कर्मी की मृत्यु पर परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता की मांग को लेकर आंदोलन जारी है। आशा कर्मियों ने चेतावनी दी है कि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तीव्र होगा।

हावड़ा में जैन ट्यूटोरियल्स प्रीमियर लीग का भव्य एवं सफल आयोजन

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा की प्रतिष्ठित कॉमर्स कोचिंग संस्था जैन ट्यूटोरियल्स द्वारा जैन ट्यूटोरियल्स प्रीमियर लीग (जेटीपीएल) का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। यह क्रिकेट टूर्नामेंट का 11वां सत्र था, जिसका आयोजन 25 दिसंबर, क्रिसमस के शुभ अवसर पर किया गया। इस प्रतियोगिता में लगभग 100 खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। यह टूर्नामेंट प्रतिवर्ष की भांति जैन ट्यूटोरियल्स के पूर्व विद्यार्थियों के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में रुपेश मुंधड़ा, ऋषभ बैद, सोनेश जैन एवं श्री बाबूलाल दुगड का विशेष योगदान रहा। आयोजकों ने टूर्नामेंट को सुव्यवस्थित, अनुशासित एवं भव्य रूप देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक श्री बाहुबली स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड एवं सह-प्रायोजक टीटी लिमिटेड रहे। यह आयोजन खिलाड़ियों, दर्शकों और आयोजकों सभी के लिए एक यादगार, प्रेरणादायक एवं उत्साहवर्धक अनुभव साबित हुआ।

विपत्ति में महापुरुष निखरते हैं, बिखरते नहीं : क्षमाराम महाराज

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा सत्संग समिति द्वारा फोरशोर रोड स्थित लक्ष्मी विलास गार्डन में रामचरितमानस के सामूहिक पाठ के चतुर्थ दिन सिंहस्थल पीठाधीश्वर महंत क्षमाराम महाराज ने पाठ से पूर्व सार बताते हुए कहा कि राजा दशरथ राम की लीला से बंधे हैं। कैकेयी ने दशरथ जी से कोपभवन में एक वरदान से भरत के लिए राज्याभिषेक व दूसरे वरदान से राम के लिए तपस्वी वेष में 14 वर्ष का वनवास मांगा। इसे सुनकर राजा दशरथ बेचैन हो गए, बोले भरत और राम तो मेरे हृदय की आंखें हैं। तू तो कहती थी राम को राज्याभिषेक कर दूं, लगता है तेरी कथनी ही झूठ थी। इधर, रात भर दशरथजी माथा पीटते रहे उधर सवेरा हुआ। प्रजा जन इन सबसे अनजान थे। गुरु वशिष्ठ ने सुमंत्र को हालचाल जानने के लिए महल के भीतर भेजा। सुमंत्र जैसे गए तो

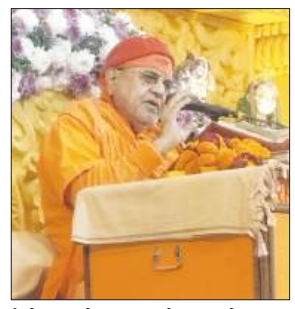

कैकेयी बोली जाओ राम के पास जाओ, कहो कि महाराज बुला रहे हैं। राम को जैसे ही पता चला कि उनका वनवास हुआ है तो उनका चेहरा दमकने लगा, मुरझाया नहीं। संत-महापुरुष विपत्ति में बिखरते नहीं निखरते हैं। देश की आजादी के समय फांसी की सजा सुनकर क्रांति करने वाले हमारे शहीद-महापुरुष प्रसन्न हो जाते थे। उनका उत्साह कम नहीं ज्यादा हो जाता था। हंसते-हंसते फांसी को स्वीकार कर हमारे प्रेरक बन गए। उस समय महात्मा गांधी क्रांतिकारियों का और समर्थन करते तो देश का आज दूसरा स्वरूप होता। भगत सिंह, नेताजी सुभाषचंद्र बोस आदि क्रांतिकारियों को कौन भूल सकता है। नेताजी ने कहा था, तुम मुझे खून दो मैं तुझे आजादी दूंगा, यह उनके देशप्रेम का प्रमाण था। आज सभी को ऐसे ही देशप्रेम की जरूरत है। सामूहिक पाठ का आयोजन मनमोहन मल्ल एवं पवन पचेरिया के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर पुरुषोत्तम पचेरिया, केशव बूबना, गोपी मोहता, हरि भगवान तापडिया, अजय पचेरिया, राजकुमार मोहता, राजेन्द्र धनानिया की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। गीता प्रेस साहित्य उपलब्ध कराने में प्रभु दयाल राजपुरोहित सक्रिय थे। सूचना प्रसारण महावीर प्रसाद रावत ने किया।

एनसीसी एडीजी ने गणतंत्र दिवस परेड के लिए कैडेटों के दल को किया रवाना

कोलकाता : गर्व और प्रेरणा के एक खास पल में एनसीसी के बंगाल और सिक्किम निदेशालय के अपर महानिदेशक (एडीजी) मेजर जनरल एपीएस चहल ने शुक्रवार को हावड़ा रेलवे स्टेशन पर खुद उपस्थित होकर दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने वाले कैडेटों के दल को रवाना किया। अधिकारियों ने बताया कि एडीजी ने अपनी व्यक्तिगत उपस्थिति से जोश से भरे गणतंत्र दिवस कैंप दल का हौसला बढ़ाते हुए गर्मजोशी और प्रेरणादायक विदाई दी। एनसीसी निदेशालय ने एक बयान में कहा कि अटूट जोश, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से भरे हमारे बेहतरीन कैडेट्स राष्ट्रीय राजधानी के लिए अपनी यात्रा पर निकल पड़े हैं, जो 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस परेड में बंगाल और सिक्किम

राज्यों का पूरे सम्मान और उत्कृष्टता के साथ प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। गणतंत्र दिवस परेड के लिए इन कैडेटों को कड़ी ट्रेनिंग दी गई है। एडीजी ने कैडेटों के दल को शानदार सफलता के लिए शुभकामनाएं दी।

भाजपा में बड़ी टूट: एनआरसी और सांप्रदायिक राजनीति के विरोध में गंगासागर में सौ से अधिक कार्यकर्ताओं का तृणमूल में प्रवेश

सागर : लोकसभा चुनाव के बाद भी राजनीतिक सरगर्मी थमी नहीं है। सुंदरबन के गंगासागर इलाके में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने एक बार फिर अपनी ताकत बढ़ाई है। शुक्रवार को सागर के चौरंगी क्षेत्र में आयोजित तृणमूल कांग्रेस की विशाल विरोध सभा और जनसभा के दौरान भाजपा छोड़कर सौ से अधिक कार्यकर्ता और समर्थक तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए।

तृणमूल सूत्रों के अनुसार, यह दल-बदल मुख्य रूप से एनआरसी, भाजपा की सांप्रदायिक विभाजन की राजनीति और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी द्वारा कथित झूठे प्रचार के विरोध में हुआ है। यह सभा विपक्ष के कथित दुष्प्रचार के खिलाफ तृणमूल का एक मजबूत विरोध मंच भी थी।

इसी मंच से सागर ब्लॉक के सुमतिनगर-1 ग्राम पंचायत क्षेत्र की लगभग 30 परिवारों के सदस्य औपचारिक रूप से भाजपा छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए। नवागंतुकों का स्वागत करते हुए उन्हें पार्टी का झंडा सौंपा सुंदरबन विकास मंत्री बंकिमचंद्र हाजरा और सोनारपुर दक्षिण की विधायक लवली मैत्र ने।

भाजपा छोड़ने वाले कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि एनआरसी के नाम पर आम लोगों को डराया जा रहा है और गांव-गांव में भय का माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने भाजपा पर सांप्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश का भी आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे शांति, विकास और सामाजिक सौहार्द के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की नीतियों से प्रेरित होकर तृणमूल में शामिल हुए हैं। साथ ही, उन्होंने शुभेंदु अधिकारी द्वारा क्षेत्र को लेकर फैलाए जा रहे गलत तथ्यों का भी विरोध किया।

इस जनसभा में तृणमूल कांग्रेस के कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। इनमें राज्य के दमकल मंत्री सुजीत बोस, सुंदरबन विकास मंत्री व स्थानीय विधायक बंकिमचंद्र हाजरा, विधायिका लवली मैत्र, और लोकसभा सांसद बापी हालदार शामिल थे। इसके अलावा जिला और ब्लॉक स्तर के कई वरिष्ठ नेता भी मंच पर उपस्थित रहे।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने भाजपा की विभाजनकारी राजनीति की कड़ी आलोचना की और गंगासागर में तृणमूल सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों का विवरण रखा।

बंगाल में आयोजित तुलसी पूजन दिवस अभियान की विधानसभा के सदस्यों ने की सराहना

❑ **युवा सेवा संघ, कोलकाता के कार्यों को नैतिक मूल्यों को सशक्त करने वाला बताया**

कोलकाता : संत श्री आशारामजी बापू की प्रेरणा से युवा सेवा संघ, कोलकाता द्वारा 25 दिसंबर को संपूर्ण पश्चिम बंगाल में आयोजित तुलसी पूजन दिवस अभियान की बंगाल विधानसभा के कई सदस्यों (भाजपा विधायकों) अजय कुमार पोद्दार, अरूप कुमार दास एवं चन्दना बाउरी ने सराहना की है। विधायकों ने युवा सेवा संघ, कोलकाता के सचिव के नाम प्रेषित अपने लिखित प्रशंसा संदेशों में कहा कि तुलसी पूजन दिवस भारत की सनातन संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण एवं नैतिक मूल्यों को सशक्त करने वाला अभियान है। उन्होंने इस पहल में युवाओं की सक्रिय भागीदारी को सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया।विधायकों ने युवा सेवा संघ, कोलकाता के सेवाधारियों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी एवं सांस्कृतिक अभियानों को निरंतर आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की।

सैमसंग ने फ्लिपकार्ट पर 'गैलेक्सी डेज' का किया ऐलान

कोलकाता, समाज्ञा : सैमसंग ने फ्लिपकार्ट पर पहली बार 'गैलेक्सी डेज' की शुरुआत की है। यह तीन दिवसीय सेल 16 से 18 दिसंबर तक चलेगी, जिसमें ग्राहकों को शानदार एक्सचेंज ऑफर्स, खास पेयर-अप डील्स, सैमसंग केयर+ के फायदे और सरप्राइज रिवॉर्ड्स मिलेंगे। गैलेक्सी डेज के दौरान ग्राहक चुनिंदा गैलेक्सी स्मार्टफोन्स पर 12,000 रूपये तक का अतिरिक्त एक्सचेंज बोनस पा सकते हैं। इसके साथ ही, योग्य गैलेक्सी स्मार्टफोन के साथ वियरेबल्स या एक्सेसरीज खरीदने पर 5,000 रूपये तक की बचत करने का मौका भी मिलेगा। इसके अलावा, गैलेक्सी वियरेबल्स, टैबलेट्स और लैपटॉप्स पर भी आकर्षक ऑफ़र्स और छूट उपलब्ध होगी। ग्राहक फ्लिपकार्ट पर अपनी खरीदारी के साथ सैमसंग केयर+ भी जोड़ सकते हैं।

सॉल्व फॉर टुमौरो 2025: एआई के जरिये स्वास्थ्य, स्वच्छता और वेलबीइंग को नई दिशा दे रहे हैं युवा इनोवेटर्स

कोलकाता, समाज्ञा : हेल्थकेयर में टेक्नोलॉजी अब केवल भविष्य की बात नहीं रह गई है - यह आज ही डायग्नोस्टिक्स (जांच), देखभाल और मरीजों के जीवन की गरिमा को नया रूप दे रही है। इसी बदलाव को दर्शाते हुए सैमसंग के फ्लैगशिप सीएसआर प्रोग्राम 'सैमसंग सॉल्व फॉर टुमौरो (एसएफटी) 2025' ने, आईआईटी दिल्ली के साथ मिलकर, देशभर के हज़ारों छात्रों को एक चुनौती दी। विषय था- स्वास्थ्य, स्वच्छता और वेलबीइंग का भविष्य, जिसके तहत उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित और इंसान को केंद्र में रखने वाले समाधान तैयार करने थे।

मैक ने लॉन्च किए कैरियर एक्स और क्रिएटर एक्स, छात्रों को डिजिटल क्रिएटर बनने का अवसर

कोलकाता, समाज्ञा : मैक (माया एकेडमी ऑफ एडवांस्ड क्रियेटीविटी) ने अपने छात्रों के लिए भारत के पहले उद्योग-सहयोगित शैक्षणिक कार्यक्रम कैरियर एक्स और क्रिएटर एक्स की शुरुआत की। ये कार्यक्रम एनीमेशन, वीएफएक्स, गेमिंग और डिजिटल कंटेंट निर्माण में छात्रों को वास्तविक उद्योग अनुभव के साथ तैयार करेंगे। कार्यक्रम में छात्रों को एआई-आधारित वर्कफ्लो, मल्टी-प्लेटफॉर्म पब्लिशिंग, ब्रांडिंग और मॉनेटाइजेशन जैसे व्यावहारिक प्रशिक्षण दिए जाएंगे। मैक के पूर्णकालिक निर्देशक, संदीप वेलिंग ने कहा, यह पहल छात्रों को तकनीकी रूप से मजबूत, उद्योग-अनुरूप और भविष्य-तैयार बनाने में सहायक है। केरियर एक्स और क्रिएटर एक्स उद्योग की जरूरतों और रियल-लाइफ अनुभवों से छात्रों को लैस करेंगे।

पूर्व रेलवे के आईजी-कम-पीसीएससी ने बोलपुर स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के आईजी-कम-पीसीएससी अमिया नंदन सिन्हा ने शुक्रवार को बोलपुर रेलवे स्टेशन एवं आरपीएफ पोस्ट, बोलपुर का निरीक्षण कर यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सिन्हा ने कहा कि बोलपुर स्टेशन पर देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं, ऐसे में रेलवे सुरक्षा बल को उच्च स्तर की सतर्कता, पेशेवर दक्षता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना आवश्यक है।

उन्होंने एक सुरक्षा सम्मेलन (सुरक्षा सम्मेलन) की अध्यक्षता करते हुए आरपीएफ कर्मियों को यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं सावधानी से करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैगेज

स्कैनर पर तैनात कर्मचारियों को सतर्क एवं निरंतर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए तथा यात्रियों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी निगरानी प्रणाली के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया।

तकनीक आधारित पुलिसिंग पर बल देते हुए सिन्हा ने आरपीएफ अधिकारियों को अपराध के पैटर्न के विश्लेषण हेतु उन्नत सॉफ्टवेयर के उपयोग की सलाह दी, जिससे बेहतर योजना, रणनीतिक तैनाती और अपराध रोकथाम सुनिश्चित की जा सके। यह निरीक्षण पूर्व रेलवे आरपीएफ द्वारा प्रमुख स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा यात्रियों की सुरक्षा एवं विश्वास बढ़ाने के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है।

रूबी पार्क पब्लिक स्कूल में 'जेनेसिस' कार्यक्रम के साथ क्रिसमस उत्सव धूमधाम से संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : रूबी पार्क पब्लिक स्कूल में क्रिसमस पर्व को हर्षोल्लास और भव्यता के साथ 'जेनेसिस' नामक विशेष कार्यक्रम के माध्यम से मनाया गया। समारोह की शुरुआत रंगारंग स्वागत के साथ हुई, जिसके उपरांत विद्यालय की प्रधानाचार्या मौसमी महापात्र ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने मधुर क्रिसमस कैरोल, आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों और जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रस्तुतियों में प्रेम, करुणा, दान और एकता जैसे क्रिसमस के मूल संदेशों को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया, जिसे उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों ने सराहा। कार्यक्रम के दौरान

प्रधानाचार्या मौसमी महापात्र ने अपने संबोधन में कहा कि क्रिसमस प्रेम, दया और आपसी सौहार्द का पर्व है, जो समाज को सकारात्मक दिशा देने का संदेश देता है। उन्होंने छात्रों की रचनात्मकता और मंचीय प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों से बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनमें सांस्कृतिक समरसता और आत्मविश्वास का विकास होता है। उन्होंने शिक्षकों और छात्रों के संयुक्त प्रयासों की सराहना करते हुए सभी को क्रिसमस और आगामी नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।

न्यूज इन ब्रीफ

राजस्थान के उदयपुर संभाग में कई जगह कोहरा छाया रहा

जयपुर: राजस्थान में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहा और इस दौरान उदयपुर संभाग में कहीं कहीं कोहरा दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर ने शुक्रवार की सुबह यह जानकारी दी। इसके अनुसार, बीते चौबीस घंटे में राज्य में अधिकतम तापमान बाड़मेर में 28.4 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान करौली में 3.6 डिग्री सेल्सियस रहा। इस दौरान अधिकतर शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। यह सीकर के फतेहपुर में 4.6 डिग्री सेल्सियस, दौसा में 5.0 डिग्री, पाली और अंता में 5.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में घरेलू विवाद के कारण दामाद ने गोली मारकर सास की हत्या की

प्रयागराज: उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में घरेलू विवाद के चलते एक व्यक्ति ने शुक्रवार शाम अपनी सास की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। डीसीपी (नगर) मनीष शांडिल्य ने बताया कि शुक्रवार शाम पुलिस को सूचना मिली कि करेली थाना की आदर्श नगर चौकी के पास एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शांडिल्य ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि पारिवारिक विवाद के चलते महिला के दामाद इरफान ने उसे गोली मारी है। उन्होंने बताया कि महिला की पहचान अर्शिया बेगम (55) के रूप में हुई है और उसका शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं अभियुक्त इरफान को पकड़ने के लिए पुलिस की टीम तैनात की गई हैं।

बलिया में दहेज के लिए पत्नी की हत्या करने का आरोपी गिरफ्तार

बलिया (उप्र): बलिया जिले में दहेज को लेकर पत्नी की हत्या करने के आरोप में शुक्रवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) ओमवीर सिंह ने बताया कि चितबड़ागांव पुलिस ने चितेश्वरनगर कस्वा के निवासी राधेश्याम को टोंस नदी के पास निर्माणाधीन पुल से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर, वारदात में इस्तेमाल हुआ दुपट्टा बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार 20 दिसंबर की शाम को घर के एक कमरे में स्नेहा नामक महिला का शव फंदे से लटका हुआ मिला था। पुलिस ने बताया कि इस मामले में महिला के पिता विदेशी राम की तहरीर पर राधेश्याम और उसके परिवार के आठ लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। विदेशी राम ने 23 दिसंबर को दी गई तहरीर में बताया है कि उसने 2020 में स्नेहा की शादी की, जिसके बाद से उसका पति और ससुराल वाले दहेज की मांग करके उसे परेशान कर रहे थे।

लखनऊ में लंबे समय से अवसादग्रस्त और पालतू कुत्ते की बीमारी से परेशान बहनों ने आत्महत्या की

लखनऊ: लखनऊ में कथित तौर पर लंबे समय से अवसाद का सामना करने और पालतू कुत्ते की बीमारी से परेशान होकर दो बहनों ने अपने मकान में फिनायल पीकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि यह घटना यहां डोडा खेड़ा-जलालपुर में हुई। मृतकों की पहचान राधा सिंह (26) और उसकी छोटी बहन जिया सिंह (22) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, 24 दिसंबर को दोपहर करीब ढाई बजे एक निजी अस्पताल से सूचना मिली कि दो बहनों को कथित तौर पर फिनायल पीने के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने बताया कि राधा सिंह की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई, जबकि जिया को बाद में केजीएमयू भेजा गया जहां उसकी भी मृत्यु हो गई।

पंजाब में अनाथ और आश्रित बच्चों के लिए 314 करोड़ रुपये जारी किए गए: मंत्री

चंडीगढ़: पंजाब सरकार ने राज्य में अनाथ और आश्रित बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और उनके बेहतर भविष्य के लिए 314.22 करोड़ रुपये जारी किए हैं। शुक्रवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री बलजीत कौर ने बताया कि इस सहायता का उद्देश्य राज्य भर में 23 लाख से अधिक बच्चों को लाभ पहुंचाना है। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार बाल कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित करना चाहती है कि गरीबी, उपेक्षा या कठिनाई के कारण किसी भी बच्चे को शिक्षा या सपनों को छोड़ने के लिए मजबूर न होना पड़े।

सिख गुरुओं का इतिहास भक्ति और वीरता का अनूठा संगम है : योगी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'वीर बाल दिवस' के मौके पर कहा कि सिख गुरुओं का इतिहास भक्ति और वीरता का एक अनोखा एवं शानदार संगम है। सिख गुरुओं के बलिदान को याद करते हुये, आदित्यनाथ ने कहा कि मुगल शासक औरंगजेब ने गुरु तेग बहादुर को चुनौती देकर गलती की, क्योंकि आज कोई भी औरंगज़ेब का नाम नहीं लेता, लेकिन 140 करोड़ लोग सिख गुरुओं के आभारी हैं।' उन्होंने यह बात हर साल 26 दिसंबर को मनाए जाने वाले 'वीर बाल दिवस' के मौके पर आयोजित 'कीर्तन समागम' को संबोधित करते हुए कही। यहां कालिदास मार्ग पर स्थित मुख्यमंत्री सरकारी आवास पर हुए इस कार्यक्रम में साहिब श्री गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ भी मनाई गई। एक आधिकारिक बयान में मुख्यमंत्री के हवाले से कहा गया है, ''भारत में सिख गुरुओं का इतिहास भक्ति एवं शक्ति की असाधारण चमक का है।'' उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव ने भक्ति की पराकाष्ठा को अपनाया और ऐसे समय में मानवता के लिए काम किया जब संसाधन बहुत सीमित थे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''साधनों की कमी के बावजूद, उन्होंने ज्ञान प्राप्त करने के लिए आध्यात्मिक अनुशासन की शक्ति का प्रदर्शन किया और पाखंड के खिलाफ आवाज़ उठाई।'' मुगल शासकों की आलोचना करते हुए योगी ने कहा, 'जहांगीर ने गुरु अर्जनदेव पर बर्बरता की लेकिन वह गुरु तेगबहादुर के तेज के सामने वह चल नहीं पाया। उन्होंने कहा, गुरुओं का बलिदान देश और धर्म के लिए था। मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाना देश को चार 'साहिबजादों' के बलिदान और शहादत के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर देता है। 'साहिबजादों' से मतलब गुरु गोबिंद सिंह के बेटों - अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह - से है।

कुशीनगर में कोरोना महामारी के पांच साल बाद चीनी पर्यटकों के आगमन से पर्यटन आय बढ़ने की उम्मीद

कुशीनगर (उप्र) : कोरोना महामारी के पांच वर्ष के अंतराल के बाद चीनी सैलानियों के कुशीनगर आने से पर्यटन से होने वाली आमदनी की उम्मीद बढ़ गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कोरोना महामारी की वजह से यात्रा प्रतिबंधों के कारण सैलानियों की आवाजाही बंद थी। अब स्थिति सामान्य होने पर फिर से पर्यटकों का आगमन शुरू हो गया है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को फायदा होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने कहा कि कोरोना महामारी के पांच वर्ष बाद चीनी सैलानी बुधवार को कुशीनगर पहुंचे तो पुरानी रौनक लौटती दिखी। उन्होंने कहा कि 21 सदस्यीय चीनी दल ने महापरिनिर्वाण मंदिर में बुद्ध की पांचवीं सदी की शयन मुद्रा वाली मूर्ति का पूजन कर चीवर अर्पित किया और चीन-भारत संबंधों में प्रगाढ़ता व दोनों देशों की खुशहाली की कामना की।

बिहार में उर्वरकों की कालाबाजारी व जमाखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी: पंकज कुमार

पटना: बिहार कृषि विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी और अवैध भंडारण को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों को समय पर और उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधान सचिव ने बताया कि उर्वरकों की कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कृषि विभाग जिला प्रशासन और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के साथ समन्वय स्थापित कर लगातार छापेमारी अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मुख्यालय स्तर से गठित उड़नदस्ता (फ्लाइंग स्कॉड) के दल नियमित रूप से विभिन्न जिलों और प्रखंडों में उर्वरक प्रतिष्ठानों, गोदामों और संदिग्ध स्थलों की सघन जांच कर रहे हैं। कुमार ने कहा कि इसी क्रम में पूर्वी चंपारण जिले के बनकटवा प्रखंड अंतर्गत रेगनिया और अगरवा गांव में अवैध उर्वरक भंडारण की सूचना पर संयुक्त छापेमारी की गई। अधिकारी ने कहा कि छापेमारी के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों और निजी आवासों से बड़े पैमाने पर उर्वरकों की अवैध जमाखोरी का खुलासा हुआ। अधिकारियों के अनुसार, रेगनिया में स्थित आकाश फर्टिलाइजर्स के गोदाम से 81 बैग यूरिया तथा जावेद खाद भंडार के गोदाम से 370 बैग यूरिया जब्त किए गए।

राजस्थान: मस्जिद के बाहर अतिक्रमण हटाने के अभियान के दौरान पथराव में छह पुलिसकर्मी घायल

जयपुर: जयपुर जिले के चौमूं कस्बे में शुक्रवार को एक मस्जिद के बाहर सड़क पर लगाई गई रेलिंग हटाने के दौरान हुई पथराव की घटना में पुलिस ने 70 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, पथराव में छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह घटना जयपुर से 40 किलोमीटर दूर चौमूं कस्बे में बस स्टैंड इलाके के पास सुबह करीब तीन बजे हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन ने सड़क पर अतिक्रमण कर लगाई गई लोहे की रेलिंग हटाने की कोशिश की तो तनाव हो गया। वहां मौजूद भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने पुलिस से बार-बार शिकायत की थी कि अतिक्रमण की वजह से इस व्यस्त चौराहे पर अक्सर ट्रैफिक जाम लग जाता है। पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) संजय अग्रवाल ने कहा, स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। पथराव में छह पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। चौमूं की उप पुलिस अधीक्षक उषा यादव ने कहा, 'घटना के संबंध में 70 लोगों को हिरासत में लिया गया है।' पुलिस के अनुसार, बृहस्पतिवार शाम को प्रशासन और एक समुदाय के सदस्यों के बीच मस्जिद के बाहर सड़क पर रखे कुछ पत्थरों को हटाने के बारे में बातचीत हुई थी। समुदाय के सदस्य उन्हें खुद हटाने पर सहमत हो गए थे। हालांकि पत्थर हटाए जाने के बाद कुछ लोगों ने कथित तौर पर मस्जिद के बाहर एक चारदीवारी या बाउंड्री बनाने के लिए लोहे की रेलिंग लगाना शुरू कर दिया, जिससे नए सिरे से आपत्ति हुई और अशांति फैल गई क्योंकि इससे सड़क पर अतिक्रमण हो रहा था।

उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय में दो दिवसीय सम्मेलन में शामिल होंगे मुख्यमंत्री: डीजीपी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में 27 और 28 दिसंबर को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें साइबर अपराध, मानव तस्करी और सोशल मीडिया से संबंधित मुद्दों समेत विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा होगी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्णा ने पत्रकारों से कहा, सम्मेलन का उद्देश्य जन-केंद्रित पुलिस व्यवस्था को और मजबूत बनाना, प्रौद्योगिकी-आधारित आधुनिक पुलिस प्रणाली विकसित करना और अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ प्रभावी व त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोनों दिन सम्मेलन में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि कुल 11 विषयगत सत्रों की योजना बनाई गई है, जिनमें 11 वरिष्ठ नोडल आईपीएस अधिकारियों के साथ-साथ 45 अन्य पुलिस अधिकारी प्रस्तुतियां देंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सत्र में उत्तर प्रदेश में पुलिस व्यवस्था के भविष्य को आकार देने वाले एक प्रमुख क्षेत्र पर चर्चा की जाएगी, जिसमें पुलिस थाना प्रबंधन, महिला एवं बाल सुरक्षा, भीड़ एवं आपदा प्रबंधन, न्याय वितरण प्रणाली में प्रौद्योगिकी और फोरेंसिक विज्ञान का एकीकरण, संगठित अपराध, साइबर अपराध और खुफिया जानकारी से संबंधित उभरती चुनौतियां शामिल हैं। डीजीपी ने बताया कि 27 दिसंबर को बीट पुलिसिंग, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध और मानव तस्करी, तथा पुलिस थाना प्रबंधन और उन्नयन पर प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

बिहार में राजग के सबसे छोटे सहयोगी राष्ट्रीय लोक मोर्चा में मिल रहे अंतर्कलह के संकेत

पटना: बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सबसे छोटे घटक राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) में अंतर्कलह के संकेत मिल रहे हैं। अटकलें लगाई जा रही हैं कि चार विधायकों में से एक को छोड़कर शेष सभी ने पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा से दूरी बना ली है। पार्टी के एक नेता ने बताया कि दल में असंतोष इस सप्ताह की शुरुआत में उस समय खुलकर सामने आया, जब कुशवाहा द्वारा आयोजित 'लिट्टी पार्टी' में उनकी पत्नी और सासाराम से विधायक स्नेहलता को छोड़कर कोई भी विधायक शामिल नहीं हुआ। इसी दिन रालोमो के विधायक माधव आनंद, आलोक कुमार सिंह और रामेश्वर महतो ने शहर के दौरे पर आए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन से 'शिष्टाचार मुलाकात' की। इस मुलाकात के बाद मीडिया के एक वर्ग में यह अटकलें तेज हो गई हैं कि कुशवाहा की पार्टी में विद्रोह हो सकता है। उल्लेखनीय है कि राज्य विधानमंडल का सदस्य न होने के बावजूद कुशवाहा के पुत्र दीपक प्रकाश को मंत्रिमंडल में स्थान मिला है। जब पत्रकारों ने हालिया घटनाक्रम को लेकर कुशवाहा से सवाल किए तो उन्होंने झुंझलाते हुए कहा, लगता है आपके पास पूछने के लिए कोई ढंग का सवाल नहीं है।

झारखंड के 12 जिलों में 'शीत लहर' का अलर्ट, गुमला सबसे ठंडा स्थान रहा

रांची: झारखंड के 12 जिलों में शीत लहर का अलर्ट जारी किया गया है और कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गुमला, राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा जहां तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने रांची, खूंटी, हजारीबाग, बोकारो, रामगढ़, कोडरमा, गुमला, लोहरदगा, चतरा, लातेहार, पलामू और गढ़वा के लिए शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक शीत लहर का 'येलो अलर्ट' जारी किया है। रांची मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया, 'झारखंड के निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर उत्तर-पश्चिमी से पश्चिमी हवाओं के प्रभाव के कारण ठंड बढ़ी है।' उन्होंने कहा कि अगले 48 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की और गिरावट आने की संभावना है, इसके बाद अगले दो दिन तक कोई खास बदलाव की संभावना नहीं है।

उत्तर प्रदेश: घोसी विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए सपा के उम्मीदवार हो सकते हैं सुजीत सिंह

गाजीपुर/लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट पर निकट भविष्य में होने वाले उपचुनाव के लिए सुजीत सिंह समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवार हो सकते हैं। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने शुक्रवार को गाजीपुर के दौरे के दौरान यह जानकारी दी। सपा के विधायक सुधाकर सिंह के निधन की वजह से घोसी विधानसभा सीट रिक्त हुई है। सुजीत सिंह दिवंगत सुधाकर सिंह के पुत्र हैं। सपा विधायक सुधाकर सिंह (67) का 20 नवंबर की सुबह लखनऊ के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया था। तीन बार विधायक रहे सुधाकर सिंह के परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं। ब्लॉक प्रमुख समेत कई महत्वपूर्ण दायित्व संभाल चुके सुजीत सिंह लंबे समय से राजनीति में सक्रिय हैं। गाजीपुर से मिली खबर के अनुसार सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि मऊ जिला के घोसी विधानसभा उपचुनाव में स्वर्गीय विधायक सुधाकर सिंह के पुत्र सुजीत सिंह समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ेंगे। गाजीपुर जिला मुख्यालय से चालीस किलोमीटर दूर जमनिया क्षेत्र के सपा विधायक ओमप्रकाश सिंह के एक परिजन के निधन पर यहां शोक व्यक्त करने आए शिवपाल सिंह यादव ने आज पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत में कहा कि पार्टी की ओर से घोसी विधानसभा क्षेत्र के उप चुनाव में सुजीत सिंह प्रत्याशी होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पूरी तरह से हर मोर्चे पर असफल हो गई है,

चारों ओर अराजकता का माहौल है और कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है। हत्या की वारदात में काफी वृद्धि हुई है।

झारखंड में ठुकराए गए प्रेमी ने प्रेमिका को गोली मारने के बाद आत्महत्या की

रांची: झारखंड के रांची जिले में शुक्रवार को एक 35 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी प्रेमिका की शादी कहीं और तय होने के बाद उस पर गोली चला दी और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना शहर से लगभग 40 किलोमीटर दूर खलारी पुलिस थाना क्षेत्र में सुबह करीब नौ बजे हुयी। उन्होंने बताया कि आरोपी ने महिला को रोका उस पर गोली चला दी। रांची के पुलिस अधीक्षक (देहात) प्रवीण पुष्कर ने पीटीआई-भाषा को बताया, महिला को सीने में गोली लगी है। बेहतर उपचार के लिए उसे रांची के आरआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक है ।'

बिहार में शीतलहर का प्रकोप, घने कोहरे के लिए मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

पटना: बिहार में जारी शीतलहर के प्रकोप के बीच मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में अत्यधिक घने कोहरे के लिये ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है । भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी है। मौसम विभाग ने बताया कि शुक्रवार को बिहार में शीतलहर का प्रकोप रहा और कई जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। विभाग ने बताया कि प्रदेश का औरंगाबाद और भागलपुर का सबौर, राज्य का सबसे सर्द स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसने बताया कि इसके बाद प्रदेश के गया में 7.6 डिग्री, भागलपुर और शेखपुरा में 8.9-8.9 डिग्री, पश्चिम चंपारण के वाल्मीकि नगर और डेहरी में 9-9 डिग्री, जहानाबाद में 9.3 डिग्री तथा सहरसा में 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग ने बताया कि पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सिवान, सारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, पटना, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल और जहानाबाद जिलों में घने से बहुत घने कोहरे के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बताया कि शुक्रवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों में कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम रही। आईएमडी, पटना के एक अधिकारी ने कहा कि लोगों को विशेष रूप से सुबह के समय आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है और संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने को कहा गया है, क्योंकि कम दृश्यता के कारण सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हो सकता है।

गोरखपुर में स्कूल परिसर में 11वीं कक्षा के छात्र की गोली मारकर हत्या, क्षेत्र में तनाव

गोरखपुर (उप्र): गोरखपुर में शुक्रवार दोपहर एक स्कूल के खेल मैदान में विवाद के दौरान कक्षा 11 के एक छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। घटना पिपराइच के को-ऑपरेटिव इंटर कॉलेज के परिसर में दोपहर करीब एक बजे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, खेल के मैदान पर सुधीर भारती नामक छात्र की उसी मोहल्ले के एक अन्य व्यक्ति के साथ कहासुनी हो गई। उन्होंने कहा कि कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया और इस दौरान आरोपी ने कथित रूप से एक देसी पिस्तौल निकालकर सुधीर पर गोली चला दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार छात्र वहीं जमीन पर गिर गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद अधिकारियों ने एहतियातन स्कूल को बंद कर दिया। पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब दोनों पक्षों के लोग और उनके परिजन घटनास्थल पर जमा हो गए। आरोपी के परिवार के कुछ सदस्यों ने पुलिस वाहनों के रास्ते में लेटकर उनका रास्ता रोकने का प्रयास किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजकरण नैय्यर ने कहा कि क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने आश्वस्त किया कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बिहार: प्रकाश पर्व की तैयारियों की मुख्यमंत्री नीतीश ने की समीक्षा

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को सिखों के 10वें गुरु गुरु गोबिंद सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 359वें 'प्रकाश पर्व' से जुड़े समारोहों की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। यह जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी बयान में दी गई। इसमें कहा गया है कि नीतीश ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो और इसके लिए व्यवस्थाओं की सूक्ष्म स्तर पर निगरानी की जाए। बयान के अनुसार, बृहस्पतिवार से शुरू हुए ये समारोह 28 दिसंबर तक चलेंगे। मुख्यमंत्री पटना साहिब गुरुद्वारा स्थित 'प्रकाश पुंज' पहुंचे और उसके सामने निर्माणाधीन 'वॉच टॉवर' का निरीक्षण किया।

न्यूज अपडेट

अरावली से कोई छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं होगी: मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर: राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अरावली पर्वतमाला की परिभाषा बदलने को लेकर जारी विवाद के बीच शुक्रवार को फिर कहा कि अरावली से कोई छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के इस संबंध में दिए गए बयानों पर भी पलटवार किया और उन पर अफवाह फैलाने का आरोप लगाया। शर्मा ने कहा, कांग्रेस सरकार ने तो अरावली क्षेत्र में भाटा, रेता तक नहीं छोड़ा। किसने वर्ष 2002-03 और 2009-10 में अरावली की परिभाषा बदली? कितने पट्टे अरावली क्षेत्र में जारी किए? वे केवल झूठी बातें ही करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अरावली के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं होने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस के नेताओं को अफवाह फैलाने के अलावा कुछ नहीं आता हैं। उन्होंने कहा, हम सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) लेकर आए तो, इन्होंने हल्ला मचाया और अफवाह फैलाई। लेकिन हमारी सरकार ने इसे लागू किया। विस्थापितों को पट्टे भी दे दिए गए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'न खाऊंगा और न खाने दूंगा' बयान का जिक्र करते हुए कहा कि अगर किसी ने खा लिया तो वापस भी लिया जाएगा।

कोडीन युक्त सिरप मामले में आरोपी की 30 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क करने का आदेश

सोनभद्र (उप्र): सोनभद्र की एक अदालत ने कोडीन युक्त कफ सिरप की तस्करी के मामले में आरोपी की लगभग 30 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क करने के लिए शुक्रवार को एक नोटिस जारी किया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि अभियुक्त भोला प्रसाद की रांची में स्थित कंपनी मेसर्स शैली ट्रेडर्स के गोदाम का लाइसेंस और ड्रग लाइसेंस प्राप्त करने में फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने बताया कि अभियुक्त ने फर्जी लाइसेंस के आधार पर झारखंड और उत्तर प्रदेश के कई शहरों में फर्जी कंपनियां स्थापित कर कोडीन युक्त कफ सिरप की आपूर्ति की। अधिकारी ने कहा कि अभियुक्त ने संगठित अपराध कर भारी मात्रा में अवैध धनराशि अर्जित की, जिससे उसने महंगे मकान, वाहन आदि खरीदे और सावधि जमा के माध्यम से विभिन्न बैंकों में बड़ी धनराशि जमा कराई। उन्होंने बताया कि अभी तक की जांच में जानकारी मिली है कि अभियुक्त ने कफ सिरप के अवैध कारोबार से अनुमानित 30 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की।

गाजियाबाद में दिनदहाड़े गोली मारकर वायुसेना के पूर्व कर्मी की हत्या

गाजियाबाद (उप्र): गाजियाबाद जिले के लोनी थाना अंतर्गत अशोक विहार कालोनी के निकट शुक्रवार दोपहर दो व्यक्तियों ने वायुसेना के एक सेवानिवृत्त कर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। लोनी के एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने कहा कि मृतक की पहचान बागपत के निवासी योगेश (58) के रूप में हुई है, वह अपने परिवार के साथ अशोक विहार कॉलोनी में रहते थे। पुलिस के मुताबिक, योगेश महज तीन महीने पहले भारतीय वायुसेना से सेवानिवृत्त हुए थे, उनके परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी है। पुलिस ने कहा कि वह बाजार से पैदल अपने घर जा रहे थे, तभी मोटरसाइकिल सवार दो बदमाश उनके पास आए और विवाद शुरू हो गया। पुलिस के अनुसार बदमाशों ने योगेश की पिटाई की और फिर सिर में गोली मारकर फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि गोली लगने से मौके पर ही योगेश की मृत्यु हो गई, जिसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया गया। पुलिस विवाहेत्तर संबंधों समेत विभिन्न दृष्टिकोण से इस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि आसपास से सीसीटीवी फुटेज प्राप्त कर आरोपियों की पहचान की जा रही है।

राजस्थान लोक सेवा आयोग ने अगले साल की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी किया

जयपुर: राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) ने अगले साल यानी 2026 में आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रस्तावित कार्यक्रम घोषित कर दिया है। आयोग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष 2026 की परीक्षाओं की शुरुआत 11 जनवरी को डिप्टी कमांडेंट परीक्षा-2025 के साथ होगी। आयोग ने जनवरी से नवंबर तक होने वाली 16 भर्ती परीक्षाओं की प्रस्तावित दिनांक जारी की है। इसके अलावा अप्रैल से दिसंबर तक कुल पांच तिथियों को आयोग द्वारा आयोजित की जाने अन्य भर्ती परीक्षाओं के लिए आरक्षित रखा गया है। आयोग के अनुसार प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और आधुनिकता लाने के उद्देश्य से वह कई परीक्षाएं कंप्यूटर आधारित परीक्षा के माध्यम से आयोजित करेगा। आयुर्वेद विभाग में व्याख्याता की परीक्षा 12 जनवरी और ऊर्जा विभाग में सहायक विद्युत निरीक्षक की परीक्षा एक फरवरी को होगी। आयोग के अध्यक्ष उत्कल रंजन साहू ने बताया कि परीक्षा कैलेंडर समय पर जारी करने का मुख्य उद्देश्य अभ्यर्थियों को परीक्षा तैयारी के लिए सही तरीके से योजना बनाने का अवसर देना है।

न्यूज इन ब्रीफ

गुजरात के कच्छ में 4.6 तीव्रता का भूकंप आया, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

अहमदाबाद : गुजरात के कच्छ जिले में शुक्रवार तड़के 4.6 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई, हालांकि किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की कोई खबर नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गांधीनगर स्थित भूगर्भीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने बताया कि यह भूकंप सुबह 4:30 बजे दर्ज किया गया और इसका केंद्र कच्छ जिले के रापर से लगभग 22 किलोमीटर पश्चिम उत्तर पश्चिम में था। आईएसआर ने बताया कि भूकंप के बाद उसी क्षेत्र में 2.5 और 3 तीव्रता के दो और झटके महसूस किए गए। कच्छ जिले के आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की कोई खबर नहीं है।

त्रिपुरा विधानसभा के अध्यक्ष विश्व बंधु सेन का निधन

अगरतला/नयी दिल्ली : त्रिपुरा विधानसभा के अध्यक्ष विश्व बंधु सेन का शुक्रवार को बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 72 वर्षीय सेन को गंभीर मस्तिष्काघात (सेरेब्रल स्ट्रोक) हुआ था जिसके बाद से वह बेंगलुरु के अस्पताल में उप-चाराधीन थे। वरिष्ठ नेता सेन के परिवार में उनकी पत्नी, एक पुत्र और एक पुत्री हैं। अधिकारियों ने बताया कि सेन का पार्थिव शरीर शनिवार को राज्य में लाया जाएगा। सेन उत्तरी त्रिपुरा जिले के धर्मनगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''त्रिपुरा विधानसभा के अध्यक्ष विश्व बंधु सेन के निधन से गहरा दुख हुआ। त्रिपुरा की प्रगति में उनके योगदान और अनेक सामाजिक कार्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को हमेशा याद किया जाएगा। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं। ओम शांति।''

मणिपुर: 40 करोड़ रुपये की नशीली दवाएं जब्त, एक गिरफ्तार

इंफाल : असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में जिरिबाम जिले से करीब 40 करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित 'याबा' टैबलेट जब्त की हैं। अर्धसैनिक बल ने शुक्रवार को बताया कि इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। थाई भाषा में 'क्रेजी मेडिसिन' के नाम से मशहूर 'याबा' मेथामफेटामाइन और कैफीन का एक घातक मिश्रण है। अर्धसैनिक बल द्वारा जारी एक बयान में बताया गया कि जिरिबाम में 24 दिसंबर को संचालित अभियान के दौरान 40 करोड़ रुपये अनुमानित मूल्य की 1,60,000 याबा टैबलेट बरामद की गईं। इसमें कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने जब्त दवाओं और आरोपी को जिरिबाम पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक, एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले से प्रतिबंधित संगठन 'कांगलेई यावोल कन्ना लुप' के एक सक्रिय कार्यकर्ता (44) और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया।

फिल्म 'धुरंधर' ने बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की

नयी दिल्ली : फिल्म निर्माता आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 1,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म निर्माताओं ने यह जानकारी साझा की। फिल्म में रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन, आर माधवन और राकेश बेदी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्माण आदित्य धर और उनके भाई लोकेश धर ने अपने बैनर 'बी62 स्टूडियोज' और जियो स्टूडियोज की ज्योति देशपांडे के साथ मिलकर किया है। फिल्म निर्माताओं ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बॉक्स ऑफिस के आंकड़े साझा करते हुए लिखा, पूरे गर्व के साथ 1,000 करोड़ के क्लब में प्रवेश। अपनी टिकटें बुक करें। दुनिया भर में 'धुरंधर' का जादू बरकरार है।

साहिबजादे मजहबी कट्टरता के खिलाफ साहस की सर्वोच्च अभिव्यक्ति का प्रतीक हैं: मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दसवें सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों (पुत्रों) का सर्वोच्च बलिदान क्रूर मुगल शासन के खिलाफ भारत के अदम्य साहस, शौर्य और वीरता की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है। वीर बाल दिवस के मौके पर साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत की याद में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि देश उन वीर सपूतों को याद कर रहा है जो भारत के अदम्य साहस, वीरता और शौर्य के शिखर का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा, ''आज हम अपने राष्ट्र के गौरव, वीर साहिबजादों को याद करते हैं। वे भारत के अदम्य साहस

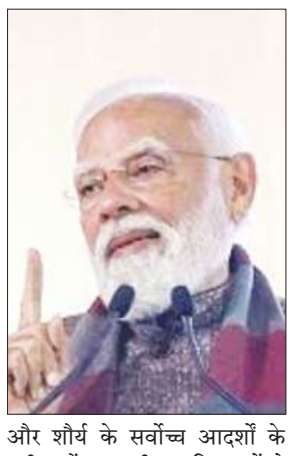

और शौर्य के सर्वोच्च आदर्शों के प्रतीक हैं। उन वीर साहिबजादों ने उम्र और अवस्था की सीमाओं को तोड़ दिया। वे क्रूर मुगल शासन के खिलाफ चट्टान की तरह ऐसे खड़े रहे कि मजहबी कट्टरता और आतंक का वजूद ही हिल गया। जिस राष्ट्र के पास ऐसा गौरवशाली अतीत हो, जिसकी युवा पीढ़ी को ऐसी प्रेरणाएं विरासत में मिली हों, वह राष्ट्र क्या कुछ नहीं कर सकता है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि साहिबजादों की उम्र उस समय काफी कम थी, लेकिन मुगल सम्राट औरंगजेब की क्रूरता पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा, ''औरंगजेब जानता था कि यदि वह भारत की जनता में भय उत्पन्न करना चाहता है और उन्हें धर्मांतरण के लिए मजबूर करना चाहता है, तो उसे सबसे पहले भारतीयों का मनोबल तोड़ना होगा। इसीलिए उसने साहिबजादों को अपना निशाना बनाया। लेकिन औरंगजेब और उसके सिपहसालार यह भूल गए थे कि हमारे गुरु साधारण मनुष्य नहीं थे। वे तपस्या और त्याग के साक्षात अवतार थे।'' मोदी ने कहा कि माता गुजरी जी, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और चारों साहिबजादों का साहस और आदर्श प्रत्येक भारतीय को शक्ति प्रदान करते रहते हैं। उन्होंने कहा, ''साहिबजादा अजीत सिंह जी, साहिबजादा जुझार सिंह जी, साहिबजादा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी को बहुत कम उम्र में ही उस समय की सबसे बड़ी सत्ता से टकराना पड़ा था। यह संघर्ष महज सत्ता के लिए नहीं था, बल्कि भारत के मूल विचारों और मजहबी कट्टरता के बीच टकराव था। यह सत्य और असत्य की लड़ाई थी।''

भारतीय रेलवे की 2030 तक 48 प्रमुख शहरों में ट्रेन क्षमता को दोगुना करने की योजना: रेल मंत्रालय

नयी दिल्ली : रेल मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि यात्रा में तेज और लगातार हो रही वृद्धि के मद्देनजर अगले पांच वर्षों में प्रमुख शहरों से नयी ट्रेन के प्रस्थान की क्षमता को दोगुना करने की आवश्यकता है। मंत्रालय ने कहा है कि मौजूदा बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की जरूरत है ताकि आगामी वर्षों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। वर्ष 2030 तक क्षमता को दोगुना करने के लिए आवश्यक कदमों को रेखांकित करते हुए, योजना में मौजूदा टर्मिनल का अतिरिक्त प्लेटफार्मों के साथ विस्तार, शहरी क्षेत्र के भीतर और आसपास नए टर्मिनल की पहचान और शुरुआत, मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स सहित रखरखाव सुविधाओं का निर्माण तथा ट्रैफिक सुविधा संबंधी कार्यों के माध्यम से खंड की क्षमता में वृद्धि जैसे उपाय शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा, टर्मिनल की क्षमता बढ़ाने की योजना बनाते समय, टर्मिनल के आसपास के स्टेशनों पर भी विचार किया जाएगा ताकि क्षमता समान रूप से संतुलित हो। उदाहरण के लिए, पुणे शहर के लिए हडपसर, खड़की और आलंदी पर प्लेटफॉर्म को बढ़ाने और लाइन को सुगम करने के साथ-साथ क्षमता बढ़ाने पर विचार किया गया है। मंत्रालय ने कहा, उपरोक्त कवायद उपनगरीय और गैर-उपनगरीय यातायात दोनों खंडों की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। मंत्रालय 48 प्रमुख शहरों में स्टेशनों के लिए एक व्यापक कार्यक्रम योजना निदेशालय को प्रस्तुत करेगा। इनमें से कुछ शहर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलुरु, पटना, पुणे, मथुरा, आगरा और लुधियाना समेत अन्य हैं।

2025 में त्योहारों और व्यस्त दिनों के दौरान विशेष ट्रेनों ने 43,000 से अधिक फेरे लगाए

भारतीय रेलवे ने प्रमुख धार्मिक आयोजनों व त्योहारों के दौरान विशेष ट्रेनों से 43,000 से अधिक फेरे लगाकर यात्रियों के लिए सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक उपाय किए हैं। मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया, ये पहल यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने और देश भर में निर्बाध संपर्क प्रदान करने के लिए रेलवे की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। मंत्रालय ने कुछ प्रमुख मौकों का विवरण देते हुए बताया कि 2025 के दौरान भारतीय रेलवे ने महाकुंभ के लिए अपने सबसे बड़े विशेष रेल अभियानों में से एक का संचालन किया, जिसमें 13 जनवरी से 28 फरवरी के बीच विशेष ट्रेनों ने 17,340 फेरे लगाये ताकि बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों की आवाजाही सुगम हो सके। मंत्रालय ने बताया, होली के मौके पर एक मार्च से 22 मार्च तक विशेष ट्रेनों ने 1,144 फेरे लगाये, जो 2024 में होली के दौरान लगाये गये फेरों की संख्या से लगभग दोगुने थे। मंत्रालय के मुताबिक, 2025 में एक अप्रैल से 30 जून तक विशेष ट्रेनों ने 12,417 फेरे लगाये। मंत्रालय ने छठ पूजा के लिए विशेष व्यवस्थाओं का उल्लेख किया, जिसके तहत एक अक्टूबर से 20 नवंबर के बीच विशेष ट्रेनों ने 12,383 फेरे लगाये, जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है।

प्रधान न्यायाधीश ने गोवा के नाइटक्लब में लगी आग को 'पूरे देश के लिए त्रासदी' करार दिया

लूथरा बंधुओं की पुलिस हिरासत 29 दिसंबर तक बढ़ाई

पणजी : भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शुक्रवार को गोवा के अरपोरा में छह दिसंबर को एक नाइटक्लब में लगी भीषण आग की घटना को 'पूरे देश के लिए एक त्रासदी' करार दिया जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई थी। प्रधान न्यायाधीश बंबई उच्च न्यायालय की गोवा पीठ के परिसर में मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की मौजूदगी में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे जो मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ 30-दिवसीय अभियान का हिस्सा था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''मैं गोवा के अरपोरा में हुई हाल की दुखद घटना

पर अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। हम कई युवा जिंदगियों के गंवाने पर शोक व्यक्त करते हैं, ऐसे लोग जो काफी मेहनत के बाद अर्जित छुट्टी का आनंद लेने गए थे, और इनमें वे लोग भी थे जो अपने परिवारों के भरण-पोषण के लिए कड़ी मेहनत कर रहे थे। यह उनके प्रियजनों के लिए एक बड़ी क्षति है और पूरे देश के लिए एक त्रासदी है।'' 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब में आग लगने के सिलसिले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें लूथरा बंधु गौरव और सौरभ भी शामिल हैं जिन्हें थाईलैंड भागने के बाद वापस लाया गया था।

उच्च न्यायालय ने बच्ची से बलात्कार और हत्या के दोषी की मौत की सजा को सश्रम आजीवन कारावास में बदला

चंडीगढ़ : पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने साढ़े पांच साल की बच्ची के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में एक व्यक्ति की मौत की सजा को सश्रम आजीवन कारावास में तब्दील कर दिया है और उसकी मां को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अपने राजा बेटे की रक्षा करने की कोशिश के लिए दोषी की मां को दंडित करने के लिये भारतीय दंड संहिता में कोई धारा नहीं है। दोषी को कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए (जिसमें 30 वर्ष की सजा में कोई छूट नहीं दी जाएगी) अदालत ने कहा कि हत्या स्पष्ट रूप से बलात्कार के सबूतों को नष्ट करने की घबराहट में की गई थी, न कि यह पूर्व नियोजित कृत्य था। अदालत ने जुर्माने की राशि भी बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दी। फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति अनूप चितकारा और सुखविंदर कौर की पीठ ने यह भी टिप्पणी की कि परिवार के सदस्यों (विशेष रूप से माताओं) को अक्सर अपने अनमोल बेटों के लिए इतना अंधा प्रेम होता है कि वे चाहे कितने भी दोषी या बुरे क्यों न हों, उन्हें फिर भी 'राजा बेटे' के रूप में माना जाता है। मां को सभी आरोपों से बरी करते हुए न्यायाधीशों ने कहा कि उन्होंने पुलिस को सूचित करने या पीड़िता के लिए न्याय मांगने के बजाय अपने बेटे को बचाने को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा, ''यह सामाजिक दृष्टिकोण, चाहे कितना ही चिंताजनक क्यों न हो, नया नहीं है; यह क्षेत्र की पितृसत्तात्मक मानसिकता और संस्कृति में गहराई से निहित है।''

साइबर अपराधों की चुनौतियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय विधि अकादमी की आवश्यकता : प्रधान न्यायाधीश

पणजी : प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कृत्रिम मेधा (एआई) और साइबर अपराधों से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए देशभर के वकीलों को प्रशिक्षित करने के वास्ते राष्ट्रीय स्तर की विधि अकादमी की आवश्यकता पर शुक्रवार को जोर दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत दक्षिण गोवा में स्थित भारत अंतरराष्ट्रीय विधि शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय में 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया' के राष्ट्रीय सम्मेलन और मध्यस्थता संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हम एक ऐसे युग में प्रवेश कर रहे हैं जहां एआई कानूनी व्यवस्था को मजबूत करने में एक शक्तिशाली उपकरण बन रही है, लेकिन प्रौद्योगिकी हमें विभिन्न प्रकार के अपराधों की ओर भी ले जा रही है।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि साइबर अपराध की कुछ घटनाएं ऐसी हैं जिनके बारे में कभी नहीं सुना गया है। उन्होंने कहा, ''जिस तरह से साइबर अपराधी अपराध के नये तरीकों को खोज रहे हैं, आने वाले दिनों में (कानूनी व्यवस्था के सामने) चुनौतियां और भी बड़ी और गंभीर हो जायेंगी।'' न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि वह इस बात को लेकर चिंतित हैं कि बार के सदस्य भविष्य में उभरने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को कैसे तैयार कर सकते हैं।

राजग नागरिकों के मतदान और भूमि अधिकारों को छीनने नहीं देगा: नितिन नवीन

गुवाहाटी : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन किसी को भी नागरिकों के मतदान, भूमि या कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित अधिकारों को छीनने नहीं देगा। नवीन ने असम राज्य पार्टी कार्यकारिणी की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पहले राज्य में घुसपैठ को 'सामान्य' माना जाता था क्योंकि तत्कालीन सरकारें 'वोट बैंक' की राजनीति के कारण चुप रहती थीं लेकिन भाजपा और राजग सरकार अवैध प्रवासियों को वापस भेजने के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, कुछ लोग चुनाव जीतने के लिए घुसपैठ पर निर्भर हैं लेकिन राजग इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। लोगों को अपनी सरकार चुनने का अधिकार मिलेगा। नवीन ने कहा, जो लोग इस भूमि, तिरंगे और संविधान से प्रेम करते हैं, वे

हमारे देश के नागरिक हैं तथा उनके मतदान, भूमि या योजनाओं से संबंधित अधिकारों को छीना नहीं जा सकता। उन्होंने दिसपुर और दिल्ली की पिछली सरकारों का भी जिक्र करते हुए कहा कि वे घुसपैठ पर चुप रहीं, जिससे वास्तविक नागरिकों के अधिकारों पर असर पड़ा। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष ने जोर देकर कहा, लेकिन जनता ने राजग व भाजपा पर भरोसा जताया है और हम इन घुसपैठियों को वापस भेजने के लिए कदम उठा रहे हैं। मैं इस भरोसे के लिए असम और पूर्वोत्तर के लोगों का आभारी हूं। केवल सरकार ही इस लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकती, जनता को भी जागरूक होना होगा।

पहलगाम हमले और लाल किला के निकट हुए विस्फोट की जांच 'पुख्ता जांच' के उदाहरण: शाह

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पहलगाम आतंकवादी हमले और दिल्ली विस्फोट मामलों की जांच की सराहना करते हुए इस बात पर जोर दिया कि ये सामान्य 'पुलिसिंग' के मामले नहीं हैं,

बल्कि पुख्ता जांच के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। शाह ने कहा कि बैसरन घाटी (पहलगाम) हमले में शामिल आतंकवादी देश में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ना चाहते थे और कश्मीर में शुरू हुए विकास और पर्यटन के नये युग को झटका देना चाहते थे। यहां राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा आयोजित दो दिवसीय आतंकवाद विरोधी सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले की जांच के नतीजे पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कटघरे में खड़ा कर देंगे। गृह मंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों ने बेहद सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर तीनों आतंकवादियों को मार गिराया और पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा, ''यह पहली आतंकवादी घटना है जिसमें आतंकवादी कृत्य की साजिश बनाने वालों को हमने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से दंडित किया और उन्हें उपलब्ध कराए गए हथियारों से कृत्य को अंजाम देने वालों को 'ऑपरेशन महादेव' के माध्यम से मार गिराया गया।'' शाह ने कहा कि दोनों तरफ से भारत सरकार, भारतीय सुरक्षा बलों और देश की जनता ने सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों के माध्यम से पाकिस्तान के आतंकवादी आकाओं को करारा और मुंहतोड़ जवाब दिया है। मंत्री ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले की पूरी और सफल जांच की गई, जिसका अध्ययन दुनियाभर की एजेंसियां करेंगी।

एआई से बनाई गई शिल्पा शेट्टी की तस्वीरें बेहद परेशान करने वाली : बंबई उच्च न्यायालय

मुंबई : बंबई उच्च न्यायालय ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा बनाई और रूपांतरित की गई अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की तस्वीरों को 'बेहद परेशान करने वाला और चौंकाने वाला' करार देते हुए शुक्रवार को कई सोशल मीडिया मंचों को निर्देश दिया कि वे ऐसी तस्वीरों वाले सभी लिंक और वेबसाइटों को तुरंत हटा दें। अभिनेत्री ने अपनी निजता के अधिकारों की सुरक्षा तथा कुछ वेबसाइटों और एआई-जनित सामग्री के खिलाफ आदेश की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था। इन वेबसाइटों पर कथित तौर पर शिल्पा शेट्टी की रूपांतरित और छेड़छाड़ की गई तस्वीरें तथा वीडियो प्रदर्शित किए गए थे।

पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक ने आरेडिका एवं फोर्ज्ड व्हील प्लांट का किया निरीक्षण

रायबरेली : पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर ने आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) तथा फोर्ज्ड व्हील प्लांट, रायबरेली का निरीक्षण कर उत्पादन व्यवस्था और कार्यप्रणाली की समीक्षा की। दौरे के दौरान उन्होंने आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर ओपन लाइन रेल संचालन में कोच से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने शेल शॉप, बोगी शॉप, व्हील शॉप और फर्निशिंग शॉप का भ्रमण किया। शेल शॉप में उन्होंने कोच वेल्डिंग की गुणवत्ता, साइड वॉल निर्माण, लेजर कटिंग मशीन, कोच रूफ वेल्डिंग तथा मशीनों की कार्य दक्षता का

बारीकी से अवलोकन किया और गुणवत्ता मानकों के कड़ाई से पालन पर जोर दिया। इसके बाद, श्री देउस्कर ने फोर्ज्ड व्हील प्लांट का दौरा किया, जहां उन्होंने फोर्ज्ड पहियों के निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं और चरणों की जानकारी ली। साथ ही, उन्होंने आरेडिका के 'प्रशांति परिसर' में पर्यावरण संरक्षण हेतु किए जा रहे कार्यों जैसे वर्षा जल संचयन, नवनिर्मित तालाबों और मियावाकी पद्धति से विकसित हरित क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया।

भारत ने 'एच1बी' वीजा साक्षात्कार रद्द किए जाने पर अमेरिका के समक्ष चिंता व्यक्त की

नयी दिल्ली : भारत ने शुक्रवार को कहा कि उसने बड़ी संख्या में भारतीय आवेदकों के पूर्व निर्धारित 'एच1बी वीजा' साक्षात्कार रद्द किए जाने पर अमेरिका के समक्ष चिंता व्यक्त की है और दोनों पक्ष इस मुद्दे पर बातचीत कर रहे हैं। देश में इस महीने के मध्य से होने वाले हजारों एच-1बी वीजा आवेदकों के साक्षात्कार को उनके सोशल मीडिया पोस्ट और ऑनलाइन प्रोफाइल की जांच करने के नाम पर अचानक कई महीनों के लिए स्थगित कर दिया गया है। जिन आवेदकों के वीजा के लिए 'अपॉइंटमेंट' पिछले सप्ताह निर्धारित थे, उनमें से कुछ को अमेरिकी आव्रजन अधिकारियों से ईमेल प्राप्त हुआ है, जिसमें उन्हें सूचित किया गया है कि उनके साक्षात्कार अगले साल मई तक के लिए स्थगित कर दिए गए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में बताया कि भारत सरकार को उन भारतीय नागरिकों से कई शिकायतें मिली हैं जिन्हें अपने वीजा 'अपॉइंटमेंट' को पुनर्निर्धारित करने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वीजा संबंधी मुद्दे किसी भी देश की संप्रभुता से जुड़े होते हैं। जायसवाल ने कहा, ''हमने इन मुद्दों और अपनी चिंताओं को अमेरिकी पक्ष के समक्ष उठाया है, नयी दिल्ली में भी और वाशिंगटन डीसी में भी। हमें उम्मीद है कि इस देरी और व्यवधान का समाधान किया जाएगा।''

सार्वजनिक स्थान पर कबूतरों को दाना डालने के जुर्म में कारोबारी पर 5,000 रुपये का जुर्माना

मुंबई : मुंबई की एक अदालत ने सार्वजनिक स्थान पर कबूतरों को दाना डालने के मामले में एक व्यवसायी को दोषी ठहराते हुए उस पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। अदालत ने कहा कि यह कृत्य जीवन के लिए खतरनाक बीमारियों के संक्रमण के फैलने की आशंका पैदा करता है। यह आदेश बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के जन असुविधा और लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बताते हुए शहर के अधिकतर हिस्सों में कबूतरों को दाना खिलाने पर प्रतिबंध लगाए जाने के कुछ महीनों बाद आया है। दादर निवासी नितिन शेठ (52) को एक अगस्त को शहर के माहिम इलाके में स्थित और अब

बंद हो चुके 'कबूतरखाना' में कबूतरों को दाना खिलाते हुए पकड़ा गया था। शेठ द्वारा अपना जुर्म कबूल किए और रियायत दिए जाने की मांग के बाद अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वी. यू. मिसल (बांद्रा) ने 22 दिसंबर को उसे दोषी ठहराया। शेठ की याचिका स्वीकार करते हुए अदालत ने कारोबारी को 5,000 रुपये का जुर्माना भरने की सजा सुनाई। मजिस्ट्रेट ने शेठ पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223(ख) के तहत मानव जीवन, स्वास्थ्य या सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कृत्य और सरकारी आदेश के उल्लंघन का आरोप तय किया था।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 20 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नयी दिल्ली में शुक्रवार को आयोजित एक समारोह में वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों के लिए 20 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी और कहा कि पुरस्कार विजेता बच्चों ने अपने परिवारों, समुदायों और पूरे देश को गौरवान्वित किया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रोत्साहित किए जाने के मकसद से प्रदान किए गए यह पुरस्कार देश भर के सभी बच्चों को प्रेरित करेंगे। उन्होंने वीर बाल दिवस के महत्व के बारे में कहा कि लगभग 320 साल पहले, 10वें सिख गुरु, गुरु गोविंद सिंह जी और उनके चार पुत्रों ने सत्य एवं न्याय के

समर्थन में लड़ते हुए 'सर्वोच्च बलिदान' दिए। वीर बाल दिवस 26 दिसंबर को मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि दो सबसे कम उम्र के साहिबजादों - बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह - की वीरता को भारत तथा विदेश दोनों जगह सम्मानित किया जाता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने सत्य और न्याय के लिए गर्व से अपने प्राणों की आहुति देने वाले उन महान बाल नायकों को श्रद्धापूर्वक याद किया। राष्ट्रपति ने कहा कि किसी देश की महानता तभी निश्चित होती है जब उसके बच्चे देशभक्ति और उच्च आदर्शों से ओतप्रोत हों। उन्होंने कहा, ''सात वर्षीय वाका लक्ष्मी प्रग्निका जैसी प्रतिभाशाली बच्चियों की बदौलत ही भारत को विश्व स्तर पर शतरंज की महाशक्ति माना जाता है। अपनी बहादुरी और बुद्धिमत्ता से दूसरों की जान बचाने वाले अजय राज और मोहम्मद सिदान पी. हर तरह की प्रशंसा के पात्र हैं।'' उन्होंने कहा, ''नौ वर्षीय बेटी व्योमा प्रिया और 11 वर्षीय बहादुर बेटे कमलेश कुमार ने दूसरों की जान बचाते हुए अपनी जान गंवाई जबकि 10 वर्षीय श्रवण सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युद्ध से जुड़े जोखिमों के बावजूद, अपने घर के पास सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों को नियमित रूप से पानी, दूध और लस्सी पहुंचाई। वहीं, दिव्यांग बेटी शिवानी होसुरू उप्पारा ने आर्थिक और शारीरिक सीमाओं को पार करते हुए खेल जगत में असाधारण उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने पुरस्कार जीतने वाले कुछ बच्चों का जिक्र करते हुए कहा, ''वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट की अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और प्रतिभा से भरी दुनिया में अपना नाम बनाया है और कई रिकॉर्ड स्थापित किए हैं।'' महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि जिन बच्चों को पुरस्कार दिए गए हैं, उन्होंने यह साबित कर दिया है कि आत्मविश्वास और समर्पण से संसाधनों की कमी को दूर किया जा सकता है।

डरूंगी नहीं, उच्चतम न्यायालय पर पूरा भरोसा है: उन्नाव बलात्कार पीड़िता

नयी दिल्ली : उन्नाव बलात्कार पीड़िता ने शुक्रवार को कहा कि वह कुलदीप सेंगर की उम्रकैद की सजा के निलंबन के फैसले से नहीं डरेगी और उसे मामले में इंसाफ के लिए उच्चतम न्यायालय पर पूरा भरोसा है। पीड़िता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि वह देश की महिलाओं के बीच गए संदेश पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाने के लिए उच्च न्यायालय के बाहर विरोध-प्रदर्शन में शामिल हुई थी। पीड़िता ने एक नागरिक के रूप में सवाल उठाने के अपने अधिकार पर जोर दिया। उसने कहा, ये सवाल पूछना मेरा और जनता का अधिकार है। हर न्यायाधीश ऐसा नहीं होता। पीड़िता ने कहा कि सेंगर को जमानत मिलने से उसके परिवार की सुरक्षा और आजीविका खतरे में पड़ गई है। उसने कहा, इस आदेश ने मुझे और मेरे जैसी कई महिलाओं को कैद कर दिया है। इससे मेरे परिवार को खतरा है। मेरे पति की नौकरी चली गई है। अब हम क्या करें? शीर्ष अदालत में पूरा भरोसा जताते हुए पीड़िता ने कहा कि वह उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी। पीड़िता ने कहा, हम उच्चतम न्यायालय का रुख करेंगे और मुझे उस पर पूरा भरोसा है। शीर्ष अदालत ने मुझे पहले भी न्याय दिया है और मुझे यकीन है कि वह फिर से ऐसा करेगी। पीड़िता ने मामले में कानूनी लड़ाई जारी रखने का संकल्प लेते हुए कहा कि वह डरकर चुप बैठने वालों में से नहीं है। उसने कहा, उन्हें लगा था कि हम डर जाएंगे और चुप रहेंगे। उन्होंने किसी महिला का दुर्गा अवतार नहीं देखा है। हम डरेंगे नहीं। पीड़िता ने अपने संघर्ष को महिलाओं के अधिकारों के लिए एक व्यापक लड़ाई बताया। उसने कहा, यह इस देश की महिलाओं के लिए न्याय की लड़ाई है। मुझे इस बात की परवाह नहीं कि हमें जेल में डाला जा सकता है। हम अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उन्नाव बलात्कार मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे सेंगर को मंगलवार को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। उसने कहा कि सेंगर दिसंबर 2019 में निचली अदालत की ओर से दी गई सजा के खिलाफ उसकी अपील के निपटारे तक जमानत पर जेल से बाहर रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

सूरज शर्मा ने सीनियर और जूनियर 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में बनाया दबदबा

नयी दिल्ली: मध्य प्रदेश के सूरज शर्मा ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में शुक्रवार को यहां 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल (आरएफपी) स्पर्धा के सीनियर और जूनियर दोनों पुरुष वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। सूरज ने सीनियर फाइनल में अपने पहले 20 में से 19 को सटीक निशाने लगाते हुए शानदार शुरुआत की। उन्होंने 31 निशाने लगाकर प्रतियोगिता का समापन किया। सूरज ने पंजाब के मौजूदा चैंपियन विजयवीर सिद्धू (28) को तीन अंकों से पछाड़ा। राजस्थान के भावेश शेखावत ने 24 निशानों के साथ कांस्य पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया।

युवराज संधू 64 के कार्ड से शीर्ष पर पहुंचे

जमशेदपुर: भारतीय गोल्फर युवराज संधू ने शुक्रवार को पीजीटीआई के सत्र के अंतिम टूर्नामेंट टाटा ओपन के दूसरे दौर मे आठ अंडर 64 का शानदार कार्ड खेलकर लीडरबोर्ड में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। संधू (67-64) ने दो दौर के बाद कुल 11-अंडर 131 का स्कोर बना लिया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों पर तीन शॉट की बढ़त हासिल की। वह बीती रात संयुक्त आठवें स्थान पर थे जिससे उन्होंने सात पायदान की छलांग लगाई। इस साल पीजीटीआई पर छह खिताब जीत चुके संधू पहले ही 2025 पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट का खिताब अपने नाम कर चुके हैं जिससे उन्होंने अगले साल डीपी वर्ल्ड टूर में अपनी जगह पक्की कर ली है। अब उनकी नजर पीजीटीआई पर रिकॉर्ड सातवें खिताब पर है। इक्कीस वर्षीय शुभम जगलान (68-66) ने दूसरे दौर में चार-अंडर 66 का कार्ड खेला जिससे वह कुल आठ अंडर 134 के स्कोर के साथ चार स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

रेणुका-दीप्ति के बाद शेफाली का जलवा, भारत ने श्रीलंका को हराकर श्रृंखला जीती

तिरुवनंतपुरम, समाज्ञा : भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रेणुका सिंह ठाकुर और दीप्ति शर्मा की घातक गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की शानदार नाबाद पारी के दम पर श्रीलंका को तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में आठ विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। भारत ने यह मुकाबला 40 गेंद शेष रहते अपने नाम किया। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद श्रीलंकाई टीम सात विकेट पर 112 रन ही बना सकी। भारत की ओर से तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने चार ओवर में एक मेडन सहित 21 रन देकर चार विकेट चटकाए। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 18 रन देकर तीन विकेट लिए। इसके साथ ही दीप्ति टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 151 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की मेगान शट के साथ संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं। श्रीलंका की ओर से हसिनी परेरा ने 25 रन बनाकर तेज शुरुआत दिलाने की कोशिश की, लेकिन कप्तान चामरी अटापट्टू जल्दी आउट हो गईं। बाद में कविशा दिलहारी (20) और इमेशा दुलानी (27) ने 40 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने का प्रयास किया, पर भारतीय गेंदबाजों के दबाव में टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही और स्मृति मंधाना मात्र एक रन बनाकर आउट हो गईं। इसके बाद शेफाली वर्मा ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 21) के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई। शेफाली ने 42 गेंदों में 11 चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 79 रन बनाए और लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ा। इस जीत के साथ ही हरमनप्रीत कौर टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली कप्तान बन गईं। उनकी अगुवाई में भारत ने 130 मैचों में 77 जीत दर्ज कर ऑस्ट्रेलिया की मैग लानिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

दीप्ति शर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं

भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ तीसरे मैच में 18 रन देकर तीन विकेट के शानदार प्रदर्शन से महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की मेगान शट के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनने का गौरव हासिल किया। इससे उनके नाम 151 हो गए हैं। दीप्ति ने 131 मैचों में 18.73 के औसत और 18.43 के स्ट्राइक रेट से 151 विकेट पूरे किए। वहीं मेगान शट ने यह आंकड़ा आठ मैच कम खेलकर हासिल किया था जिसमें उनका औसत 17.70 और स्ट्राइक रेट 16.57 है। दीप्ति ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि अपने अंतिम ओवर में माल्शा शेहानी को आउट करके हासिल की।

क्रिकेट प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित

नयी दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत में धूम मचाने वाले 14 वर्षीय प्रतिभाशाली खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी और सात वर्षीय शतरंज खिलाड़ी वका लक्ष्मी प्रिया सहित कई बच्चों को शुक्रवार को यहां प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। तैराकी सनसनी धिनिधि देसिंघु को भी इस पुरस्कार से नवाजा गया जो खेल, वीरता, सामाजिक सेवा और पर्यावरण के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों के लिए दिए जाते हैं। सूर्यवंशी ने कुछ दिन पहले रांची में विजय हजारे ट्रॉफी प्लेट ग्रुप मैच में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ बिहार की ओर से 84 गेंद में 190 रन की विस्फोटक पारी खेली थी जिसमें 16 चौके और 15 छक्के जड़े थे। वह इस पारी के साथ ही लिस्ट ए क्रिकेट में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष क्रिकेटर बन गए। उन्होंने महज 14 साल और 272 दिन की उम्र में 36 गेंद में शतक पूरा किया। बिहार ने सूर्यवंशी की ऐतिहासिक बल्लेबाजी की बदौलत छह विकेट पर 574 रन का स्कोर खड़ा किया जो लिस्ट ए क्रिकेट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी है। इससे पहले सूर्यवंशी इस साल जयपुर में राजस्थान रॉयल्स की ओर से आईपीएल मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंद में 101 रन बनाकर पुरुष टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक जड़ने वाले खिलाड़ी बन गए थे। उन्होंने 35 गेंद में यह शतक जड़ा था जो आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज सैकड़ा था। भारत की अंडर-19 टीम के इस क्रिकेटर ने इस साल ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ चार दिवसीय मैच में भी शतक जड़ा था।

कोहली-पंत के अर्धशतकों से दिल्ली ने गुजरात को सात रन से हराया

बेंगलुरू: विराट कोहली और ऋषभ पंत की शानदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत दिल्ली ने विजय हजारे ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी के मुकाबले में शुक्रवार को गुजरात को सात रन से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। लक्ष्य का पीछा करते समय गुजरात मजबूत स्थिति में थी, लेकिन बल्लेबाजों की गैर-जिम्मेदाराना बल्लेबाजी के कारण टीम जीत से चूक गई। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में नौ विकेट पर 254 रन बनाए। 'प्लेयर ऑफ द मैच' विराट कोहली ने 61 गेंदों में 77 रन की आक्रामक पारी खेली, जबकि ऋषभ पंत ने 79 गेंदों में 70 रन बनाकर पारी को संभाले रखा। कोहली ने अपनी पारी में आकर्षक ड्राइव, पुल और फ्लिक शॉट लगाए तथा लिस्ट ए क्रिकेट में अपना 85वां अर्धशतक पूरा किया। बाएं हाथ के स्पिनर विशाल जायसवाल (42 रन देकर चार विकेट) ने कोहली को आउट कर दिल्ली की रफ्तार पर ब्रेक लगाया। पंत ने इसके बाद हर्ष त्यागी (40) के साथ 73 रन की अहम साझेदारी की। अंत में सिमरजीत सिंह और इशांत शर्मा ने उपयोगी रन जोड़कर दिल्ली को 250 के पार पहुंचाया। जवाब में गुजरात की शुरुआत अच्छी रही। आर्यन देसाई (57) ने उर्विल पटेल (31) के साथ पहले विकेट के लिए 67 रन जोड़े। हालांकि 121 रन पर एक विकेट के बाद गुजरात ने 23 रन के भीतर चार विकेट गंवा दिए, जिससे मैच का रुख बदल गया। सौरव चौहान (49) ने विशाल जायसवाल के साथ 69 रन की साझेदारी कर उम्मीद जगाई, लेकिन सिमरजीत सिंह ने चौहान को आउट कर दिल्ली की पकड़ मजबूत कर दी।

पडिक्कल-नायर की शतकीय चमक से कर्नाटक की लगातार दूसरी जीत

अहमदाबाद: देवदत्त पडिक्कल के लगातार दूसरे शतक और करुण नायर के नाबाद सैकड़े की बदौलत गत विजेता कर्नाटक ने विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट के ग्रुप ए में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। कर्नाटक ने शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में केरल को आठ विकेट से शिकस्त दी। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी कर्नाटक की टीम ने केरल को सात विकेट पर 284 रन तक सीमित रखा। केरल की शुरुआत खराब रही और 49 रन तक उसके तीन विकेट गिर गए। इसके बाद बाबा अपराजित ने 62 गेंदों में 71 रन और विकेटकीपर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 58 गेंदों में 84 रन की तेज पारी खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

मुंबई के बल्लेबाज रघुवंशी को चोट लगने के बाद अस्पताल ले जाया गया, छुट्टी मिली

जयपुर: मुंबई के सलामी बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी को शुक्रवार को उत्तराखंड के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी मैच के दौरान एक मुश्किल कैच लेने की कोशिश में कंधे, गर्दन और सिर में चोट लगने (कनकशन) के बाद अस्पताल ले जाया गया। हालांकि 21 वर्षीय रघुवंशी को जांच के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और स्कैन में कोई गंभीर चोट सामने नहीं आने के बाद वह टीम होटल लौट आए हैं। यह घटना पारी के 30वें ओवर में हुई जिसमें ऑफ स्पिनर तनुष कोटियान गेंदबाजी कर रहे थे। दाएं हाथ के बल्लेबाज सौरभ रावत ने स्लॉग-स्वीप खेलने की कोशिश की और डीप मिडविकेट पर खड़े रघुवंशी कैच पकड़ने के लिए तेजी से दौड़ते हुए आगे बढ़े। उन्होंने एक हाथ से गेंद को लपकने का प्रयास किया लेकिन यह सफल नहीं रहा और वह गिर पड़े जिससे उनके कंधे में चोट लगी और उनका सिर जमीन से टकरा गया। इससे उन्हें कनकशन (सिर में चोट) हो गया। रघुवंशी कुछ सेकेंड के लिए घुटनों के बल बैठे रहे लेकिन फिर जमीन पर लेट गए। इसके बाद मुंबई के फिजियो मैदान पर पहुंचे। रघुवंशी अपने पैरों पर खड़े नहीं हो पा रहे थे तो स्ट्रेचर मंगवाया गया और बाहर खड़ी 'एम्बुलेंस' उन्हें पास के एसडीएमएच अस्पताल ले गई।

हार्दिक एचआईएल संचालन परिषद टीम के कप्तान बने

नयी दिल्ली: भारत के स्टार मिडफील्डर हार्दिक सिंह को तीन जनवरी से चेन्नई में शुरू हो रही पुरूष हॉकी इंडिया लीग में एचआईएल संचालन परिषद टीम का कप्तान बनाया गया है। एचआईएल संचालन परिषद का पहला मैच पांच जनवरी को एसजी पाइपर्स से होना है। हार्दिक ने एक विज्ञप्ति में कहा ,'मैं इस मौके के लिये शुक्रगुजार हूं। कप्तानी करना रोमांचक अनुभव होगा और हमारे पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। हमें उम्मीद है कि इस सत्र में प्रदर्शन शानदार होगा।'

रुपया 19 पैसे कमजोर होकर 89.90 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई: घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और विदेशी पूंजी की निकासी के दबाव में रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे टूटकर 89.90 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतों में सुधार, आयातकों की मजबूत डॉलर मांग और व्यापार समझौते से जुड़ी अनिश्चितताओं के बीच जोखिम से बचने की प्रवृत्ति ने निवेशकों की कारोबारी धारणा को प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 89.84 प्रति डॉलर पर खुला और कारोबार के दौरान एक समय 89.94 के निचले स्तर तक चला गया। हालांकि कारोबार के अंत में रुपया कुछ नुकसान की भरपाई करते हुए 89.90 पर बंद हुआ, जो इसके पिछले बंद भाव से 19 पैसे की गिरावट है। बुधवार को रुपया शुरुआती बढ़त गंवाकर डॉलर के मुकाबले आठ पैसे टूटकर 89.71 पर बंद हुआ था। क्रिसमस के अवसर पर बृहस्पतिवार को विदेशी मुद्रा और शेयर बाजार बंद थे। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि नए साल की छुट्टियों से पहले विदेशी निवेशकों की तरफ से लगातार पूंजी निकासी किए जाने तथा आयातकों की भारी डॉलर मांग से भी रुपये पर दबाव बना रहा। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत बढ़कर 98.07 पर पहुंच गया।

विदेशी पूंजी की निकासी से सेंसेक्स 367 अंक फिसला, निफ्टी 100 अंक कमजोर

मुंबई: विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू स्तर पर किसी बड़े सकारात्मक संकेत के अभाव में शुक्रवार को स्थानीय मानक बीएसई सेंसेक्स 367 अंक गिरकर बंद हुआ जबकि निफ्टी 100 अंकों के नुकसान में रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 367.25 अंक यानी 0.43 प्रतिशत गिरकर 85,041.45 अंक पर बंद हुआ जो इसकी गिरावट का लगातार तीसरा सत्र रहा। कमजोर कारोबार के बीच एक समय यह 470.88 अंक टूटकर 84,937.82 के स्तर तक आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 99.80 अंक यानी 0.38 प्रतिशत गिरकर 26,042.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी लगातार दूसरे दिन नुकसान के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इटर्नल और सन फार्मा के शेयरों में सर्वाधिक गिरावट रही। दूसरी तरफ, टाइटन, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। ऑनलाइन ट्रेडिंग मंच एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पोनमुडी आर. ने कहा, भारतीय शेयर बाजारों ने कुल मिलाकर सतर्क रुख के साथ कारोबार किया। किसी मजबूत वैश्विक संकेत के अभाव और विदेशी निवेशकों की निकासी जारी रहने से साल के अंतिम दिनों में शेयर कारोबार की संख्या सीमित बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इस परिवेश में निवेशकों ने आईटी, रियल एस्टेट और ऊर्जा खंडों में चुनिंदा मुनाफावसूली की जबकि कुछ बैंकों एवं धातु शेयरों ने अपनी मजबूती दिखायी। व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सूचकांक 0.34 प्रतिशत गिर गया जबकि मझोली कंपनियों के मिडकैप सूचकांक में 0.18 प्रतिशत की सुस्ती रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में फोकस आईटी खंड में 1.04 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई जबकि आईटी खंड में 0.89 प्रतिशत, दूरसंचार खंड में 0.59 प्रतिशत, पूंजीगत उत्पाद खंड में 0.54 प्रतिशत और वाहन खंड में 0.54 प्रतिशत की गिरावट रही।

न्यूज अपडेट

इंडिगो पर जीएसटी से जुड़ा 13 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना

नयी दिल्ली: देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के संबंध में 13 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। पंजाब के राज्य कर, उत्पाद शुल्क और कराधान विभाग सहायक आयुक्त के कार्यालय ने वित्त वर्ष 2021-22 से संबंधित 13,28,255 रुपये का जुर्माना लगाया है। विभाग ने जुर्माने के साथ-साथ जीएसटी की मांग भी उठाई है। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ''विभाग ने जीसीएटी मांग के साथ जुर्माना भी लगाया है। कंपनी मानती है कि प्राधिकरण द्वारा पारित आदेश त्रुटिपूर्ण है। कंपनी इस निर्णय को उचित प्राधिकरण के समक्ष चुनौती देगी।'

भारत ने चीन के दो उत्पादों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाया

नयी दिल्ली: भारत ने घरेलू कंपनियों को पड़ोसी देश से सस्ते आयात से बचाने के लिए इस महीने अब तक दो चीनी उत्पादों... रेफ्रिजरेंट गैस और कुछ इस्पात उत्पादों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाया है। पड़ोसी देश से सस्ते आयात से घरेलू उद्योग को बचाने के लिए यह कदम उठाया गया। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, इस्पात के सामान पर भारत ने कुछ चीनी कंपनियों पर 223.82 डॉलर प्रति टन का डंपिंग रोधी शुल्क लगाया है, जबकि कुछ अन्य पर पांच साल के लिए 415 डॉलर प्रति टन का डंपिंग रोधी शुल्क लगाया गया है। गैस पर पांच साल के लिए 5,251 डॉलर प्रति टन तक का डंपिंग रोधी शुल्क लगाया गया। एक अलग अधिसूचना के अनुसार, भारत ने कहा कि उसने वियतनाम से निर्यात होने वाले 'कैल्शियम कार्बोनेट फिलर मास्टरबैच' के आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाया है।

टाइटन 'बीऑन' ब्रांड नाम से प्रयोगशाला में बने हीरे के कारोबार में उतरेगी

नयी दिल्ली: देश की अग्रणी आभूषण निर्माता कंपनी टाइटन ने शुक्रवार को 'बीऑन' ब्रांड नाम के तहत प्रयोगशाला में बने हीरे के कारोबार में प्रवेश की घोषणा की। कंपनी प्रयोगशाला में बने किफायती हीरे पर ध्यान केंद्रित करते हुए 29 दिसंबर को मुंबई में एक स्टोर खोलेगी। टाटा समूह द्वारा संचालित कंपनी ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। कंपनी ने कहा, ''टाइटन 29 दिसंबर 2025 को मुंबई में एक विशेष रिटेल स्टोर के साथ 'बीऑन - फ्रॉम द हाउस ऑफ टाइटन' ब्रांड पेश करेगी। इसका मकसद घड़ियों, इत्र, साड़ियों और हैंडबैग से आगे जीवन शैली श्रेणियों में महिलाओं की आभूषण संबंधी जरूरतों को पूरा करना है।'' टाइटन ने कहा कि 'बीऑन' ब्रांड प्रयोगशाला में बने हीरे के आभूषणों की एक चयनित श्रृंखला पेश करेगा और इस उभरती श्रेणी में शुरुआत करते हुए निकट भविष्य में मुंबई और दिल्ली में दो और स्टोर जोड़ने की योजना है।

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2025: तकनीक से पर्यावरणीय स्थिरता की नई राह

कोलकाता : आईआईटी दिल्ली के सहयोग से आयोजित सैमसंग के प्रमुख शिक्षा कार्यक्रम सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो (एसएफटी) 2025 में युवाओं ने तकनीक के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता की नई परिभाषा गढ़ी है। देशभर के हजारों छात्रों ने तकनीक के जरिए पर्यावरण संरक्षण थीम पर जल, ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छ जल और कार्बन कटौती से जुड़े अभिनव समाधान प्रस्तुत किए। इस वर्ष का शीर्ष विजेता 'पृथ्वी रक्षक' रहा, जिसे अभिषेक ढांडा, प्रभकीरत सिंह और रचिता चंडोक ने विकसित किया। यह एआई-संचालित वर्मीकंपोस्टिंग सिस्टम स्मार्ट सेंसर्स की मदद से जैविक कचरे को स्वतः पोषक खाद में बदल देता है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश का 'ड्रॉप ऑफ होप', असम का 'रिन्यूएबल डिसैलिनेशन', गुजरात का 'स्मालब्लू' और मध्य प्रदेश का 'वॉक्समैप्स' जैसे नवाचार भी चर्चा में रहे। विजेता टीमों को आईआईटी दिल्ली में इनक्यूबेशन सपोर्ट और वित्तीय अनुदान मिला। 2010 से यह कार्यक्रम विश्वभर में लाखों युवा नवोन्मेषकों को सशक्त बना रहा है।

कोल इंडिया ने सीएमडी बी साईराम को कंपनी का सीईओ नियुक्त किया

नयी दिल्ली: देश की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बी साईराम को कंपनी का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। यह निर्णय शुक्रवार को हुई कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में लिया गया। सीएमडी और सीईओ की दोहरी भूमिका में साईराम की नियुक्ति कोयला क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी में तेज और प्रभावी प्रबंधन को बढ़ावा देने के केंद्र सरकार के प्रयासों को दर्शाती है। कोल इंडिया देश के घरेलू कोयला उत्पादन का 80 प्रतिशत से अधिक योगदान देती है। यह नियुक्ति महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि सीआईएल ने महत्वपूर्ण खनिज विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए 2025-26 में 87.5 करोड़ टन उत्पादन लक्ष्य को पूरा करने के प्रयासों को तेज कर दिया है। कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में कहा, 'सीआईएल के निदेशक मंडल ने 26 दिसंबर, 2025 को हुई अपनी बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बी साईराम को सीआईएल का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है।'

छोटे उद्योगों को दिया गया कुल कर्ज 46 लाख करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली: छोटे उद्योगों पर बकाया कुल कर्ज बढ़कर 46 लाख करोड़ रुपये हो गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 30 सितंबर तक इसमें 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सीआरआईएफ हाई मार्क - सिडबी की रिपोर्ट में कहा गया कि सक्रिय ऋण खातों की संख्या 11.8 प्रतिशत बढ़कर 7.3 करोड़ हो गई है। नीतिगत समर्थन और एमएसएमई (छोटे एवं मझोले उद्यम) के लिए सरकार की विभिन्न ऋण योजनाओं ने इस गति को बनाए रखने में मदद की है। रिपोर्ट में कहा गया कि विभिन्न श्रेणियों में पोर्टफोलियो की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। ऐसे में 91 से 180 दिनों तक की देरी वाले ऋण सितंबर 2025 तक घटकर लगभग 1.4 प्रतिशत रह गए, जो सितंबर 2023 में 1.7 प्रतिशत थे। उद्यमों का जोखिम प्रोफाइल लगातार कम बना हुआ है। एकल स्वामित्व वाले कारोबारों में भी स्थिर सुधार देखा गया है और सितंबर 2023 से सितंबर 2025 के बीच बहुत कम और कम जोखिम वाले उधारकर्ताओं की हिस्सेदारी बढ़ी है। रिपोर्ट में कहा गया कि एकल स्वामित्व वाले कारोबार का कुल कर्ज में अधिक हिस्सा है। कुल कर्ज का लगभग 80 प्रतिशत और उधारकर्ताओं का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं का है। सितंबर 2025 तक 23.3 प्रतिशत उधारकर्ता नए थे और 12 प्रतिशत पहली बार उद्यम ऋण ले रहे थे। उद्यमों के मामले में कार्यशील पूंजी ऋण का दबदबा बना हुआ है और यह कुल बकाया कर्ज का लगभग 57 प्रतिशत हिस्सा है।

वेदांता का शेयर 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर, इस वर्ष अब तक 35 प्रतिशत से अधिक चढ़ा

नयी दिल्ली: तेल और धातु क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड का शेयर शुक्रवार को एक साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के शेयर में अब तक 35 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है। बीएसई पर कंपनी का शेयर इस साल 35.29 प्रतिशत बढ़ चुका हैं। कारोबार के दौरान यह 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 607.65 रुपये पर पहुंच गया। पिछले 13 कारोबारी सत्रों से कंपनी के शेयर में उछाल जारी है। इस दौरान वेदांता शेयर 17.44 प्रतिशत उछला है।

चांदी 9,350 रुपये बढ़कर 2.36 लाख रुपये किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर

नयी दिल्ली: मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत शुक्रवार को 9,350 रुपये बढ़कर 2,36,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। बुधवार को चांदी की कीमत 2,27,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। पिछले चार कारोबारी सत्रों में चांदी की कीमत 32,250 रुपये यानी 15.8 प्रतिशत बढ़ी है। यह 19 दिसंबर को 2,04,100 रुपये प्रति किलोग्राम थी। इस साल चांदी की कीमत 31 दिसंबर, 2024 को 89,700 रुपये प्रति किलोग्राम रही थी और तब से इसमें 1,46,650 रुपये यानी 163.5 प्रतिशत की तेजी आई है। इस बीच, सोने की कीमतों ने स्थानीय सर्राफा बाजार में अपनी तेजी बरकरार रखी। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,500 रुपये बढ़कर 1,42,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। यह पिछले कारोबारी सत्र में 1,40,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। इस साल अब तक, सोने की कीमतों में 31 दिसंबर, 2024 को दर्ज 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम से 63,350 रुपये यानी 80.24 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

वर्ष 10, पूर्णांक 3455 अंक 265, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in